राष्ट्रीय दैनिक

प्रात:किरण

हर खबर की खबर

नई दिल्ली, पटना एवं जबलपुर (म. प्र.) से एक साथ प्रकाशित

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 प्रयागराज मे राहुल गांधी के गूंज कार्यक्रम की जगह....

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज.... 11

वर्ष : 17 | अंक : 105 | नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026 | विक्रम संवत् 2083 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मौसम

अधिकतम तापमान 38.0°C

न्यूनतम तापमान 27.0°C

राजधानी दिल्ली व आसपास के क्षेत्रों में आज भी बारिश के आसार

हां	85%
नहीं	20%
कह नहीं सकते	10%

बाजार

सोना 1,46,250

चांदी 2,44,000

सेंसेक्स 78,581.24

निफ्टी 24,624.46

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिले नेटफ्लिक्स के को-सीईओ टेड सारंडोस, मनोरंजन क्षेत्र की संभावनाओं पर की चर्चा

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली देश में नेटफ्लिक्स के 10 वर्ष पूरे होने का जश्न शुरू हो गया है। इस ऐतिहासिक अवसर पर नेटफ्लिक्स के सह- मुख्य कार्यकारी अधिकारी (को-सीईओ) टेड सारंडोस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मुलाकात पर खुशी जताते हुए बुधवार देररात शब्द चित्र को एक्स पर साझा किया। दोनों के बीच मनोरंजन के वैश्विक आयामों पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, "टेड सारंडोस से मिलकर खुशी हुई। भारत के मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर चर्चा की। भारत में कहानी कहने की एक समृद्ध परंपरा और रचनात्मक प्रतिभा का एक असाधारण भंडार है। इसका लाभ उठाकर सामग्री निर्माण के वैश्विक केंद्र के रूप में देश की स्थिति को मजबूत किया जा सकता है।" उन्होंने अपने शब्द चित्र के साथ नेटफ्लिक्स इंडिया की पोस्ट भी साझा की। इसमें कहा गया, " भारत में नेटफ्लिक्स के 10 साल पूरे होने का जश्न! हमारे को-सीईओ टेड सारंडोस का माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से मिलना सम्मान की बात रही। उन्होंने भारत के मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री को ग्लोबल स्तर पर ले जाने के अपने साझा दृष्टिकोण पर चर्चा की।" नेटफ्लिक्स इंडिया ने कहा, " भारत में इस दिशा में कदम बढ़ाते हुए नेटफ्लिक्स इंडिया स्टोरीटेलिंग इनिशिएटिव की शुरूआत की गई है। यह एक ऐसा मंच है जो भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) और राष्ट्रीय फि ल्म विकास निगम (एनएफडीसी) के साथ स्किलिंग और एजुकेशन पार्टनरशिप के जरिए भारत के क्रिएटिव टैलेंट की अगली पीढ़ी को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा में स्टेम नवाचार लैब का किया उद्घाटन

बोलीं– सरकारी स्कूलों में विश्वस्तरीय सुविधाओं का विस्तार जारी

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पीतमपुरा के सर्वोदय विद्यालय में नई विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (स्टेम) नवाचार लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह लैब छात्रों के लिए एक ऐसी जगह है, जहां वे करके सीख सकते हैं, रचनात्मक रूप से सोच सकते हैं और अपने विचारों को नवाचार में बदल सकते हैं। इस मौके पर किक्रेट शिखर धवन एवं सोफी धवन मौजूद रही। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली का हर विद्यार्थी बड़े सपने देखे और उन्हें साकार करने के लिए आधुनिक अवसर पाए, यही हमारी प्रतिबद्धता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के विजन के अनुरूप दिल्ली के सरकारी विद्यालयों में विश्वस्तरीय शिक्षण सुविधाओं का विस्तार निरंतर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी सर्वोदय विद्यालय पीतमपुरा में स्टेम नवाचार लैब का शुभारंभ इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) जनभागीदारी की उस शक्ति का उदाहरण है, जो सरकारी विद्यालयों में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के नए आयाम स्थापित कर रही है। इस लैब को शिखर धवन फाउंडेशन,एचएमडी इंडिया और डा वन ग्रुप के सहयोग से बनाया गया है। मुख्यमंत्री ने इस सहयोग के लिए शिखर धवन एवं सोफी धवन का धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आपका योगदान दिल्ली के बच्चों के उज्ज्वल भविष्य में एक महत्वपूर्ण निवेश है।

झारखंड में प्रदर्शनकारी छात्र सरकार से बातचीत को तैयार

शर्त रखी- मुख्यमंत्री मीडिया के सामने बात करें; परीक्षा कराने वाली कंपनी का अकाउंटेंट गिरफ्तार

प्रात : किरण, एजेंसी

झारखंड । में PSC समेत अन्य भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी का विरोध कर रहे छात्रों को सरकार ने बातचीत का प्रस्ताव दिया है। छात्र इसके लिए तैयार हो गए। सरकार से बातचीत के लिए 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल जाएगा। इसमें 8 छात्र, 2 पत्रकार और 1 वकील होंगे। बातचीत के दौरान सिर्फ छात्र प्रतिनिधि ही अपनी बात रखेंगे। जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम में धरना दे रहे छात्र नेता रविंद्र पासवान ने कहा कि बुधवार को सरकार का प्रस्ताव लेकर आए रउ्ढ ने छात्र प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों के नाम मांगे हैं। इसके बाद बैठक की तारीख और समय तय होगा। हालांकि, छात्रों ने एक शर्त भी रखी है कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन खुद बात करें। इस दौरान कम से कम दो मीडिया प्रतिनिधि मौजूद रहें। CM हेमंत सोरेन ने बातचीत के लिए चार मंत्रियों की कमेटी बनाई है। देवेंद्र नाथ महतो समेत 6 छात्र अनशन पर हैं। वे मामले में CBI-एऊजांच की मांग कर रहे हैं। बुधवार रात CID ने रांची और लखनऊ में छापेमारी कर परीक्षा संचालन करने वाली आउटसोर्स एजेंसी टीएसआर डेटा प्रोसेसिंग प्राइवेट लिमिटेड (टीडीपीएल) के अकाउंटेंट रक्षक सिंह समेत 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया। अब तक 19 लोग पकड़े जा चुके हैं।

छात्र क्यों कर रहे हैं आंदोलन

2 जुलाई को झारखंड लोक सेवा आयोग (JPSC) ने 14वीं संयुक्त सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा का रिजल्ट जारी किया था। इसमें 2,204 उम्मीदवार मुख्य परीक्षा के लिए चुने गए। इसके बाद 18 से 20 जुलाई के बीच मेंस परीक्षा होनी थी। रिजल्ट आने के बाद कई उम्मीदवारों ने गड़बड़ी के आरोप लगाए। उनका कहना था कि कट-ऑफ जारी नहीं की गई। इसी दौरान सोशल मीडिया पर एक उम्मीदवार की कथित OMR शीट वायरल हुई। दावा किया गया कि उसने सिर्फ 48 सवाल हल किए, फिर भी वह मेंस के लिए चुन लिया गया।

संक्षिप्त खबरें

छात्रों पर कार्रवाई को लेकर प्रधानमंत्री मांगें माफी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष एवं राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संसद सत्र की शुरूआत से ही विपक्ष की केवल दो मांगें हैं। पहली, प्रधानमंत्री छात्रों से माफी मांगें और दूसरी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में आकर पूरे घटनाक्रम पर बयान दें। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार इन मांगों से बच रही है, जिसके कारण संसद का गतिरोध बना हुआ है। खरगे ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर पत्रकार वार्ता में कहा कि विपक्ष लगातार यह सवाल उठा रहा है कि छात्र आंदोलन के दौरान लाठीचार्ज, पैलेट गन, आंसू गैस और अन्य बल प्रयोग का आदेश किसने दिया। शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे छात्रों, विशेषकर छात्राओं, के साथ जिस प्रकार का व्यवहार किया गया, वह अस्वीकार्य है। खरगे ने कहा कि विपक्ष की मांग केवल इतनी है कि गृहमंत्री संसद में आकर स्पष्ट करें कि लाठीचार्ज, पैलेट गन और आंसू गैस के इस्तेमाल का निर्णय किस स्तर पर लिया गया। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) और दिल्ली पुलिस गृह मंत्रालय के अधीन कार्य करती हैं, इसलिए इस कार्रवाई की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 15 दिनों से न तो गृहमंत्री सदन में आ रहे हैं और न ही प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर कोई वक्तव्य दे रहे हैं। इसके केवल दो अर्थ हो सकते हैं, या तो सरकार संसद को महत्व नहीं दे रही है या फिर जवाब देने से बच रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकार चाहती थी कि छात्र अपना आंदोलन समाप्त करें तो प्रधानमंत्री या गृहमंत्री संसद में आकर अपील कर सकते थे और समाधान का भरोसा दे सकते थे, लेकिन ऐसा भी नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि

लोकसभा में हिरोशिमा और नागासाकी के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी गई

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा ने हिरोशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम हमलों की बरसी पर बृहस्पतिवार को पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परमाणु हथियारों के उन्मूलन और वैश्विक शांति एवं सौहार्द के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सदन की कार्यवाही आरंभ होने पर इन हमलों की विभीषिका का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ह्यआज से 81 वर्ष पूर्व 6 और 9 अगस्त, 1945 को जापान के हिरोशिमा और नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराए गए थे। इस त्रासदी में लाखों निर्दोष लोग मारे गए और असंख्य लोग इसके दुष्प्रभावों से प्रभावित हुए। बिरला ने कहा कि पहली बार विश्व ने परमाणु हथियारों के विनाशकारी प्रभाव को देखा। उन्होंने कहा, यह सभा विश्व को सामूहिक विनाश के हथियारों से मुक्त करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराती है तथा परमाणु हथियारों के उन्मूलन और वैश्विक शांति और सौहार्द सुनिश्चित करने के लिए अपना दृढ़ संकल्प व्यक्त करती है इसके बाद अध्यक्ष और सदस्यों ने कुछ देर मौन रखकर परमाणु हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी।

अभिजीत दीपके देशभर में क्या बोलती पब्लिक कैंपेन शुरू करेंगे

युवाओं से CJP से जुड़ने की अपील; 2 लड़कों का उनके घर के बाहर प्रदर्शन

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। अभिजीत दीपके ने गुरुवार को बताया, ह्यकॉकरोच जनता पार्टी सितंबर से क्या बोलती पब्लिक अभियान की शुरूआत करेगी। युवाओं को CJP से जुड़कर इस आंदोलन का हिस्सा बनना चाहिए। उन्होंने कहा, 'धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा छात्र आंदोलन की सबसे बड़ी जीत है। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन में सिर्फ छात्र ही नहीं, बल्कि बेरोजगार युवा भी शामिल हुए थे। बेरोजगारी देश की सबसे बड़ी समस्या है और इसे अब देशव्यापी मुद्दा बनाया जाएगा।' यह बात उन्होंने छत्रपति संभाजीनगर में अपने घर पर पार्टी की कोर कमेटी की बैठक के बाद कही।

प्रदर्शनकारी बोले– मुझे बैठक में भी नहीं बुलाया गया

प्रदर्शन करने वाले लड़कों ने अपनी पहचान अहमदाबाद निवासी मनीष ब्रह्मभट्ट और राहुल पंड्या के रूप में बताई। उन्होंने कहा कि वे पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन का हिस्सा थे। उनका कहना है कि CJP एक युवा आंदोलन है। इसे लोकतांत्रिक तरीके से चलना चाहिए। आंदोलन में शामिल लोगों को भी आगे की रणनीति तय करने में शामिल किया जाना चाहिए। वहीं, दूसरे लड़के मनीष ने कहा कि जब उखढ का आंदोलन शुरू हुआ था, तब उसका कोई चेहरा नहीं था। मैंने और कई अन्य स्वयंसेवकों ने जंतर-मंतर पर आंदोलन में योगदान दिया। मैं यहां CJP टीम से मिलने आया, लेकिन किसी ने मुलाकात नहीं की। मुझे बैठक के लिए भी नहीं बुलाया गया।

प्रदर्शनकारी बोले– मुझे बैठक में भी नहीं बुलाया गया

प्रदर्शन करने वाले लड़कों ने अपनी पहचान अहमदाबाद निवासी मनीष ब्रह्मभट्ट और राहुल पंड्या के रूप में बताई। उन्होंने कहा कि वे पिछले महीने दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्र आंदोलन का हिस्सा थे। उनका कहना है कि उखढ एक युवा आंदोलन है।

ई-20 सरकार की पर्यावरणीय प्राथमिकता नहीं: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने ई-20 ईंधन नीति को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा है कि इसे स्वच्छ ऊर्जा और तेल आयात पर निर्भरता कम करने की दिशा में बड़ा कदम बताकर जल्दबाजी में पूरे देश में लागू किया जा रहा है लेकिन सच यह है कि इसके जल संसाधनों और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों का समग्र आकलन नहीं किया गया है। कांग्रेस संचार विभाग की प्रभारी जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि भारत में एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ना, धान और मक्का जैसी अधिक पानी की खपत वाली फसलों से होता है, जबकि कई अन्य देश कृषि अवशेषों और अन्य जैविक अपशिष्ट से एथेनॉल तैयार करते हैं। गन्ना और धान देश के कुल सिंचाई जल का लगभग 70 प्रतिशत उपयोग करते हैं। एक लीटर गन्ना आधारित एथेनॉल के उत्पादन में लगभग 3,630 लीटर, चावल आधारित एथेनॉल में 10,790 लीटर तक और मक्का आधारित एथेनॉल में लगभग 4,670 लीटर पानी की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि देश के बड़े हिस्से में भूजल स्तर लगातार गिरता जा रहा है। नीति आयोग के 2021 के एथेनॉल रोडमैप में भी अधिक टिकाऊ फीडस्टॉक अपनाने की आवश्यकता स्वीकार की गई थी, लेकिन इसके विपरीत केंद्र सरकार एथेनॉल उत्पादन के लिए चावल के उपयोग को सब्सिडी दे रही है।

भागवत आज मुंबई में जेन-जी और जेन-अल्फा से बात करेंगे

2 हजार स्टूडेंट्स होंगे शामिल; पहले कहा था– नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें

प्रात : किरण, एजेंसी

मुंबई । यह कार्यक्रम मुंबई के नीता मुकेश अंबानी कल्चरल सेंटर में आयोजित होगा। इसका आयोजन इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशंस यानी IIMUN अपनी 15वीं वर्षगांठ के मौके पर कर रहा है। NEET पेपर लीक के खिलाफ देशभर में हुए प्रदर्शनों के बाद इसे फ्रर का युवाओं के साथ सबसे अहम संवाद कार्यक्रम माना जा रहा है। जंतर-मंतर पर 36 दिन चले आंदोलन के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। इस कार्यक्रम में भागवत के अलावा कांग्रेस सांसद शशि थरूर, अभिनेत्री शबाना आजमी, अभिनेता बोमन ईरानी और भारत के पूर्व चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ समेत कई प्रमुख हस्तियों के शामिल होने की उम्मीद है। 24 जुलाईः भागवत ने कहा था- नई पीढ़ी को आदेश न दें, बातचीत करें मोहन भागवत ने दिल्ली में 20 जुलाई को छात्रों के प्रदर्शन के 4 दिन बाद कहा था कि आज की नई पीढ़ी बहुत सारे सवाल पूछती है। हमें आदेश देने की बजाय उनसे बातचीत करनी चाहिए। हम मनमानी करेंगे, शक्ति से सबके मालिक बनेंगे, ऐसा नहीं हो सकता। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब देश में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर छात्र जंतर-मंतर प्रदर्शन कर रहे थे। उनके बयान के 12 घंटे के बाद शिक्षा मंत्री ने इस्तीफा दे दिया था।

डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक केंद्रों के बीच कथित कमीशन व्यवस्था पर रोक की मांग उठी रास में

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने बृहस्पतिवार को डॉक्टरों को डायग्नोस्टिक केंद्रों द्वारा कथित तौर पर दिए जाने वाले ह्यकट मनीह्ल का मुद्दा राज्यसभा में उठाते हुए इस पर रोक लगाने और मरीजों के हितों की रक्षा के लिए कड़े कदम उठाने की मांग की। चड्ढा ने कहा कि शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि देश में बड़ी संख्या में मरीज डॉक्टरों की सलाह पर विभिन्न पैथोलॉजी प्रयोगशालाओं और डायग्नोस्टिक केंद्रों में जांच कराते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में मरीजों को ऐसे केंद्रों पर भेजा जाता है, जहां से डॉक्टरों को कमीशन या कट मनी मिलती है। इससे न केवल चिकित्सा व्यवस्था की पारदर्शिता प्रभावित होती है, बल्कि मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ भी पड़ता है। उन्होंने कहा कि मरीज डॉक्टर पर पूरा भरोसा करके जांच कराते हैं, लेकिन यदि जांच केंद्र के चयन के पीछे आर्थिक लाभ की मंशा हो तो यह चिकित्सा पेशे की नैतिकता के विपरीत है। उन्होंने कहा कि इस तरह की कथित प्रथा से स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। चड्ढा ने सरकार से इस मामले की गंभीरता से जांच कराने, डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक केंद्रों के बीच कथित कमीशन की व्यवस्था पर रोक लगाने तथा ऐसे मामलों में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने के लिए प्रभावी नियामकीय व्यवस्था आवश्यक है, ताकि मरीजों के हितों की रक्षा की जा सके।

पत्रकार तेजपाल को रेप केस में 10 साल की सजा

बॉम्बे हाईकोर्ट बोला– 2 हफ्ते में सरेंडर करें; 2013 में साथी पत्रकार ने आरोप लगाया

प्रात : किरण, एजेंसी

नई दिल्ली। बॉम्बे हाईकोर्ट की गोवा बेंच ने गुरुवार को तहलका मैगजीन के पूर्व एडिटर-इन-चीफ तरुण तेजपाल को रेप केस में दोषी करार दिया। उन्हें 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने कहा कि वे 2 हफ्ते में सरेंडर करें। इससे पहले मई 2021 में गोवा की ट्रायल कोर्ट ने सबूतों के अभाव में तेजपाल को बरी कर दिया था। इसके बाद मामला हाईकोर्ट पहुंचा था। मामला नवंबर 2013 का है। तहलका की महिला पत्रकार ने आरोप लगाया था कि गोवा में आयोजित थिंक फेस्ट के दौरान 7 और 8 नवंबर की रात होटल की लिफ्ट में तरुण तेजपाल ने दो बार उनका यौन उत्पीड़न किया।

तेजपाल ने कहा– सुप्रीम कोर्ट जाएंगे

हाईकोर्ट के फैसले पर तेजपाल ने कहा, ह्यहम फैसले से बहुत निराश हैं। हम सुप्रीम कोर्ट जाएंगे। कुछ लोग तहलका और राजनीतिक बदले की भावना से 13 सालों से मेरे पीछे पड़े हैं। हमने 7.5 साल ट्रायल कोर्ट में केस लड़ा और बरी हुए थे।

हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट का फैसला क्यों पलटा

हाईकोर्ट ने माना कि ट्रायल कोर्ट ने सबूतों की बजाय घटना के बाद पीड़ित महिला के व्यवहार पर ज्यादा ध्यान दिया। साथ ही, तेजपाल के माफी मांगने वाले ई-मेल जैसे अहम सबूतों को भी सही अहमियत नहीं दी। कोर्ट ने तेजपाल को कढड की धारा 376(2)(1), 376(2)('), 354अ और 354इ के तहत दोषी माना है। ये धाराएं रेप, यौन उत्पीड़न और महिला को निर्वस्त्र करने के इरादे से हमला करने से संबंधित हैं।

ट्रायल कोर्ट ने बरी करते हुए कहा था– पर्याप्त सबूत नहीं

ट्रायल कोर्ट ने 21 मई 2021 को तेजपाल को सभी आरोपों से बरी कर दिया था। कोर्ट ने कहा था, अपराध साबित करने के लिए पर्याप्त सबूत नहीं हैं। इस फैसले को गोवा सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। सरकार का तर्क था कि निचली अदालत ने सबूतों को सही से नहीं समझा और पीड़ित की गवाही का गलत आकलन किया।

पीड़ित ने तहलका में शिकायत की, FIR दर्ज... समझें पूरा मामला

महिला पत्रकार ने सबसे पहले तहलका की मैनेजिंग एडिटर शोमा चौधरी को ई-मेल भेजकर शिकायत की। इसमें उन्होंने लिखित माफी, पूरे स्टाफ के सामने घटना स्वीकार करने और आंतरिक यौन उत्पीड़न शिकायत समिति (ICC) गठित करने की मांग की थी। मामला सार्वजनिक होने के बाद गोवा पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर FIR दर्ज की और जांच शुरू की। जांच में CCTV फुटेज, ई-मेल और गवाहों के बयान समेत अन्य साक्ष्य जुटाए गए। इसके बाद तेजपाल की गिरफ्तारी हुई।

विपक्षी दलों ने चढ़ावा चोरी और छात्रों पर कार्रवाई के विरोध में संसद परिसर में प्रदर्शन किया

नई दिल्ली। अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में विपक्षी दलों ने बृहस्पतिवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन दौरान विपक्षी सांसदों ने एक बड़ा बैनर पकड़ रखा था, जिस पर ह्यअमित शाह, जवाब दोह्ल लिखा हुआ था। विपक्षी दलों ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी और प्रदर्शनकारी छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। विपक्षी नेताओं ने इन्हीं मुद्दों पर बुधवार को संसद परिसर में मार्च निकाला था, जिसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रामगोपाल यादव समेत विभिन्न विपक्षी दलों के कई सांसद और नेता शामिल हुए थे।

केजरीवाल का दावा- मेरा इंस्टाग्राम अकाउंट बैन किया

मेटा से जवाब मांगा; कहा– कंपनी सरकार के सामने घुटने न टेके

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को कहा कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट देश में बैन कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस बारे में मेटा से कई बार पूछने पर भी कोई जवाब नहीं आया। केजरीवाल ने अपने अकाउंट स्टेटस पेज का एक स्क्रीनशॉट भी शेयर किया है। इसमें 'अनअवेलेबल इन सम लोकेशन्स' (कुछ स्थानों पर उपलब्ध नहीं) का मैसेज दिखाई दे रहा है। केजरीवाल ने आरोप लगाया- सरकार मेटा पर दवाब डाल रही है कि जो भी व्यक्ति एथेनॉल या पेपर लीक के खिलाफ बोल रहा है, उसके अकाउंट को प्रतिबंधित किया जाए। मेटा इस तरह की बदमाशी न करे और मोदी जी के सामने घुटने न टेके। केजरीवाल ने पर लिखा कि मेटा के भारत स्थित ऑफिस में पूछने पर पता चला कि उनका इंस्टाग्राम अकाउंट प्रतिबंधित है और भारत में उपलब्ध नहीं है। केजरीवाल ने कहा कि उनके पास कई लोगों के मैसेज आए कि उनका अकाउंट भी प्रतिबंधित किया गया। उन्होंने उन लोगों से भी संपर्क करने की अपील की है। केजरीवाल ने मेटा की ओर से स्पष्टता न होने और कोई जवाब न मिलने को खराब सर्विस बताया है। इस मामले पर मेटा की ओर से फिलहाल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

उन्होंने कहा कि नागरिक जीवन में लौटने के बाद, इसके सदस्य समाज और सेना के बीच एक पुल का काम करते हैं

नागरिक-सैनिक सहयोग बढ़ाकर विकसित भारत के विजन को आगे बढ़ा रही है प्रादेशिक सेना: राजनाथ

प्रात : किरण, एजेंसी

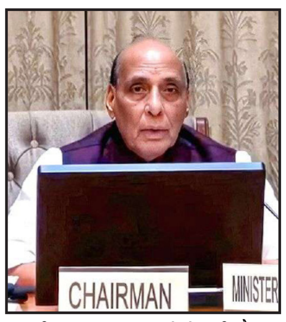

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रादेशिक सेना को ह्यनागरिक-सैनिकह्ल सहयोग की अवधारणा का जीता-जागता उदाहरण बताते हुए कहा है कि ह्यविकसित भारतह्ल के विजन को आगे बढ़ाने में इसकी भूमिका महत्वपूर्ण है। श्री सिंह ने राष्ट्रीय सुरक्षा, आपदा राहत, पर्यावरण संरक्षण और समाज सेवा में बल की दोहरी भूमिका पर जोर दिया। श्री सिंह ने गुरुवार को यहां रक्षा मंत्रालय की संसदीय सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें प्रादेशिक सेना पर विस्तार से चर्चा हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने सदस्यों को बल के काम, भूमिका और उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी, जबकि समिति के सदस्यों ने इसकी कार्यक्षमता को और बढ़ाने के लिए सुझाव दिये। रक्षा मंत्री ने कहा कि प्रादेशिक सेना प्रशिक्षित कर्मियों का रिजर्व तैयार करके सशस्त्र बलों के लिए सर्ज कैपेसिटी (जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त क्षमता) बनाती है, जिन्हें जरूरत पड़ने पर तुरंत तैनात किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नागरिक जीवन में लौटने के बाद, इसके सदस्य समाज और सेना के बीच एक पुल का काम करते हैं और खासकर युवाओं को सशस्त्र बलों में शामिल होने के लिए प्रेरित करते हैं। प्रादेशिक सेना को 59 इकाईयों में लगभग 44,400 कर्मियों वाला एक प्रशिक्षित और प्रेरित बल बताते हुए श्री सिंह ने कहा कि यह प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले मदद करने वाले बल के रूप में उभरा है। इसने केरल में बाढ़, ओडिशा में चक्रवात और हाल ही में असम में आई बाढ़ के दौरान राहत, बचाव और चिकित्सा सहायता प्रदान की। पर्यावरण संरक्षण में इसके योगदान की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा कि प्रादेशिक सेना की इकोलॉजिकल टास्क फोर्स ने लगभग 10 करोड़ पौधे लगाए हैं, जिनके जीवित रहने की दर 80-85 प्रतिशत है। इससे प्रधानमंत्री के मिशन लाइफ और पंचामृत लक्ष्यों को हकीकत में बदलने में मदद मिली है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में हर घर तिरंगा अभियान को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में इसकी भूमिका की भी सराहना की।

संक्षिप्त समाचार

हर बारिश में डूब रहा अगस्त्यमुनि, ड्रेनेज के लिए अटकी निजी जमीन

रुद्र प्रयाग, एजेंसी। रुद्रप्रयाग के अगस्त्यमुनि में हर बरसात के साथ जलभराव लोगों की सबसे बड़ी परेशानी बन जाता है। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड का कहना है कि ड्रेनेज नाली निर्माण के लिए निजी भूमि नहीं मिलने से इस समस्या का स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका है। अगस्त्यमुनि के बसंत विहार, नाकोट और विजयनगर सहित आसपास के क्षेत्रों में हर बरसात में जलभराव होता है। इसका मुख्य कारण बाईपास में प्राकृतिक जल निकासी मार्गों का बाधित होना है। राष्ट्रीय राजमार्ग खंड (एनएच खंड) ने दावा किया है कि ड्रेनेज नाली निर्माण के लिए निजी भूमि उपलब्ध न होने से स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है। विभाग ने इस मामले में सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट से हस्तक्षेप की मांग की है। चारधाम यात्रा और नगर में ट्रैफिक की समस्या के समाधान के लिए 2016-17 में बाईपास की डीपीआर स्वीकृत हुई थी। इसके तहत छह कल्वर्ट और तीन छोटे पुल बनने थे। बाईपास निर्माण के साथ ही नगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या भी बढ़ गई है। एनएच खंड की रिपोर्ट बताती है कि अतिरिक्त पानी बाईपास से नहीं आ रहा, बल्कि प्राकृतिक जल निकासी मार्ग बाधित होने से आबादी वाले क्षेत्रों में भर रहा है। एनएच खंड के अधिशासी अभियंता ओंकार पांडे ने बताया कि संयुक्त निरीक्षण में सामने आया कि बसंत विहार पहले कृषि भूमि था। आबादी बढ़ने और निर्माण कार्यों के कारण जल निकासी के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए हैं। कई बैठकों के बावजूद स्थानीय भू-स्वामियों ने ड्रेनेज नाली निर्माण के लिए भूमि नहीं दी।

रद्दी से बनी कठपुतलियां देंगी पर्यावरण संरक्षण का संदेश, छात्र कर रहे शो तैयार, 15 अगस्त को मंचन

उत्तर काशी, एजेंसी। रद्दी से बनी कठपुतलियां पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगी। राजकीय इंटर कॉलेज साल्ड के छात्र-छात्राएं तैयार वृक्ष गाथा पपेट शो कर रहे हैं। स्वतंत्रता दिवस पर पहला मंचन किया जाएगा। घर के कोने में पड़ी बेकार वस्तुएं अब पर्यावरण संरक्षण की कहानी सुनाएंगी। राजकीय इंटर कॉलेज साल्ड के छात्र-छात्राएं कठपुतलियों के माध्यम से समाज को जागरूक करने की अनूठी पहल कर रहे हैं। शिक्षक प्रेम सिंह कटारिया (पीएस कटारिया) के मार्गदर्शन में तैयार 10 विद्यार्थियों की टीम अपने पहले पपेट शो 'वृक्ष गाथा' के जरिये पेड़ों और पर्यावरण बचाने का संदेश देगी। इस अनोखी पहल की खासियत यह है कि शो में इस्तेमाल होने वाली कठपुतलियां बाजार से नहीं खरीदी गईं, बल्कि शिक्षक पीएस कटारिया ने घर में रखे रद्दी सामान से इन्हें नया रूप दिया है। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विद्यालय में 'वृक्ष गाथा' का पहला मंचन किया जाएगा। पीएस कटारिया ने बताया कि कठपुतली निर्माण उनकी रुचि की कला है, लेकिन आधुनिक दौर में यह पारंपरिक कला धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। कठपुतलियों को केवल पुराने समय की यादों और पुस्तकों तक सीमित न रहने देने के उद्देश्य से विद्यालय में इसे विद्यार्थियों और जनजागरूकता से जोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि शिक्षकों की सहमति के बाद छात्र-छात्राओं को कठपुतली निर्माण की जानकारी दी गई और पर्यावरण संरक्षण पर आधारित नाटक तैयार किया गया। 'वृक्ष गाथा' का निर्देशन पीएस कटारिया कर रहे हैं, जबकि कक्षा 10वीं की छात्रा आराधना नेगी सह निर्देशक की भूमिका निभा रही हैं। टीम में आजाद, प्राची, अर्जुन, अकुंश सहित अन्य विद्यार्थी शामिल हैं।

पांच सितंबर से शुरू होगी नंदा देवी राजजात यात्रा, शेड्यूल जारी

थराली:, एजेंसी। नंदादेवी राजराजेश्वरी सिद्धपीठ देवराड़ा-थराली से बधाण क्षेत्र के सयानो ने नंदादेवी लोक जात यात्रा का नंदा सिद्धपीठ देवराड़ा से 2026 का दिन पट्टा जारी किया कर दिया है. जारी दिन पट्टे के अनुसार 5 से 25 सितंबर तक यात्रा का आयोजन होगा. बुधवार को नंदा सिद्धपीठ देवराड़ा में बधाण के सयानो की एक बैठक देवराड़ा मंदिर समिति के अध्यक्ष भूवन हटवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई. इस बैठक में नंदादेवी राजराजेश्वरी समिति के केंद्रीय अध्यक्ष सुशील रावत, सचिव पृथ्वी सिंह बुटोला ने कहा नंदादेवी राजजात यात्रा का आयोजन 2027 में होना सुनिश्चित हुआ है. इस कारण प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली नंदा की लोक जात का आयोजन इस वर्ष भी भव्य रूप से आयोजित की जाएगी. थराली ,देवराड़ा ,कुलसारी व वांण में बैठकों के आयोजन एवं कुरूड़ के गौड़ ब्राह्मणों की राय से इस बार देवराड़ा से केंद्रीय समिति बधाण द्वारा यात्रा का लगपट्टा जारी किया जा रहा है. पूर्व में नंदा सिद्धपीठ कुरूड़ से जारी लगपट्टा में आंशिक संशोधन किया गया है. इस बार भी नंदा की लोक जात यात्रा वेदनी तक जाएगी. वहां पर सप्तमी की जात के उपरांत यात्रा देवराड़ा के लिए वापस लौट जाएगी. इस मौके पर यात्रा मार्ग एवं पड़ावों की व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई. इस अवसर पर कलम सिंह रावत, प्रेमशंकर सिंह रावत,गौरी देवी, लीला देवी,मनोज सिंह परिहार,दर्शन सिंह, मनमोहन सिंह, रणजीत सिंह,भुवन विक्रम सिंह, हरीश सती,आशा देवी,भुवन विक्रम सिंह आदि ने विचार व्यक्त किए.

मसूरी पालिका बोर्ड बैठक में 34 प्रस्तावों पर लगी मुहर, वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी सौगात

मसूरी, एजेंसी। नगर पालिका परिषद की बोर्ड बैठक में मंगलवार को कुल 34 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए. बैठक में वित्तीय पारदर्शिता, नगर की सफाई व्यवस्था, कूड़ा प्रबंधन, आवारा कुत्तों की समस्या, सरकारी आवासों पर कब्जे, पर्यटन सीजन की व्यवस्थाओं और वरिष्ठ नागरिकों को राहत जैसे कई अहम फैसलों पर मुहर लगी. बैठक के बाद पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा कि नगर पालिका पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है. बोर्ड के सामने आय-व्यय से लेकर वाहनों के डीजल-पेट्रोल खर्च तक का पूरा ब्यौरा रखा गया.

स्थायी वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत: बोर्ड बैठक का सबसे अहम फैसला मसूरी के स्थायी वरिष्ठ नागरिकों के हित में रहा. निर्णय लिया गया कि जिन वरिष्ठ नागरिकों की मसूरी में स्वयं की संपत्ति है. उन्हें हाउस टैक्स में 15 प्रतिशत की छूट दी जाएगी. पालिका का मानना है कि इससे वर्षों से नगर में रहने वाले बुजुर्गों को आर्थिक राहत मिलेगी.

सरकारी आवास खाली कराने की तैयारी: पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा कि कई सेवानिवृत्त कर्मचारी मसूरी छोड़ चुके हैं, लेकिन अब भी पालिका के सरकारी आवासों पर उनका कब्जा बना हुआ है. ऐसे सभी आवासों का सर्वे कराया जा रहा है. जिन लोगों को सरकारी आवास की आवश्यकता नहीं है या जो नियमों के विरुद्ध कब्जा किए हुए हैं, उनसे आवास खाली कराए जाएंगे. उन्होंने कहा कि बोर्ड ने यह भी प्रस्ताव पारित किया है कि जो

सेवानिवृत्त कर्मचारी पालिका आवास में रहना चाहते हैं, उनसे विधिवत किरायानामा कराया जाएगा. बाजार दर के अनुरूप किराया निर्धारित किया जाएगा. इसके साथ ही उनकी भविष्य निधि (पीएफ) की पूरी देय राशि सेवा निवृत्ति के दिन ही देने का प्रस्ताव भी पारित किया गया है.

बजट और खर्च का रखा गया पूरा हिसाब: मीरा सकलानी ने बताया वर्ष 2026-27 के अनुमानित बजट को भी सदन के समक्ष रखा गया. अनुमानित आय लगभग 64.29 करोड़ रुपये तथा अनुमानित व्यय 64.19 करोड़ रुपये प्रस्तावित है. इसके साथ ही वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण भी प्रस्तुत किया गया. फरवरी 2026 तक पालिका को 51.03 करोड़ रुपये की आय प्राप्त हुई, जबकि 45.46 करोड़ रुपये का व्यय हुआ. बैठक में पालिका के विभिन्न वाहनों में फरवरी से जुलाई तक डाले गए डीजल और पेट्रोल का वाहनवार विवरण भी रखा गया. अध्यक्ष ने कहा कि प्रत्येक खर्च का रिकॉर्ड बोर्ड के सामने रखा जा रहा है ताकि पारदर्शिता बनी रहे.

कूड़ा प्रबंधन को मिलेगी नई दिशा: पालिका अध्यक्ष ने कहा नगर की सबसे बड़ी चुनौती कूड़ा प्रबंधन है. उन्होंने बताया कि जब वर्तमान बोर्ड ने कार्यभार संभाला था, तब बायो-मीथेन प्लांट संचालित नहीं था. अब भारत सरकार से इसके लिए धनराशि प्राप्त हो चुकी है. जल्द प्लांट को चालू करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी. उन्होंने बताया फिलहाल लॉर्ड शिवा कंपनी घर-घर से कूड़ा एकत्र कर रही हैं. भविष्य में गीले कूड़े का वैज्ञानिक निस्तारण बायो-मीथेन प्लांट के माध्यम से किया जाएगा.

आवारा कुत्तों के लिए बनेगा डॉग शेल्टर: नगर में लगातार बढ़ रही आवारा कुत्तों की समस्या को लेकर भी बोर्ड में महत्वपूर्ण निर्णय लिया. मीरा सकलानी ने बताया पालिका जल्द डॉग शेल्टर का निर्माण करेगी, जहां आवारा कुत्तों को रखा जाएगा. इसके साथ ही एनिमल बर्थ कंट्रोल सेंटर भी स्थापित किया जाएगा. झड़ीपानी स्थित गौशाला परिसर में एबीसी सेंटर शुरू करने की तैयारी चल रही है.

पर्यटन सीजन के लिए 35 आउटसोर्स कर्मचारी: पर्यटन सीजन में यातायात व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए बोर्ड ने अधिकतम तीन माह के लिए आउटसोर्स के माध्यम से 35 कर्मचारियों की सेवाएं जारी रखने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी. साथ ही संबंधित एजेंसी की सहमति के बाद वर्तमान अनुबंध को अस्थायी रूप से तीन माह बढ़ाने तथा आगामी तीन वर्षों के लिए नई निविदा जारी करने का प्रस्ताव भी सदन में अनुमोदित किया गया. पालिका अध्यक्ष मीरा सकलानी ने कहा नगर पालिका पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है. प्रत्येक आय-व्यय, प्रत्येक वाहन का ईंधन खर्च और सभी महत्वपूर्ण प्रस्ताव बोर्ड के समक्ष रखे गए हैं. जिन लोगों ने अनावश्यक रूप से सरकारी आवासों पर कब्जा किया है, उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी. कूड़ा प्रबंधन, बायो-मीथेन प्लांट, डॉग शेल्टर और एबीसी सेंटर हमारी प्राथमिकता हैं. नगर को स्वच्छ, व्यवस्थित और बेहतर सुविधाओं वाला शहर बनाने के लिए बोर्ड लगातार काम कर रहा है.

बैंक के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी भीषण आग, मौके पर मची अफरा तफरी

ऋषिकेश, एजेंसी। देहरादून रोड स्थित एक बैंक के बाहर खड़ी इलेक्ट्रिक स्कूटी में मंगलवार को अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में आग लग गई. देखते ही देखते आग ने इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि कुछ ही मिनटों में पूरी स्कूटी जलकर राख हो गई. घटना के दौरान मौके पर अफरा-तफरी मच गई. आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप की स्थिति बन गई. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, स्कूटी बैंक के बाहर सामान्य रूप से पार्क की गई थी. अचानक उसमें से धुआं उठता दिखाई दिया. आसपास मौजूद लोग कुछ समझ पाते, उससे पहले ही स्कूटी आग की लपटों से घिर गई. आग इतनी तेजी से फैली कि किसी को उसे बचाने का मौका तक नहीं मिला. घटना की सूचना तत्काल अग्निशमन विभाग को दी गई. सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची. कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, हालांकि तब तक स्कूटी पूरी तरह जल चुकी थी. घटना के दौरान देहरादून रोड पर कुछ देर के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई. पुलिस ने मौके पर पहुंचकर भीड़ को हटाया. जिसके बाद यातायात को सुचारु कराया. आग की भयावहता को देखते हुए आसपास खड़े वाहन मालिकों ने भी तुरंत अपने वाहन सुरक्षित स्थानों पर हटा लिए.

गणेश गोदियाल ने ली कांग्रेस की बूथ-ब्लॉक और मंडल कार्यकर्ताओं की बैठक

बांकीपुर और दतिया में बीजेपी की हार से दिखे उत्साहित

श्रीनगर गढ़वाल, एजेंसी। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर उत्तराखंड कांग्रेस ने अपनी संगठनात्मक गतिविधियों को तेज करना शुरू कर दिया है. इसी क्रम में सोमवार को श्रीनगर स्थित कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल की अध्यक्षता में पार्टी पदाधिकारियों, बूथ अध्यक्षों, ब्लॉक एवं मंडल स्तर के कार्यकर्ताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन को मजबूत करना, कार्यकर्ताओं को सक्रिय करना तथा चुनावी रणनीति पर विस्तृत चर्चा करना रहा. गोदियाल ने देश की दो विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनाव में बीजेपी की हार पर खुशी जताई और इसे परिवर्तन का संकेत बताया.

श्रीनगर गढ़वाल में कांग्रेस अध्यक्ष ने ली बैठक: बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने कहा कि विधानसभा चुनाव को देखते हुए कांग्रेस को बूथ स्तर तक

मजबूत बनाना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है. उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी की रीढ़ है और चुनाव में जीत तभी संभव होगी, जब संगठन की मजबूती गांव-गांव और बूथ-बूथ तक दिखाई दे. उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे जनता के बीच लगातार संपर्क बनाए रखें. स्थानीय समस्याओं को प्रमुखता से उठाएं और कांग्रेस की नीतियों एवं विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने का कार्य करें.

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से आम लोगों की समस्या सुनने की अपील: गणेश गोदियाल ने कहा कि प्रदेश में महंगाई, बेरोजगारी, पलायन, स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार जनता के साथ खड़ी है. उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे आम लोगों की समस्याओं को सुनें और उन्हें संगठन के माध्यम से प्रभावी ढंग से उठाएं ताकि जनता का विश्वास पार्टी के प्रति और मजबूत हो.

कांग्रेस संगठन विस्तार पर विशेष ध्यान: बैठक के दौरान संगठन विस्तार को भी विशेष महत्व दिया गया. इसी क्रम में अनेक युवाओं सहित कई लोगों ने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कर पार्टी का दामन थामा. प्रदेश अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने सभी नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं का पार्टी से जुड़ना कांग्रेस के लिए सकारात्मक संकेत है. उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई पीढ़ी की भागीदारी से संगठन को नई ऊर्जा मिलेगी और आगामी चुनाव में पार्टी को मजबूती प्राप्त होगी. बैठक में बूथ प्रबंधन, जनसंपर्क अभियान, संगठन विस्तार, सोशल मीडिया की भूमिका, कार्यकर्ताओं के समन्वय तथा चुनावी तैयारियों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई. कार्यकर्ताओं से कहा गया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर कांग्रेस की नीतियों और कार्यक्रमों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं.

उपचुनाव में दो सीटों पर बीजेपी की हार से कांग्रेस को जीत की उम्मीद: गौरतलब है कि सोमवार को बिहार की बांकीपुर, मध्य प्रदेश की दतिया और गुजरात की मांजलपुर विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों का परिणाम आया. बिहार में बांकीपुर और मध्य प्रदेश में दतिया विधानसभा उपचुनावों में बीजेपी की हार हो गई.

नई टिहरी बस अड्डे के खोकों पर चला ADB का बुलडोजर, मालिकों के साथ कांग्रेस ने किया विरोध

नई टिहरी, एजेंसी। जिले के बौराड़ी बस अड्डे में बुधवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया, जब एशियाई विकास बैंक यानी ष्क्क की परियोजना के तहत बस अड्डे में बने खोकों पर बुलडोजर चलाया गया. कार्रवाई के दौरान खोका मालिकों और कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध जताते हुए जमकर हंगामा किया. मौके पर काफी देर तक माहौल गरम रहा.एडीबी कर्मचारियों के साथ प्रशासन की ओर से तहसीलदार मौके पर पहुंचीं और खोका मालिकों से बात कर समझाने का प्रयास करने लगीं.

लेकिन खोला मालिकों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि या तो पूरी तरह मुआवजा दें, नहीं तो काम बंद किया जाए. दरअसल, एशियाई विकास बैंक यानी एडीबी द्वारा 'टिहरी झील क्षेत्र सतत एवं जलवायु-अनुकूल पर्यटन विकास परियोजना' के तहत नई टिहरी के बौराड़ी बस अड्डे यानी आईएसबीटी के उच्चीकरण और पुनर्विकास का कार्य किया जा रहा है.

बस अड्डे के पुनर्विकास और पर्यटन विकास की परियोजना के तहत कार्रवाई: इसी परियोजना के तहत बस अड्डे परिसर में बने खोकों को हटाने की कार्रवाई शुरू की गई. जैसे ही बुलडोजर खोकों को हटाने पहुंचा, खोका मालिकों और कांग्रेस के कुछ कार्यकर्ताओं ने इसका विरोध शुरू कर दिया. विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि लंबे समय से यहां कारोबार कर रहे खोका मालिकों के सामने अब रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है और कार्रवाई से पहले उनके हितों को ध्यान में रखा जाना चाहिए.

एनआईटी उत्तराखंड की शोधार्थी तनुजा खाती और डॉ. स्मिता कलोनी का कमाल, मिला प्रतिष्ठित 'फ्रेडरिक पामर पुरस्कार

श्रीनगर गढ़वाल, एजेंसी। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड के छात्रों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है. संस्थान के सिविल इंजीनियरिंग विभाग की पीएचडी शोधार्थी तनुजा खाती तथा उनकी शोध-पर्यवेक्षक डॉ. स्मिता कलोनी, सहायक प्राध्यापक को उनके उत्कृष्ट शोध कार्य के लिए आईसीई पब्लिशिंग अवार्ड्स-2026 के अंतर्गत प्रतिष्ठित 'फ्रेडरिक पामर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है.

शोधार्थी तनुजा खाती और डॉ. स्मिता कलोनी को फ्रेडरिक पामर पुरस्कार-2026: शोध में कंक्रीट ग्रैविटी बांधों पर पानी के भीतर होने वाले विस्फोट के प्रभावों का उन्नत संख्यात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है. अध्ययन के लिए महाराष्ट्र स्थित कोयना बांध को आधार बनाकर विस्फोटक की मात्रा, विस्फोट की गहराई तथा जलाशय के जल-स्तर का बांध की संरचनात्मक सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों का विस्तृत अध्ययन किया गया. शोध के निष्कर्ष देश की महत्वपूर्ण जल संरचनाओं की सुरक्षा, आपदा जोखिम न्यूनीकरण तथा महत्वपूर्ण अवसंरचना की संरचनात्मक मजबूती सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे.

फ्रेडरिक पामर पुरस्कार विश्व के प्रतिष्ठित पुरस्कारों में है: गौरतलब है कि आईसीई पब्लिशिंग अवार्ड्स सिविल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में उत्कृष्ट शोध कार्यों के लिए दिए जाने वाले विश्व के प्रतिष्ठित सम्मानों में शामिल है. फ्रेडरिक पामर पुरस्कार संरचनात्मक इंजीनियरिंग एवं अवसंरचना अनुसंधान के क्षेत्र में मौलिकता, तकनीकी उत्कृष्टता और व्यावहारिक उपयोगिता वाले शोध कार्यों को प्रदान किया जाता है.

एनआईटी में हो रहे उच्च स्तरीय अनुसंधान: एनआईटी उत्तराखंड का सिविल इंजीनियरिंग विभाग संरचनात्मक, भूकम्प एवं भू-तकनीकी इंजीनियरिंग, परिवहन अवसंरचना और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में लगातार उच्चस्तरीय अनुसंधान कर रहा है. यह उपलब्धि न केवल संस्थान की वैश्विक शोध पहचान को मजबूत करेगी.

'ट्रॉली' पर टिका मध्यमहेश्वर धाम का सफर! जान जोखिम में डाल रहे श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। विश्व प्रसिद्ध द्वितीय केदार भगवान मध्यमहेश्वर धाम की यात्रा इन दिनों श्रद्धालुओं के लिए आस्था के साथ-साथ कठिन परीक्षा भी बन गई है. धाम के प्रमुख आधार शिविर बनातोली में मधु गंगा नदी पर निर्माणाधीन झूला पुल पिछले तीन वर्षों से अधूरा पड़ा है. इसके चलते स्थानीय ग्रामीणों और हजारों श्रद्धालुओं को आज भी ट्रॉली और अस्थायी लकड़ी की पुलिया के सहारे नदी पार करनी पड़ रही है. बरसात के दौरान मधु गंगा का जलस्तर बढ़ते ही अस्थायी पुलिया बह जाती है. जिससे ट्रॉली ही आवाजाही का एकमात्र साधन बचता है. ऐसे में प्रतिदिन लोग अपनी जान जोखिम में डालकर नदी पार करने को मजबूर हैं. किसी भी समय बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है. सावन माह में बाबा मध्यमहेश्वर के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की संख्या लगातार बढ़ रही है. ट्रॉली से नदी पार करने के लिए दोनों ओर लंबी कतारें लग रही हैं. श्रद्धालुओं को घंटों तक अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है. उफनती नदी के ऊपर रस्सी के सहारे ट्रॉली से सफर करना श्रद्धालुओं

और स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है. स्थानीय ग्रामीण विनोद राणा और सुभाष अंथवाल ने कहा - 'वर्ष 2013 की आपदा के बाद इस स्थान पर स्थायी झूला पुल की आवश्यकता महसूस की गई थी. पुल निर्माण शुरू होने पर सुरक्षित आवागमन की उम्मीद जगी थी, लेकिन वर्षों बाद भी निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका. हर मानसून में अस्थायी लकड़ी की पुलिया बह जाने से ग्रामीणों, स्कूली बच्चों और तीर्थयात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है '. सरकार धार्मिक पर्यटन और चारधाम यात्रा को विश्वस्तरीय बनाने के दावे करती है, लेकिन मध्यमहेश्वर जैसे महत्वपूर्ण तीर्थ मार्ग पर आज भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव दिखाई देता है. यदि झूला पुल समय पर तैयार हो गया होता तो श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को जान जोखिम में डालकर यात्रा नहीं करनी पड़ती.

2 करोड़ के पास पहुंचा कांवड़ यात्रा का आंकड़ा, जीवनदायिनी साबित हो रही वाटर एम्बुलेंस

हरिद्वार, एजेंसी। धर्मनगरी हरिद्वार में कांवड़ मेला सबाब पर है. बड़ी संख्या में दूर दराज से श्रद्धालु गंगाजल लेने पहुंच रहे हैं. बुधवार (5 अगस्त) शाम तक हरिद्वार आने वाले कांवड़ियों का आंकड़ा एक करोड़ 80 लाख को पार कर गया है. पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं. जहां सभी विभाग आपसी समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं. वहीं गंगा की उफनती लहरों के बीच वाटर एम्बुलेंस यानी लाइफ बोट भी तैनात की गई है. एसडीआरएफ, जल पुलिस और आपदा मित्र मिलकर कांवड़ियों की जान बचा रहे हैं. अभी तक लाइफ बोट के जरिए 25 से 30 कांवड़ियों की जान बचाई जा चुकी है.

कैसे काम करती है वाटर एम्बुलेंस: कांवड़ मेले में लाइफ बोट को वाटर एम्बुलेंस का नाम दिया गया है. इसमें गंगा

किनारे बोट को खड़ा किया गया. बोट पर एसडीआरएफ, जल पुलिस और आपदा मित्रों की तैनाती की गई है. जैसे ही कोई कांवड़िया गंगा में डूबता है और उसकी हालत गंभीर हो जाती है तो तत्काल उसे वाटर एम्बुलेंस (बोट) में डालकर जिला अस्तलाल के नजदीकी घाट पर ले जाया जाता है. वहां पर तैनात एम्बुलेंस के जरिए उसे तत्काल जिला अस्पताल इलाज के लिए भेजा जाता है. कांवड़ मेले में यदि हरकी पैड़ी और उसके आसपास किसी श्रद्धालु की तबीयत बिगड़ जाती है तो सड़क मार्ग में भीड़ के बीच उसे अस्पताल ले जाने में कठिनाई होती है. इसलिए पहले श्रद्धालु को घाटों पर लगाए गए स्वास्थ्य शिविरों में प्राथमिक उपचार दिया जाता है. मेडिकल परीक्षण करने पर यदि उसे तत्काल इलाज की आवश्यकता होती है, तो वाटर एम्बुलेंस के माध्यम से सीधा ओम घाट पर ले जाया जाता है. वहां पर खड़ी एम्बुलेंस उसे चंद मिनटों में जिला अस्पताल पहुंचा देती है.

जानिए क्यों होती है चुनौती: पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन ने कांवड़ मेले की पुख्ता तैयारी की हैं. गंगा घाटों पर कई जगह वाटर एम्बुलेंस तैनात की गई हैं. सबसे ज्यादा संवेदनशील स्थान कांगड़ा घाट और सीसीआर घाट है. यहां पर गंगा में डूब रहे कांवड़ियों को सुरक्षित बाहर निकालना बड़ी चुनौती होती है. चुनौती का बड़ा कारण है गंगा का तेज बहाव और हाईवे तथा आंतरिक मार्गों पर भीड़ है. एक तो कांवड़िए बिना सुरक्षा के गंगा के बीच जाकर स्नान करते हैं, डूबने लगते हैं. इसके साथ ही इमरजेंसी में एम्बुलेंस से भीड़ के बीच जिला अस्पताल ले जाना भी किसी चुनौती से कम नहीं होता. आपात स्थिति से निपटने के लिए ही वाटर एम्बुलेंस लगाई गई हैं. एसडीआरएफ इंस्पेक्टर कवींद्र सजवाण ने बताया कांवड़ मेले में कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए वाटर एम्बुलेंस तैनात की गई हैं. जल पुलिस और आपदा मित्र, एसडीआरएफ के साथ मिलकर डूबते हुए कांवड़ियों को रेस्क्यू कर रहीं है. अभी तक पच्चीस से तीस कांवड़ियों की जान बचाई जा चुकी है. आने वाले दिनों में भीड़ का दबाव बढ़ेगा. उनकी टीमें 24 घंटे घाटों पर तैनात हैं. कांवड़ियों की सुरक्षा के लिए बिना किसी चुनौती के ड्यूटी दे रहीं हैं. प्रयास है कि क्विक रिस्पांस टाइम में कांवड़ियों की जान को बचाया जा सके.

आप प्रतिनिधि मंडल की एसआईआर को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात, शिफ्टेड लोगों का मांगा डाटा

● बीएलओ ने अनधिकृत कॉलोनियों और गांवों में पूरे फार्म नहीं बांटे हैं और 60 फीसद लोगों को शिफ्टेड बता दिया है: सौरभ भारद्वाज

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज के नेतृत्व में गुरुवार को एक प्रतिनिधि मंडल दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात कर एसआईआर प्रक्रिया के नाम पर गलत तरीके से लोगों के वोट काटने का मुद्दा मजबूती से उठाया। सौरभ भारद्वाज ने चुनाव आयोग से कहा कि बीएलओ ने अनधिकृत कॉलोनियों और गांवों में 100 फीसद फार्म नहीं बांटे हैं और करीब 60 फीसद लोगों को शिफ्टेड दिखा दिया है। इसलिए हमने चुनाव आयोग से मांग की है कि सभी राजनीतिक दलों को शिफ्टेड वोटरों के नाम, पता और फोन नंबर दिए जाएं ताकि वे खुद फोन करके उनका सत्यापन कर सकें कि वह आदमी सच में शिफ्ट हुआ है या नहीं। प्रतिनिधिमंडल में विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार समेत अन्य लोग शामिल थे। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से मुलाकात के बाद सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली में चल रहे एसआईआर को लेकर हमने बीएलए और आम लोगों से बात की, जिसमें कई बड़ी परेशानियां सामने आई हैं। सबसे पहली समस्या यह है कि बीएलओ ने लोगों के घरों में फॉर्म बांटे ही नहीं हैं। खासकर अनधिकृत कॉलोनियों, गांवों और जेजे क्लस्टर में जहां लोगों को ढूंढने में मशक्कत होती है। हमारा मानना है कि 60 फीसद फॉर्म भी नहीं बंटे होंगे, लेकिन कागजों में उन्हें शिफ्टेड बता दिया गया। सौरभ भारद्वाज ने बताया कि दिल्ली में उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान और हरियाणा से आए लोगों की एक बड़ी आबादी है। ये लोग जेन्युइन वोटर हैं, लेकिन किरायेदार होने के कारण वे हर साल या कुछ सालों में मोहल्ले और इलाके बदलते रहते हैं। ऐसे लोगों को भी एन्यूमरेशन फॉर्म नहीं दिए जा रहे और बड़ी तादाद में उनके वोट काटे जा रहे हैं। हमने चुनाव आयोग को एक बहुत साधारण सा सुझाव दिया है, जिसे उन्होंने मान लिया है। हमने कहा है कि जिन्हें भी शिफ्टेड बताया जा रहा है, उनका नाम, पता और फोन नंबर राजनैतिक पार्टियों को बीएलए के साथ साझा कर दिया जाए। हम खुद फोन करके वेरीफाई कर लेंगे कि वह आदमी सच में शिफ्ट हुआ है या नहीं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि गरीब या नौकरीपेशा आदमी जो वहीं रह रहा है, उसे कागजों में शिफ्टेड दिखा दिया गया है। ऐसे में क्या चुनाव आयोग उन्हें एक एसएमएस भी नहीं भेज सकता? जब हमने यह बात उठाई तो उन्होंने कहा कि एसएमएस भेजना बहुत मुश्किल है। इसके बाद हमने चुनाव आयोग से यह सवाल भी किया कि एसआईआर से पहले जो प्री-एसआईआर हुई थी, उसमें करीब 10 लाख लोगों के नाम काट दिए गए। वे लोग या तो गर्मियों की छुट्टियों में घर गए थे या किसी कारण मकान में नहीं मिले। अब एसआईआर में उन्हें एन्यूमरेशन फॉर्म भी नहीं बांटे गए, तो ऐसे में उन 10 लाख लोगों के वोट का क्या होगा? इसका संतोषजनक जवाब नहीं मिला। वहीं, बुराड़ी विधायक संजीव झा ने कहा कि शिफ्टेड बताकर वोट काटना सबसे बड़ी समस्या है, इसलिए हमने मांग की है कि ऐसे लोगों का डेटा हमें दिया जाए। दूसरी समस्या यह है कि अगर किसी व्यक्ति को शिफ्टेड दिखाकर एसआईआर से वंचित कर दिया गया है और वह व्यक्ति बाद में खुद को मौजूद बताता है, तो उसे दोबारा फॉर्म नहीं दिया जा रहा।

ई 20 पर केंद्र के स्पष्टीकरण के बाद केजरीवाल का सरकार पर हमला, वैज्ञानिक अध्ययन सार्वजनिक करने की मांग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण (ई20) के मुद्दे पर केंद्र सरकार को घेरते हुए कहा कि सरकार ने स्वयं स्वीकार किया है कि ई20 से आगे पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने का अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार फिलहाल माहौल शांत होने का इंतजार कर रही है और बाद में इस दिशा में आगे बढ़ सकती है। अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय की एक्स पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सरकार का यह कहना कि अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है, इस बात का संकेत है कि भविष्य में ऐसा फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी है कि सरकार ने फिलहाल कोई निर्णय न होने की बात स्वीकार की। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि जिस प्रकार ई20 को बिना पर्याप्त वैज्ञानिक अध्ययन और व्यापक सहमति के लागू किया गया, उसी प्रकार भविष्य में ई50 भी लागू किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सरकार विज्ञान, इंजीनियरिंग और विशेषज्ञों की राय को महत्व नहीं देती तथा असहमति के स्वरों को दबाने का प्रयास करती है। केजरीवाल ने केंद्र सरकार से सवाल किया कि यदि ई20 लागू करने से पहले कोई वैज्ञानिक अध्ययन या परीक्षण कराया गया था, तो उसकी रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की जा रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार सभी अध्ययन और परीक्षण रिपोर्ट सार्वजनिक करे ताकि देश के सामने पूरी तस्वीर स्पष्ट हो सके।

संक्षिप्त खबरें

पुलिसकर्मी की हत्या का फरार आरोपी 28 साल बाद मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हरियाणा पुलिस के एक कर्मी की हत्या और पुलिस हिरासत से भागने के मामले में 28 साल से फरार एक आरोपी को मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 53 वर्षीय राजेंद्र बैरागी उर्फ राजेंद्र सिंह यादव उर्फ हार्डवेयर झटकाहा के रूप में हुई है, जिसे रोहिणी अदालत ने 2008 में भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र कानून के तहत आठ मामले दर्ज हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी 10 मई 1998 को सोनीपत के सैयां खेड़ा गांव में एक शादी समारोह के दौरान झगड़े के बाद हुई गोलीबारी में शामिल था। उन्होंने बताया कि इस घटना में दुल्हन के चाचा एवं हरियाणा पुलिस के कर्मी जय भगवान की मौत हो गई थी और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को 1998 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 14 फरवरी 1999 को गाजियाबाद जेल से सोनीपत की एक अदालत ले जाते समय वह हथकड़ी सहित उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, हिरासत से भागने के बाद आरोपी ने महाराष्ट्र के कोलाबा में एक साल तक केंद्रीय विद्यालय में शारीरिक शिक्षा के शिक्षक के रूप में काम किया और इसके बाद वह मध्य प्रदेश में अशोक नगर जिले के मुंगावली में बस गया और अपना नाम बदलकर हाराजेंद्र सिंह यादव रख लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने 2003 में विवाह किया और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पैन कार्ड सहित स्थानीय पहचान पत्र हासिल कर लिए। उनके मुताबिक, वह मुंगावली में अनधिकृत डॉक्टर और प्रॉपर्टी डीलर के रूप में काम कर रहा था। पुलिस ने बताया कि डिजिटल निगरानी और खुफिया जानकारी के आधार पर एक अभियान चलाकर आरोपी को मुंगावली से गिरफ्तार किया गया। अधिकारी के मुताबिक, आरोपी ने पूछताछ बताया कि वह कबड्डी खिलाड़ी था और कबड्डी खेलने के दौरान उसका संपर्क आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों से हुआ और वह आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो गया। पुलिस ने बताया कि उसकी पत्नी मध्य प्रदेश में एक सरकारी अस्पताल में सहायक नर्स के रूप में कार्यरत है और उसके 17 व 16 साल के दो बच्चे हैं।

कोयला क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने के लिए सरकार उठा रही ठोस कदम: जी. किशन रेड्डी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने गुरुवार को संसद सदस्यों की परामर्शदात्री समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में वाणिज्यिक कोयला खनन (कमर्शियल कोल माइनिंग) में सुधारों और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ाने के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोयला मंत्रालय निजी कंपनियों और उद्योग संगठनों के साथ लगातार संवाद कर रहा है। इसके लिए देश भर में रोडशो और विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श बैठकें आयोजित की जा रही हैं, ताकि वाणिज्यिक कोयला खनन के बारे में अधिक जागरूकता पैदा हो और निजी क्षेत्र की भागीदारी बढ़ सके। जी. किशन रेड्डी ने समिति को बताया कि अब तक वाणिज्यिक कोयला खदानों की नीलामी के 14 दौर सफलतापूर्वक पूरे किए जा चुके हैं, जबकि 15वें दौर की प्रक्रिया वर्तमान में जारी है। उन्होंने कहा कि पारदर्शी नीलामी प्रणाली ने भारत के कोयला क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाया है और इससे प्रतिस्पर्धा तथा निवेश को बढ़ावा मिला है। बैठक में कोयला मंत्रालय के सचिव विक्रम देव दत्त, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी और सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियों (कोल पीएसयू) के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कोयला सचिव विक्रम देव दत्त ने कहा कि कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खदानों ने पिछले दो वित्त वर्षों में भारत को एक अरब टन (1 बिलियन टन) कोयला उत्पादन का आंकड़ा हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में देश के कुल कोयला उत्पादन में कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों का योगदान लगभग 20 प्रतिशत रहा। उन्होंने यह भी कहा कि कोयला क्षेत्र में लगातार किए गए सुधारों से खदानों को परिचालन में लाने की अवधि में उल्लेखनीय कमी आई है। दत्त के अनुसार, पूरी तरह से खोजी जा चुकी कोयला खदानों के संचालन शुरू होने की समयसीमा 51 महीने से घटकर 40 महीने रह गई है। वहीं, आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के लिए यह अवधि 66 महीने से घटकर 52 महीने हो गई है। बैठक में कोयला मंत्रालय की अतिरिक्त सचिव रुपिंदर बराड़ ने वाणिज्यिक कोयला खनन सुधार और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा विषय पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी। संसदीय समिति के सदस्यों ने कोयला क्षेत्र में सुधारों के लिए मंत्रालय द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही उन्होंने निजी क्षेत्र की भागीदारी को और बढ़ाने तथा वाणिज्यिक खनन के विस्तार के साथ पर्यावरणीय और स्थानीय समुदायों से जुड़े मुद्दों के बीच संतुलन बनाए रखने के संबंध में कई सुझाव भी दिए। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने समिति के सदस्यों को आश्वस्त किया कि उनके सभी सुझावों का गंभीरता से परीक्षण किया जाएगा और उन्हें भविष्य की नीतियों एवं निर्णयों में उचित महत्व दिया जाएगा।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को भेजा ज्ञापन, कृषि भूमि का सर्कल रेट बढ़ाए सरकार: थान सिंह यादव

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

सर्कल रेट बढ़ाए बिना किसी भी कृषि भूमि का अधिग्रहण न किया जाए।

नई दिल्ली। दिल्ली पंचायत संघ ने दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज्ञापन भेजकर दिल्ली की कृषि भूमि का सर्कल रेट बढ़ाने तथा दिल्ली के सभी गांवों को मालिकाना हक देने की मांग की है। दिल्ली पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के किसानों की कृषि भूमि को पिछले कई दशकों से कौड़ियों के भाव अधिग्रहित किया जा रहा है, जबकि पड़ोसी राज्यों में किसानों को उनकी भूमि का कहीं अधिक मुआवजा मिलता है। संघ के अनुसार यह दिल्ली के किसानों के साथ भेदभाव है, जो तुरंत बंद होना चाहिए। पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली के गांव आज भी लाल डोरा व विस्तारित लाल डोरा की कैद में हैं। हरियाणा सरकार ने लाल डोरा समाप्त कर प्रधानमंत्री स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को मालिकाना हक प्रदान किया है, जबकि दिल्ली के गांव-ग्रामीण कई वर्षों से मालिकाना हक की मांग करते आ रहे हैं। दिल्ली पंचायत संघ की प्रमुख मांगें दिल्ली में सर्कल रेट बढ़ाए बिना किसी भी कृषि भूमि का अधिग्रहण न किया जाए। दिल्ली की कृषि भूमि का सर्कल रेट 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ निर्धारित किया जाए। वर्ष 2000 के बाद अधिग्रहित की गई कृषि भूमि के किसानों को भी बढ़ा हुआ मुआवजा दिया जाए। दिल्ली के गांवों को लाल डोरा एवं विस्तारित लाल डोरा की व्यवस्था से मुक्त कर पूर्ण मालिकाना हक दिया जाए। गांवों को गांव जैसे हैं, गांव जहां तक हैं के आधार पर मालिकाना अधिकार प्रदान किए जाएं। पंचायत संघ ने कहा कि इस मुद्दे को नजफगढ़ की विधायक नीलम कृष्ण पहलवान ने दिल्ली विधानसभा में तथा दक्षिणी दिल्ली के सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने लोकसभा में उठाया है। दोनों जनप्रतिनिधियों ने दिल्ली के किसानों के लिए 10 करोड़ रुपये प्रति एकड़ सर्कल रेट तथा गांवों को मालिकाना हक दिए जाने की मांग का समर्थन किया है। पंचायत संघ सह प्रमुख सुनील शर्मा ने सभी सांसदों व विधायकों से आग्रह किया की वे इन मांगों के समर्थन में लोकसभा व दिल्ली विधानसभा रखें और समर्थन देकर जल्द पूरा करवाएं। दिल्ली पंचायत संघ पंच प्रमुख अधिवक्ता यमन यादव ने घोषणा की कि जल्द ही दिल्ली देहात और गांवों के प्रमुख संगठनों, पंचायत प्रतिनिधियों एवं पंचायत प्रमुखों की एक महापंचायत बुलाई जाएगी। इस बैठक में दिल्ली सरकार से वार्ता हेतु एक प्रतिनिधि समिति का गठन किया जाएगा तथा मांगों के समाधान संबंधी निर्णय लिए जाएंगे।

देहरादून एक्सप्रेसवे पर करंट से युवक की मौत की आशंका

नई दिल्ली। शास्त्री पार्क इलाके में देहरादून एक्सप्रेसवे पर गुरुवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में एक अज्ञात युवक मृत पाया गया। सुबह करीब 10 बजे पुलिस को सूचना मिली कि पिलर नंबर-52 के पास डिवाइडर पर लगभग 25 वर्षीय युवक अचेत अवस्था में पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए जांच शुरू की और फोरेंसिक टीम को बुलाया। जांच के दौरान पता चला कि युवक करीब छह फुट ऊंची डिवाइडर रेलिंग पार कर गया था। आशंका है कि रेलिंग पार करने के बाद वह पास में लगे बिजली पैनल पर चढ़ा और हाई वोल्टेज तारों की चपेट में आने से उसे करंट लग गया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने युवक को तत्काल जग प्रवेश चंद्र अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम और पहचान के लिए जीटीबी अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत कार्रवाई शुरू कर दी है और मृतक की पहचान के प्रयास जारी हैं।

देवेश उत्तम होंगे इथियोपिया के नए राजदूत, जल्द संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। देवेश उत्तम को फेडरल डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ इथियोपिया का नया राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने गुरुवार को एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। एमईए के अनुसार, 2003 बैच के आईएफएस देवेश उत्तम जल्द अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। वर्तमान में वो बाल्टिक देश लिथुआनिया गणराज्य में भारत के एम्बेसडर हैं। देवेश, 2001 बैच के आईएफएस और इथियोपिया के वर्तमान राजदूत अनिल कुमार राय की जगह लेंगे। भारत और इथियोपिया के बीच संबंधों को दिसंबर 2025 में नया आकार दिया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और इथियोपिया के संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत किया गया। इथियोपिया ने पीएम मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ग्रेट ऑनर निशान ऑफ इथियोपिया से भी नवाजा, और दोनों देशों ने कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए थे। देवेश उत्तम की बात करें तो, लिथुआनियाई दूतावास की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार वो भारत के उत्तर प्रदेश प्रांत के रहने वाले हैं। उन्होंने 2003 में भारतीय विदेश सेवा में प्रवेश किया था। वे नई दिल्ली स्थित विदेश मंत्रालय में कांसुलर, पासपोर्ट और वीजा (सीपीवी) विभाग के प्रमुख रह चुके हैं और प्रत्यर्पण मामलों के लिए केंद्रीय प्राधिकरण के कार्यालय के प्रभारी भी थे। विदेशों में उनकी राजनयिक जिम्मेदारियों में तेहरान स्थित भारतीय दूतावास में उप मिशन प्रमुख और न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र में भारतीय स्थाई मिशन में काउंसलर के पद शामिल थे।

आपका पसंदीदा NIVEA Soft, अब जेल फॉर्मेट में प्रस्तुत है NIVEA Soft Gel

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

भारत। भारत का सबसे भरोसेमंद स्किनकेयर ब्रांड NIVEA, अपने स्किनकेयर नवाचार पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सर्वथा नया NIVEA Soft Gel लॉन्च कर रहा है। यह एक अगली पीढ़ी का हाइड्रेट मॉइस्चराइजर है, जिसे हल्के सेंसोरियल अनुभव के साथ तीव्र हाइड्रेशन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। स्किनकेयर प्रभावकारिता और रोजमर्रा के आराम के बीच की खाई को पाटते हुए, यह ब्रेकथ्रू फॉर्मूला जेल की ताजगी को सीरम की शक्ति के साथ जोड़ता है, और हाइड्रेशन-आधारित स्किनकेयर में एक नया मानक प्रस्तुत करता है। इस उत्पाद में एडवांस्ड सीरम-इन्फ्यूज्ड जेल तकनीक शामिल है, जो इसे पारंपरिक मॉइस्चराइजर से अलग बनाने वाली प्रमुख विशेषता है। अल्ट्रा-लाइट और तेजी से अवशोषित होने वाला यह फॉर्मूला त्वचा की 10 परतों तक गहराई में जाकर 100 घंटे तक हाइड्रेशन प्रदान करता है, साथ ही त्वचा पर बिना चिपचिपाहट के एक सांस लेने योग्य फिनिश देता है। बिना भारीपन के उच्च प्रदर्शन चाहने वाले आधुनिक स्किनकेयर उपभोक्ताओं के लिए तैयार यह फॉर्मूला त्वचा को तुरंत तरोताजा और स्पष्ट रूप से स्वस्थ बना देता है। हायलूरोनिक एसिड और नियासिनामाइड से समृद्ध यह फॉर्मूलेशन हाइड्रेशन बढ़ाने और समग्र त्वचा गुणवत्ता सुधारने के लिए सिनर्जिस्टिक रूप से कार्य करता है। हायलूरोनिक एसिड नमी की पूर्ति कर उसे त्वचा में लॉक करने में मदद करता है, जिससे त्वचा का हाइड्रेशन स्तर बढ़ता है और त्वचा कोमल, मुलायम और पुनर्जीवित महसूस होती है। नियासिनामाइड त्वचा की बाधा को मजबूत करता है, समय के साथ त्वचा की बनावट और प्रत्यक्षता सुधारने में सहायता करता है, जिससे त्वचा अधिक स्वस्थ दिखती है। ये शक्तिशाली एक्टिव तत्व मिलकर त्वचा को स्पष्ट रूप से भरा हुआ और उछाल-युक्त बनाते हैं, जिससे NIVEA Soft Serum Infused Gel उन उपभोक्ताओं के लिए आदर्श विकल्प बन जाता है जो हल्का किंतु प्रभावी हाइड्रेशन समाधान चाहते हैं। इसकी हवादार टेक्सचर त्वचा पर सहजता से सरकती है, तेजी से अवशोषित होकर लंबे समय तक हाइड्रेशन देती है, जो इसे हर मौसम में रोजमर्रा उपयोग के लिए परफेक्ट बनाती है। इस लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए, NIVEA इंडिया की मैनेजिंग डायरेक्टर, गीतिका मेहता ने कहा: NIVEA में, नवाचार हमारे सबसे प्रतिष्ठित उत्पादों को फिर से कल्पित कर बदलती स्किनकेयर जरूरतों को पूरा करने से प्रेरित होता है। NIVEA Soft की यात्रा इस हाइड्रेशन के लिए, जाने जाने वाले ओरिजिनल मॉइस्चराइजर से, हाइड्रेशन और सन प्रोटेक्शन का दोहरा लाभ देने वाले NIVEA Soft UV तक, और अब NIVEA Soft Gel तक इसी प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संजय कपूर संपत्ति विवाद में सुलह के आसार, सुप्रीम कोर्ट ने 2 नवंबर तक बढ़ाई मध्यस्थता अवधि

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिवंगत उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति और आरके फैमिली ट्रस्ट को लेकर चल रहा पारिवारिक विवाद अब एक बार फिर चर्चा में है। लंबे समय से कानूनी लड़ाई में उलझे कपूर परिवार के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीद जताई है कि विवाद को बातचीत और आपसी सहमति के जरिए सुलझाया जा सकता है। कोर्ट ने संजय कपूर की मां रानी कपूर और पत्नी प्रिया कपूर के बीच चल रही मध्यस्थता प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि बातचीत की प्रक्रिया अब तक संतोषजनक तरीके से आगे बढ़ रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आरके फैमिली ट्रस्ट से जुड़े विवाद में मध्यस्थता की अवधि को 2 नवंबर तक जारी रखने की अनुमति दे दी है। कोर्ट ने कहा कि मध्यस्थता से जुड़ी रिपोर्ट देखने के बाद हमें पूरा भरोसा है कि सभी पक्ष एक सकारात्मक समाधान के काफी करीब हैं। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि मध्यस्थ की फीस का भुगतान आरके फैमिली ट्रस्ट की ओर से किया जाए। अगर मध्यस्थता सफल नहीं होती है तो सभी पक्षों को कानून के अनुसार आगे बढ़ने की अनुमति दी जाएगी, लेकिन कोर्ट ने उम्मीद जताई कि ऐसी स्थिति आने से पहले ही विवाद को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म कर लिया जाएगा। दरअसल, यह पूरा विवाद उद्योगपति संजय कपूर की संपत्ति और आरके फैमिली ट्रस्ट को लेकर है। संजय कपूर का जून 2025 में निधन हो गया था। उनके निधन के बाद उनकी करीब 30 हजार करोड़ रुपए की संपत्ति और व्यापारिक हिस्सेदारी को लेकर परिवार के सदस्यों के बीच विवाद शुरू हो गया। इस मामले में संजय कपूर की मां रानी कपूर, उनकी पत्नी प्रिया सचदेव कपूर और उनकी पहली पत्नी करिश्मा कपूर के बच्चों समायरा और कियान कपूर के अधिकारों को लेकर सवाल उठे। संजय कपूर और करिश्मा कपूर की शादी साल 2003 में हुई थी। दोनों साल 2016 में अलग हो गए थे। दोनों के दो बच्चे हैं, समायरा और कियान। संजय कपूर ने अपने बच्चों के भविष्य के लिए कई आर्थिक व्यवस्थाएं की थीं। वहीं, संजय कपूर के निधन के बाद उनकी दूसरी पत्नी प्रिया कपूर और बच्चों के बीच संपत्ति के अधिकार को लेकर विवाद सामने आया। विवाद का केंद्र आरके फैमिली ट्रस्ट है, जिसे साल 2017 में बनाया गया था। रानी कपूर का आरोप है कि इस ट्रस्ट को उनकी जानकारी और सहमति के बिना बनाया गया और परिवार की संपत्तियों को इसमें शामिल कर दिया गया।

नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हराया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कप्तान सार्थक रंजन की विस्फोटक 95 रन की पारी और यश भाटिया के नाबाद अर्धशतक की बदौलत नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स ने दिल्ली प्रीमियर लीग में ईस्ट दिल्ली राइडर्स को छह विकेट से हरा दिया। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में नॉर्थ दिल्ली ने 172 रन का लक्ष्य 16 ओवर में चार विकेट खोकर हासिल कर लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईस्ट दिल्ली राइडर्स ने 20 ओवर में छह विकेट पर 171 रन बनाए। सुजल सिंह ने 50 गेंदों में नाबाद 82 रन की पारी खेली। विकास दीक्षित ने सबसे किफायती गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर एक विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नॉर्थ दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने 39 रन पर दो विकेट गंवा दिए। इसके बाद सार्थक रंजन और यश भाटिया ने तीसरे विकेट के लिए 113 रन की साझेदारी कर मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया। रंजन ने 50 गेंदों में 95 रन बनाए। वह शतक से पांच रन दूर रह गए। यश भाटिया ने नाबाद अर्धशतक लगाकर टीम को चार ओवर शेष रहते ही जीत दिला दी।

सुप्रीम कोर्ट से आसाराम को झटका, खराब सेहत के आधार पर नहीं मिली अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। जोधपुर में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आसाराम बापू को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल राहत नहीं मिली। खराब सेहत के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने अभी कोई आदेश नहीं दिया। शीर्ष कोर्ट ने याचिका को लंबित रखते हुए कहा कि अगर आगे हालत ज्यादा बिगड़ती है तो दोबारा अंतरिम जमानत की मांग की जा सकती है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि अभी अंतरिम जमानत पर कोई आदेश नहीं दिया जा सकता। आसाराम की याचिका फाइल पर रहेगी। जरूरत पड़ने पर बाद में फिर सुनवाई होगी। राजस्थान सरकार की तरफ से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कोर्ट को बताया कि आसाराम ने हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मांगी है लेकिन सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम जमानत की बात छिपाई। फिलहाल आसाराम को राजस्थान हाईकोर्ट से 20 दिन की पैरोल मिली हुई है। पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने आसाराम की जमानत याचिका पर फैसला लेने से पहले एम्स से विस्तृत मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। एम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि आसाराम को अभी अस्पताल में भर्ती करने की जरूरत नहीं है लेकिन उनकी सेहत पर 24 घंटे नजर रखी जानी चाहिए। 21 जुलाई को हुई सुनवाई में कोर्ट ने राजस्थान सरकार से आसाराम की ताजा मेडिकल रिपोर्ट मांगी थी। कोर्ट ने कहा था कि अगर रिपोर्ट में हालत गंभीर साबित होती है तो सिर्फ इलाज के लिए सीमित समय की अंतरिम जमानत पर विचार किया जा सकता है।

बंद फैक्ट्रियों के निरीक्षण पर एनजीटी सख्त दिल्ली पुलिस आयुक्त से मांगा जवाब

नई दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने दिल्ली में कथित अवैध और प्रदूषण फैलाने वाली फैक्ट्रियों के निरीक्षण को लेकर दिल्ली पुलिस आयुक्त से जवाब मांगा है। एनजीटी अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव और विशेष सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने पुलिस आयुक्त को हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही, सवाल किया कि यदि किसी फैक्ट्री या परिसर पर बाहर से ताला लगा हो और अंदर अवैध गतिविधियां चलने की आशंका हो, तो ऐसे स्थान का निरीक्षण किस प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। मामले की अगली सुनवाई 14 अक्तूबर 2026 को होगी। यह निर्देश वरुण गुलाटी बनाम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अन्य मामले की सुनवाई के दौरान दिए। सुनवाई में जाफराबाद थाना प्रभारी (एसएचओ) की ओर से दायर हलफनामे में बताया गया कि 31 अक्तूबर 2025 को एसडीएम, डीपीसीसी, बीएसईएस और दिल्ली पुलिस की संयुक्त टीम ने घोंडा और अरविंद नगर इलाके में तीन स्थानों का निरीक्षण करने की कोशिश की थी, लेकिन सभी जगहों पर ताले लगे होने के कारण जांच नहीं हो सकी। हलफनामे में यह भी कहा गया कि कई बार फैक्ट्री मालिक जानबूझकर परिसर बंद कर देते हैं और निरीक्षण टीम को अंदर नहीं जाने देते। कई मामलों में लोग विरोध करते हैं, भीड़ इकट्ठा कर लेते हैं और अधिकारियों के काम में बाधा डालते हैं। एसएचओ ने बताया कि कुछ मामलों में ताला तोड़कर अंदर जाने पर विचार किया गया, लेकिन स्पष्ट कानूनी अनुमति या दिशा-निर्देश नहीं होने के कारण ऐसा नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान पीठ ने दिल्ली पुलिस के वकील से पूछा कि ऐसी स्थिति में ताला तोड़कर निरीक्षण करने की अनुमति किस अधिकारी से ली जाती है। वकील इसका स्पष्ट जवाब नहीं दे सके। इसके बाद अदालत ने दिल्ली पुलिस आयुक्त को हलफनामा दाखिल कर यह बताने का निर्देश दिया कि बाहर से बंद परिसरों में, जहां अवैध गतिविधियां होने की आशंका हो, वहां निरीक्षण और कार्रवाई की कानूनी प्रक्रिया क्या होगी।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातः किरण

राजधानी किरण

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran
www.pratahkiran.com
नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

नरेला की फैक्ट्री में भीषण आग दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

नई दिल्ली। दिल्ली के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में बृहस्पतिवार को भीषण आग लगने के बाद दमकल की 10 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने यह जानकारी दी डीएफएस के एक अधिकारी ने बताया कि फैक्ट्री में आग लगने की सूचना सुबह 9:22 बजे मिली जिसके बाद शुरू में दमकल की चार गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उनके मुताबिक, अग्निशमन कार्य में लगी टीम ने बाद में और गाड़ियों की मांग की जिसके बाद दमकल के 6 और वहां मौके पर भेजे गए। उन्होंने बताया कि अब तक घटना में किसी के जख्मी होने की सूचना नहीं है और अग्निशमन अभियान जारी है।

एमसीडी के 30 दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी होंगे पक्के

नईदिल्ली। एमसीडी अपने कर्मचारियों को बड़ी सौगात देने जा रही है। वह वर्षों से दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत 30 कर्मचारियों को नियमित (पक्का) कर रही है। इसके अलावा अन्य कर्मचारियों को भी नियमित किया जा रहा है। सिविक सेंटर स्थित एमसीडी मुख्यालय में शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा 172 कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र सौंपेंगी। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, नियमित किए जाने वाले 30 कर्मचारियों में 18 मल्टी टास्किंग स्टाफ (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन), नौ मल्टी टास्किंग स्टाफ (डीईएमएस), दो मल्टी टास्किंग स्टाफ (जनरल श्रेणी) और एक मल्टी टास्किंग स्टाफ (हॉर्टीकल्चर) शामिल हैं। लंबे समय से दैनिक वेतनभोगी के रूप में कार्यरत इन कर्मचारियों को नियमित किए जाने से उन्हें स्थायी कर्मचारियों के समान सेवा संबंधी लाभ मिल सकेंगे। एमसीडी के अनुसार, अनुकंपा के आधार पर नियुक्त 93 कर्मचारियों को भी नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। इनमें 53 मल्टी टास्किंग स्टाफ (हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन), 24 मल्टी टास्किंग स्टाफ (डीईएमएस) के अलावा स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न तकनीकी एवं सहायक पदों पर नियुक्त कर्मचारी शामिल हैं।

एफएसएसएआई के आदेश को डाबर ने दिल्ली हाईकोर्ट में दी चुनौती

नई दिल्ली। डाबर कंपनी ने खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के आदेश के खिलाफ दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया है। आदेश में 100% शुद्ध, 100% प्राकृतिक, 100% शुद्धता की गारंटी और 100% जैविक जैसे दावों वाले खाद्य उत्पादों की बिक्री रोकने का निर्देश दिया था। वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने मुख्य न्यायाधीश देवेन्द्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ के समक्ष मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया। खंडपीठ ने इस अनुरोध को स्वीकार करते हुए मामले की तत्काल सुनवाई की अनुमति दे दी। एफएसएसएआई ने 100% दावों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाते हुए कहा था कि ऐसे दावे अस्पष्ट, सत्यापित न होने वाले और उपभोक्ताओं को गुमराह करने वाले हो सकते हैं। यह आदेश शहद, गाय का घी, एप्पल साइडर विनेगर, वर्जिन नारियल तेल, तिल का तेल, नारियल पानी और नारियल दूध सहित कई उत्पादों पर लागू होता है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह कार्रवाई खाद्य लेबल पर पूर्ण 100% दावों के खिलाफ एफएसएसएआई के व्यापक अभियान का हिस्सा है। नियामक का कहना है कि ऐसे दावे उत्पाद की गुणवत्ता या संरचना के बारे में अतिरंजित प्रभाव पैदा कर सकते हैं।

मेटा पर आवाज दबाने का आरोप युवा कांग्रेस का प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने बृहस्पतिवार को मेटा के खिलाफ प्रदर्शन किया। आरोप लगाया कि सोशल मीडिया कंपनी सरकार के दबाव में छात्र आंदोलनों, आलोचनात्मक पोस्ट और सरकार से सवाल पूछने वाली सामग्री को हटा रही है, जबकि नफरत फैलाने वाली सामग्री पर कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने लोकतंत्र बचाओ और आवाज मत दबाओ के नारे लगाते हुए मेटा से भारतीय नागरिकों से माफी और सेंसरशिप बंद करने की मांग की। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पम्मी सिंह ने कहा कि यह अभिव्यक्ति की आजादी का मुद्दा है। मेटा राजनीतिक आलोचना, व्यंग्य व विरोध से जुड़ी सामग्री हटाकर लोकतांत्रिक अधिकारों को कमजोर कर रहा है। प्रदर्शन में राष्ट्रीय सह सचिव करण चौरसिया समेत कई कार्यकर्ता शामिल हुए।

सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर भाजपा नेताओं ने दी श्रद्धांजलि, एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत किया पौधरोपण

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पूर्व विदेशमंत्री एवं पद्म विभूषण सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर गुरुवार को दिल्ली भाजपा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता, नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज, सांसद मनोज तिवारी, योगेंद्र चंदोलिया और प्रवीण खंडेलवाल सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली भाजपा कार्यालय और वसंत उद्यान में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। बाद में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत उनकी स्मृति में पौधरोपण भी किया । दिल्ली भाजपा कार्यालय में आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में नेताओं ने स्वर्गीय सुषमा स्वराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए। इसके उपरांत वसंत विहार स्थित वसंत उद्यान में स्मृति कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां उनकी स्मृति में पौधे रोपे गए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सुषमा स्वराज उनके जीवन की प्रेरणास्रोत थीं। उन्होंने कहा कि वे समाज एवं दिल्ली के लिए आज जो कुछ कर पा रही हैं, वह सुषमा स्वराज से मिली प्रेरणा एवं मार्गदर्शन का परिणाम है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि सुषमा स्वराज केवल एक नेता नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति का ऐसा आदर्श थीं, जिनमें संवेदनशीलता और दृढ़ता के साथ सत्ता और सेवा का अद्भुत समन्वय था। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्री के रूप में सुषमा स्वराज ने भारतीयों के बीच भरोसे का ऐसा संबंध स्थापित किया कि दुनिया के किसी भी कोने में संकट में फंसे भारतीयों को विश्वास रहता था कि दिल्ली में उनका अपना कोई है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सुषमा स्वराज के राष्ट्र प्रथम, सेवा और महिला सम्मान के आदर्शों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सुषमा स्वराज एक संवेदनशील और कर्मशील नेता थीं, जिन्होंने भाजपा के हजारों कार्यकर्ताओं का निर्माण किया। उनके नेतृत्व और स्नेह ने अनेक कार्यकर्ताओं को सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि सुषमा स्वराज जैसा संवेदनशील नेता मिलना दुर्लभ है। उन्होंने बताया कि भाजपा से पहला चुनाव लड़ने की सूचना और मार्गदर्शन उन्हें सुषमा स्वराज से ही मिला था, जो उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण स्मृतियों में शामिल है। सांसद योगेन्द्र चांदोलिया ने कहा कि उन्हें अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने का अवसर सुषमा स्वराज के मार्गदर्शन में मिला। वहीं सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारिक संगठनों से जुड़े विभिन्न अवसरों पर उन्हें सुषमा स्वराज का स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा, जो सदैव प्रेरणादाई रहा। नई दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज ने भावुक संबोधन में कहा कि उनकी मां केवल उनकी मां नहीं थीं, बल्कि लाखों भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए मां और दीदी के समान थीं। उन्होंने कहा कि भारी वर्षा के बावजूद बड़ी संख्या में लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए उपस्थित देखकर उन्हें जनसेवा के संकल्प को और अधिक मजबूती से आगे बढ़ाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार के मंत्री आशीष सूद, मनजिंदर सिंह सिरसा, सांसद कमलजीत सहरावत, स्वाति मालीवाल, कमलजीत सहरावत, दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सतीश उपाध्याय, विधायक नीरज बसोया, शिखा राय, श्याम शर्मा, हरीश खुराना एवं उमंग बजाज, एन.डी.एम.सी. उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल एवं सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, दिल्ली भाजपा महामंत्री राजेश भाटिया एवं योगिता सिंह, उपाध्यक्ष विजय सोलंकी, कोषाध्यक्ष सतीश गर्ग, मंत्री अभिषेक टंडन, मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर, युवा मोर्चा अध्यक्ष रजत चौधरी सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं ने दिल्ली भाजपा कार्यालय और वसंत उद्यान में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की।

संसद को बाधित करने के लिए सत्तापक्ष जिम्मेदार मोदी-शाह सदन में दें जवाब : खरगे

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष तथा राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने संसद में गतिरोध के लिए सत्तापक्ष को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले में सदन में आकर जवाब देंगे तब ही संसद सुचारु रूप से चल सकेगी। श्री खरगे ने गुरुवार को यहां अपने आवास 10 राजाजी मार्ग पर संवाददाताओं से कहा कि विपक्ष पिछले 15 दिनों से छात्रों पर हुए कथित अत्याचार, लाठीचार्ज, पेलेट गन और आंसू गैस के इस्तेमाल के मुद्दे पर गृह मंत्री से सदन में बयान देने की मांग कर रहा है लेकिन सरकार लगातार इससे बच रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि छात्र शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे थे, इसके बावजूद उनके खिलाफ बल प्रयोग किया गया और इसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि विपक्ष केवल यह जानना चाहता है कि छात्रों पर लाठीचार्ज, पेलेट गन और आंसू गैस के इस्तेमाल का आदेश किसने दिया। यदि गृह मंत्री सदन में आकर स्थिति स्पष्ट कर देते तो इस मुद्दे पर चर्चा हो जाती और संसद का कामकाज सामान्य रूप से चल सकता था। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि राज्यसभा के सभापति ने भी संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू से कहा है कि सदन की इच्छा है कि गृह मंत्री सदन में आकर अपनी बात रखें लेकिन इसके बावजूद सरकार ने इस दिशा में कोई पहल नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार विपक्ष को अपनी बात रखने का अवसर भी नहीं देती और जनता से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर जवाबदेही से बच रही है। श्री खरगे ने कहा कि विपक्ष संसद को बाधित करने की बजाय चाहता है कि सदन में सार्थक चर्चा हो। यदि श्री मोदी छात्रों और उनके अभिभावकों से माफी मांग लें तथा श्री शाह सदन में बयान दे दं तो संसद का गतिरोध समाप्त हो सकता है। झारखंड में छात्रों से जुड़े घटनाक्रम के बारे में पूछे गए एक सवाल पर श्री खरगे ने कहा कि कांग्रेस किसी एक राज्य की नहीं, बल्कि पूरे देश के छात्रों और युवाओं के साथ खड़ी है। उन्होंने कहा कि झारखंड, पंजाब, दिल्ली या किसी भी राज्य में छात्रों के साथ अन्याय होगा तो कांग्रेस उनकी आवाज उठाती रहेगी और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

पश्चिम विहार में एमसीडी को मृत पौधों की जगह नए पौधे लगाने के निर्देश

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। पश्चिम विहार क्षेत्र में एमसीडी की ओर से किए गए पौधरोपण की स्थिति को लेकर राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने सख्ती दिखाई है। एनजीटी ने एमसीडी व दिल्ली सरकार को संयुक्त रूप से पौधों का दोबारा निरीक्षण करने व उनकी जियो-टैगिंग करने के निर्देश दिए हैं। एनजीटी अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव व विशेषज्ञ सदस्य डॉ. अफरोज अहमद की पीठ ने कहा कि पश्चिम विहार में लगाए गए पौधों की स्थिति व जीवित रहने की पुष्टि जरूरी है। दिल्ली सरकार की रिपोर्ट में बताया गया कि 976 पौधे जीवित मिले, लेकिन अधिकतर की ऊंचाई छह फीट से कम पाई गई। अधिकरण ने पौधरोपण में कमी व रखरखाव पर चिंता जताते हुए एमसीडी को सूखे पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाने व ट्री गार्ड समेत अन्य सुरक्षा इंतजाम करने को कहा। साथ ही, एमसीडी व दिल्ली सरकार की संयुक्त टीम को दोबारा निरीक्षण कर पौधों की संख्या, स्थिति व जीवित दर का आकलन कर रिपोर्ट एनजीटी में जमा करने को कहा है। अनुपालन रिपोर्ट अगली सुनवाई से एक सप्ताह पहले दाखिल करनी होगी।

दिल्ली में झमाझम बारिश, उमस से राहत, ऑरेंज अलर्ट जारी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में बृहस्पतिवार सुबह झमाझम बारिश हुई, जिससे लोगों को उमस भरे मौसम से राहत मिली। मौसम विभाग ने दिनभर गरज के साथ मध्यम से तेज बारिश का अनुमान जताते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से 1.3 डिग्री सेल्सियस कम है। अधिकतम तापमान करीब 32 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, सुबह नौ बजे शहर का वायु गुणवत्ता सूचकांक 84 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है।

कांग्रेस में डॉ. अजय पांडेय को मिल सकती है अहम जिम्मेदारी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं राजनीति की पाठशाला के संस्थापक डॉ. अजय पांडेय को कांग्रेस संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाने और छात्र-युवा वर्ग के बीच संगठन की पकड़ मजबूत करने की रणनीति के तहत डॉ. पांडेय के नाम पर गंभीरता से विचार किया जा रहा है। सूत्रों का दावा है कि बीते कुछ वर्षों में डॉ. अजय पांडेय ने शिक्षा, युवाओं के राजनीतिक प्रशिक्षण तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाई है। यही कारण है कि पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेता उन्हें संगठनात्मक भूमिका देने के पक्ष में बताए जा रहे हैं। कांग्रेस से जुड़े सूत्रों का कहना है कि आगामी संगठनात्मक फेरबदल में कई नए चेहरों को अवसर दिया जा सकता है और इसी क्रम में डॉ. पांडेय का नाम भी चर्चा में है। हालांकि, अभी तक कांग्रेस की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजनीतिक गलियारों में चल रही चर्चाओं के बीच यह देखना दिलचस्प होगा कि पार्टी नेतृत्व संगठन में होने वाले संभावित बदलावों को लेकर क्या निर्णय लेता है। फिलहाल डॉ. अजय पांडेय को जिम्मेदारी मिलने की अटकलों पर कांग्रेस की आधिकारिक मुहर लगना बाकी है।

दिल्ली में यमुना का जलस्तर मामूली रूप से घटा

नई दिल्ली। दिल्ली में पुराने रेलवे पुल पर यमुना नदी का जलस्तर बृहस्पतिवार को थोड़ा कम हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सुबह नौ बजे पुराने रेलवे पुल पर जलस्तर 203.37 मीटर था। दिल्ली के लिए चेतावनी स्तर 204.50 मीटर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर है और 206 मीटर पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने का काम शुरू हो जाता है। केंद्रीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के एक अधिकारी ने कहा, बुधवार रात जलस्तर लगभग 203.50 मीटर था जो इस मौसम का अब तक का सबसे अधिक जलस्तर है। अब यह थोड़ा घटा है। अधिकारी ने कहा कि अभी बाढ़ की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है और जलस्तर के कम होने की उम्मीद है। हथिनीकुंड बैराज से फिलहाल लगभग 15,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। सोमवार को बैराज से सर्वाधिक लगभग 69,000 क्यूसेक पानी छोड़ा गया था। पुराना रेलवे पुल नदी के बहाव और बाढ़ के संभावित खतरों पर नजर रखने के लिए एक अहम निगरानी केंद्र का काम करता है।

पुलिसकर्मी की हत्या का फरार आरोपी 28 साल बाद मध्य प्रदेश से गिरफ्तार

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने हरियाणा पुलिस के एक कर्मी की हत्या और पुलिस हिरासत से भागने के मामले में 28 साल से फरार एक आरोपी को मध्य प्रदेश के अशोक नगर जिले से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, आरोपी की पहचान 53 वर्षीय राजेंद्र बैरागी उर्फ राजेंद्र सिंह यादव उर्फ ड्राईवर झटका के रूप में हुई है, जिसे रोहिणी अदालत ने 2008 में भगोड़ा घोषित किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में हत्या, हत्या के प्रयास और शस्त्र कानून के तहत आठ मामले दर्ज हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि आरोपी 10 मई 1998 को सोनीपत के सैयां खेड़ा गांव में एक शादी समारोह के दौरान झगड़े के बाद हुई गोलीबारी में शामिल था। उन्होंने बताया कि इस घटना में दुल्हन के चाचा एवं हरियाणा पुलिस के कर्मी जय भगवान की मौत हो गई थी और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी को 1998 में गिरफ्तार किया गया था, लेकिन 14 फरवरी 1999 को गाजियाबाद जेल से सोनीपत की एक अदालत ले जाते समय वह हथकड़ी सहित उत्तर प्रदेश पुलिस की हिरासत से फरार हो गया था। पुलिस के मुताबिक, हिरासत से भागने के बाद आरोपी ने महाराष्ट्र के कोलाबा में एक साल तक केंद्रीय विद्यालय में शारीरिक शिक्षा के शिक्षक के रूप में काम किया और इसके बाद वह मध्य प्रदेश में अशोक नगर जिले के मुंगावली में बस गया और अपना नाम बदलकर राजेंद्र सिंह यादव रख लिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपी ने 2003 में विवाह किया और फर्जी दस्तावेजों के आधार पर आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और पैन कार्ड सहित स्थानीय पहचान पत्र हासिल कर लिए।

दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद एमसीसी ने नीट-एसएस दूसरे चरण का पंजीकरण फिर खोला

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के अधीन चिकित्सा परामर्श समिति (एमसीसी) ने दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के बाद राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा सुपर स्पेशियलिटी (नीट-एसएस) 2025 की काउंसलिंग के दूसरे चरण से संबंधित तीन अगस्त की अधिसूचना वापस ले ली है। अदालत ने याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों को दोबारा पंजीकरण कर काउंसलिंग प्रक्रिया में भाग लेने की अनुमति दी है। एमसीसी ने एक नोटिस में कहा कि यह फैसला पांच अगस्त को सुनील एवं अन्य बनाम चिकित्सा परामर्श समिति (रिट याचिका संख्या 11097/2026) मामले में दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर लिया गया है। नोटिस में कहा गया है, अदालत ने अपने आदेश में याचिकाकर्ता अभ्यर्थियों को दोबारा पंजीकरण कराने और नीट-एसएस 2025 काउंसलिंग के दूसरे चरण में भाग लेने की अनुमति दी है। समिति ने कहा कि अदालत द्वारा की गई टिप्पणियों और जताई गई चिंताओं को ध्यान में रखते हुए सक्षम प्राधिकारी ने तीन अगस्त को जारी अधिसूचना को तत्काल प्रभाव से वापस लेने का निर्णय लिया है। एमसीसी ने काउंसलिंग का संशोधित कार्यक्रम भी जारी किया है। नोटिस के अनुसार, सीट छोड़ने का पोर्टल सभी अभ्यर्थियों के लिए सात अगस्त को शाम चार बजे तक खुला रहेगा। संशोधित कार्यक्रम के अनुसार, दूसरे चरण के लिए नया पंजीकरण और विकल्प भरने की प्रक्रिया नौ अगस्त को सुबह 10 बजे से फिर शुरू होगी। विस्तृत संशोधित कार्यक्रम एमसीसी की वेबसाइट पर उपलब्ध है। यह फैसला दिल्ली उच्च न्यायालय के हस्तक्षेप के बाद लिया गया है, जिसके कारण एमसीसी ने अपनी पहले की अधिसूचना में संशोधन करते हुए नीट-एसएस 2025 काउंसलिंग के दूसरे चरण के लिए पंजीकरण प्रक्रिया दोबारा खोलने का निर्णय किया है।

सीलमपुर में सजा दिल्ली का पहला कांवड़ शिविर 24 घंटे भोजन, सुरक्षा और इलाज की व्यवस्था

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

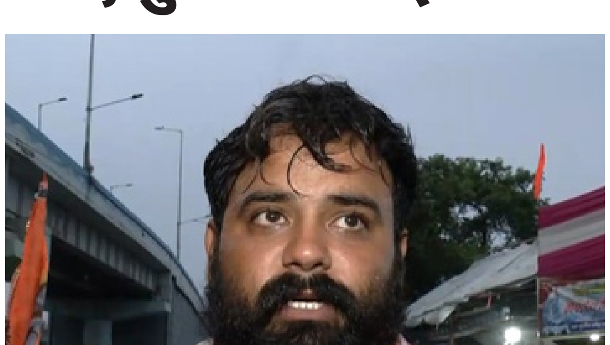

नई दिल्ली। सावन के महीने में कांवड़ियों की सेवा के लिए दिल्ली के सीलमपुर में 42 साल पुराना कावड़ शिविर सजाया गया है। यह शिविर कावड़ सेवा समिति, सीलमपुर द्वारा धर्मपुरा रेड लाइट पर लगाया गया है। कावड़ सेवा समिति के सदस्य तीर्थ राम ने बताया कि यह लाला मुरलीधर कावड़ कैंप है और इसे दिल्ली का पहला कावड़ शिविर माना जाता है। इसकी शुरूआत खुद लाला मुरलीधर ने की थी, तभी से हर साल यहां हजारों कांवड़ियों की सेवा की जाती है। शिविर में सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं। तीर्थ राम के मुताबिक यहां सीआरपीएफ के जवान भी मौजूद हैं और जरूरत पड़ने पर एसएचओ भी आकर हालात का जायजा लेते रहते हैं। कांवड़ियों के स्वास्थ्य का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है। शिविर में डॉक्टरों की टीम, प्राथमिक उपचार और दवाइयों की व्यवस्था है। खाने-पीने की दिक्कत न हो इसलिए 24 घंटे भोजन, चाय-नाश्ते और साफ-सफाई का इंतजाम किया गया है। तीर्थ राम ने कहा कि कांवड़िए पूरी रात चलते हैं, इसलिए उनके आराम और सेवा में कोई कमी नहीं रखी जा रही। हरिद्वार से 31 जुलाई को यात्रा शुरू करने वाले एक शिव भक्त ने कहा, रास्ते में मैंने कई कावड़ शिविर देखे, लेकिन यहां जैसी मेडिकल सुविधा और इलाज मुझे कहीं नहीं मिला। एक अन्य कांवड़िए ने बताया, यात्रा में मुझे कोई परेशानी नहीं हुई। सभी जरूरी सुविधाएं मिल रही हैं। कावड़ यात्रा 2026 की शुरूआत 30 जुलाई से हुई थी। हिंदू पंचांग के अनुसार यह पवित्र सावन महीने के पहले दिन से शुरू होती है और सावन शिवरात्रि पर चरम पर पहुंचती है। इस साल सावन शिवरात्रि 11 अगस्त को है, इसी दिन भक्त शिवलिंग पर गंगाजल से जलाभिषेक करेंगे। लाखों शिव भक्त नंगे पांव हरिद्वार, गौमुख या सुल्तानगंज जैसी जगहों से गंगाजल लेकर बांस की कांवड़ में भरकर अपने इलाके के शिव मंदिरों तक पैदल जाते हैं। यात्रा 28 अगस्त को सावन महीने के अंत के साथ पूरी होगी।

उत्तर पूर्वी दिल्ली में देहरादून एक्सप्रेसवे के पास करंट लगने से व्यक्ति की मौत

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में बारिश के बीच उत्तर पूर्वी दिल्ली के शास्त्री पार्क इलाके में बृहस्पतिवार को देहरादून एक्सप्रेसवे के पास करंट लगने से एक अज्ञात व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, देहरादून एक्सप्रेसवे के खंभा संख्या 52 के पास डिवाइडर पर एक शख्स के बेहोश पड़े होने की सूचना पूर्वाह्न करीब 10 बजे मिली। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद एक टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी की गई तथा फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। पीड़ित को जगप्रवेश चंद्र अस्पताल ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुरूआती जांच में सामने आया है कि व्यक्ति लगभग छह फुट ऊंची डिवाइडर रेलिंग पर चढ़ा होगा और रेलिंग पार करने के बाद, वह खंभा संख्या 52 के बगल में लगे एक विद्युत पैनल पर उतर गया जिससे वह उच्च वोल्टेज वाले बिजली के तारों की चपेट में आ गया। उन्होंने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरुतेग बहादुर अस्पताल भेज दिया गया है और उसकी शिनाख्त करने की कोशिश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि इस बाबत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 194 (अप्राकृतिक) के तहत कार्यवाही शुरू कर दी गई है और आगे की जांच की जा रही है।

लूट व हथियार मामले में सबूतों के अभाव में चार आरोपी बरी

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। द्वारका कोर्ट ने वर्ष 2020 के एक लूट व हथियार मामले में सबूतों के अभाव में चार आरोपियों को बरी कर दिया। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश दीपक वासन की अदालत ने कहा कि शिकायतकर्ता की मृत्यु हो चुकी है और एकमात्र प्रत्यक्षदर्शी ने भी ठोस बयान नहीं दिया, इसलिए औपचारिक गवाहों के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता। अदालत ने खजान, प्रदीप, नकुल व राहुल को भारतीय दंड संहिता की धारा 392, 397, 506 व 34 तथा खजान को शस्त्र अधिनियम की धारा 27 से बरी कर दिया। हालांकि, आरोपी नकुल ने चोरी का सामान रखने (धारा 411 आईपीसी) का आरोप स्वीकार कर लिया था, जिस पर 25 फरवरी को उसे दोषी ठहराया गया था और सजा का आदेश पारित हुआ था। यह मामला 12 अगस्त 2020 को धांसा-मलिकपुर रोड पर ट्रक चालक राजेश गुलिया से पिस्टल दिखाकर 5-6 हजार रुपये, ड्राइविंग लाइसेंस व अन्य दस्तावेज लूटे गए थे। आरोपियों ने जान से मारने की धमकी भी दी थी। इस मामले में खजान उर्फ सोनू, प्रदीप, नकुल और राहुल उर्फ पिस्टल को आरोपी बनाया गया था। 2023 में शिकायतकर्ता की मृत्यु के कारण अदालत में उनका बयान दर्ज नहीं हो सका।

सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर भाजपा ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज की पुण्यतिथि पर बृहस्पतिवार को भाजपा ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया। इस दौरान एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण भी किया गया। यह कार्यक्रम भाजपा के प्रदेश कार्यालय, वसंत उद्यान और वसंत विहार में आयोजित हुआ। इसमें मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, सांसद बांसुरी स्वराज और मनोज तिवारी सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सभी नेताओं ने पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सुषमा स्वराज उनकी आदर्श थीं और उनकी सादगी, संवेदनशीलता तथा नेतृत्व क्षमता हमेशा प्रेरित करती रहेगी। हर्ष मल्होत्रा ने कार्यकर्ताओं से सुषमा स्वराज के राष्ट्र प्रथम, सेवा और महिला सम्मान के आदर्शों पर चलने का आह्वान किया।

अभाविप ने परीक्षा व भर्ती में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन तेज किया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने प्रतियोगी परीक्षाओं, प्रवेश परीक्षाओं और भर्ती प्रक्रिया में कथित अनियमितता, प्रश्नपत्र लीक तथा भ्रष्टाचार के विरोध में देशभर में अपना आंदोलन तेज कर दिया है। संगठन ने कहा कि झारखंड, कर्नाटक, पंजाब, बिहार समेत कई राज्यों में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और संस्थागत सुधार की मांग को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन चलाया जा रहा है। अभाविप ने गुरुवार को जारी बयान में कहा कि प्रत्येक परिश्रमी विद्यार्थी को निष्पक्ष, पारदर्शी और विश्वसनीय परीक्षा व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकारों और परीक्षा एजेंसियों की जिम्मेदारी है। संगठन का आरोप है कि कई राज्यों में लगातार सामने आ रही अनियमितताओं से विद्यार्थियों का विश्वास प्रभावित हुआ है। परिषद के अनुसार, पंजाब में विधानसभा घेराव के दौरान प्रश्नपत्र लीक और भर्ती अनियमितताओं के विरोध में प्रदर्शन कर रहे अभाविप कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने लाठीचार्ज और वाटर कैनन का प्रयोग किया। संगठन ने दावा किया कि इस कार्रवाई में कई कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हुए। अभाविप ने इसे दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय बताते हुए पंजाब सरकार पर प्रशासनिक संवेदनहीनता का आरोप लगाया। संगठन के अनुसार, कर्नाटक के हुब्बली में केपीएससी प्रकरण की सीबीआई जांच, भर्ती अनियमितताओं की निष्पक्ष जांच तथा रिक्त शिक्षकीय पदों पर शीघ्र नियुक्तियों की मांग को लेकर प्रदर्शन किया गया। बिहार में पटना विश्वविद्यालय की लॉ प्रवेश परीक्षा-2026 के कथित प्रश्नपत्र लीक मामले की उच्चस्तरीय एवं समयबद्ध जांच की मांग उठाई गई, जबकि झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के विरोध में विद्यार्थी आक्रोश मार्च निकालकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई और परीक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की मांग की गई। अभाविप ने बताया कि तेलंगाना के वारंगल में लंबित फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति भुगतान, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में फीस वृद्धि तथा मध्य प्रदेश में प्रस्तावित निजी विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक-2026 के विरोध में भी विभिन्न स्थानों पर आंदोलन जारी हैं।

HTET में 20 सवाल खाली छोड़ने वाले अभ्यर्थी डिसक्वालीफाई

BSEH की योग्य और अयोग्य उम्मीदवारों की सूची जारी; 10-12 अगस्त तक होगी बायोमैट्रिक

प्रात : किरण संवाददाता

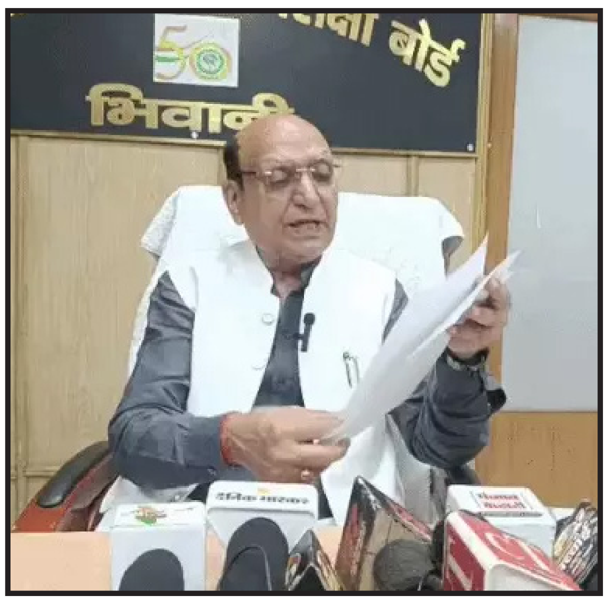

गुरुग्राम । हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड (BSEH) ने हरियाणा अध्यापक पात्रपा परीक्षा (HTET) के अयोग्य व योग्य अभ्यार्थियों की लिस्ट जारी की है। जिन अभ्यार्थियों ने 20 से ज्यादा प्रश्नों के उत्तर नहीं दिए थे, उन अभ्यार्थियों को डिसक्वालीफाई किया गया है। वहीं अन्य अभ्यार्थियों को अब बॉयोमैट्रिक के लिए बुलाया गया है। क्वालीफाई अभ्यार्थियों को 10 से 12 अगस्त तक अपनी बायोमैट्रिक करनी होगी। शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन शंकर धुपड़ ने कहा कि इसलिए अयोग्य घोषित किया गया है क्योंकि उन्होंने डटफ उत्तर-पुस्तिका में 20 से अधिक प्रश्नों के लिए चार में से किसी भी गोले को काला नहीं किया था, जैसा कि परीक्षा शहर की सूचना पर्ची और प्रवेश पत्र (बिंदु संख्या 6) में दिए गए निर्देशों में बताया गया था। इसलिए, ऐसे उम्मीदवारों की डटफ उत्तर-पुस्तिकाओं का मूल्यांकन नहीं किया गया है और उनकी उम्मीदवारी अयोग्य मानी जाएगी।

1973 अभ्यार्थी डिसक्वालीफाई शिक्षा बोर्ड द्वारा जारी अयोग्य उम्मीदवारों की लिस्ट में कुल 1973 अभ्यार्थियों का नाम है। जिनमें लेवल-1 के 450 अभ्यार्थी, लेवल-2 के 828 अभ्यार्थी व लेवल-3 के 695 अभ्यार्थी शामिल है। जिन्होंने 20 से ज्यादा प्रश्न पत्रों के उत्तर नहीं दिए। इसलिए इन्हें डिसक्वालीफाई किया गया है।

10 से 12 अगस्त तक होगा बायोमैट्रिक

जो अभ्यार्थी एचटेट परीक्षा में क्वालीफाई हुए हैं, उनकी बायोमैट्रिक करवाई जाएगी। बायोमैट्रिक वैरिफिकेशन के लिए 10 से 12 अगस्त तक का समय दिया गया है। बायोमैट्रिक के लिए प्रदेश के 22 जिलों में जिला वाइज बायोमैट्रिक सेंटर बनाए गए हैं। जहां पर अभ्यार्थी जाकर अपनी बायोमैट्रिक करवा सकता है। इस अवधि के दौरान अभ्यार्थियों को सुबह 9 बजे से शाम 5 बजे तक ही संबंधित केंद्र पर जाकर अपनी बायोमैट्रिक वैरिफिकेशन करवाना होगा।

2.33 हजार अभ्यार्थी

एचटेट के लिए प्रदेश भर में 383 सेंटर बनाए गए थे। इनमें 2 लाख 33 हजार 894 परीक्षार्थियों की परीक्षा हुई। इस परीक्षा में एक लाख 66 हजार 137 महिला परीक्षार्थी, 67 हजार 157 पुरूष परीक्षार्थी थे। इसमें से लेवल-3 (पीजीटी) में 73 हजार 91 अभ्यार्थी, लेवल-2 (टीजीटी) में 1 लाख 19 हजार 141 अभ्यार्थी व लेवल-1 (पीआरटी) में 41 हजार 62 अभ्यार्थी शामिल हुए।

प्रॉपर्टी डीलर को लूटने वाले 2 डिलीवरी ब्वॉय काबू

फरीदाबाद में 2 घंटे कार में बंधक बनाकर रखा, तीसरे साथी की तलाश जारी

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। में प्रॉपर्टी डीलर को किडनैप करके कर 4600 रुपए सहित दूसरे सामान की लूट करने वाले 2 डिलीवरी ब्वॉय को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश कर रही है। वारदात को उस समय अंजाम दिया गया था, जब 26-27 जुलाई की रात को पीड़ित अपनी कार से घर जा रहा था। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास वह टॉयलेट के लिए रूका था। इस मामले में अउढ क्राइम अमन यादव ने बताया कि दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेशकर जेल भेज दिया है। जबकि तीसरे आरोपी की तलाश की जा रही है।

ऑफिस बंद करके घर लौट रहा था

पुलिस ने बताया कि भारत कॉलोनी का रहने वाला अमरेश पाठक प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। 26-27 जुलाई की रात को वह ऑफिस बंद करके अपनी सफेद रंग की स्विफ्ट कार से घर के लिए लौट रहा था। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास वह टॉयलेट के लिए रूका था। इसी दौरान पहले वहां पर मौजूद तीन युवकों ने उसको पकड़ कर कार की पिछली सीट पर बैठा लिया।

2 घंटे तक बंधक बनाकर रखा

तीनों आरोपियों ने अमरेश को करीब 2 घंटे तक उसकी की कार में बंधक बना कर रखा । तीनों ने इस दौरान उससे 4 हजार 600 रुपए नगद, एक सैमसंग मोबाइल फोन, एक आईफोन-14, 2 डेबिट कार्ड और हाथ की घड़ी लूट ली। घटना के बाद आरोपी उसको कार सहित थाना भूपानी क्षेत्र के गांव टिकावली के पास छोड़कर फरार हो गए।

गुरुग्राम हाउसिंग बोर्ड का क्लर्क लापता

पंचकूला मुख्यालय आया, पत्नी IIFL में मैनेजर, बोली- शादी से 3 दिन पहले भी छोड़ा था घर

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। पंचकूला में हाउसिंग बोर्ड का क्लर्क बिना बताए घर से निकल गया। मैनेजर पत्नी की शिकायत पर पुलिस ने तलाश शुरू की तो राजस्थान में लोकेशन मिली। जिसके बाद पुलिस व परिवार ने राहत की सांस ली है। पंचकूला के कालका शहर निवासी कनिका ने पुलिस को बताया कि उसकी शादी को करीब तीन साल हुए हैं और उनका दो साल का बेटा है। उसके पति सचिन हाउसिंग बोर्ड गुरुग्राम में क्लर्क के पद पर कार्यरत हैं। 3 अगस्त को सचिन काम के सिलसिले में गुरुग्राम से सेक्टर-6 पंचकूला स्थित मुख्यालय आया था। शाम करीब 6:30 बजे वह मजारी चौक पर पत्नी से मिला और दोनों साथ में कालका स्थित घर पहुंचे थे।

अगले दिन बिना बताए घर से निकला

कनिका के अनुसार, 4 अगस्त को सुबह करीब 11:30 बजे सचिन बिना बताए घर से चला गया। पत्नी ने बताया कि इससे पहले भी वह ड्यूटी के नाम पर घर से चला जाता था, लेकिन फोन पर संपर्क में रहता था। इस बार उसका मोबाइल नंबर बंद आ रहा है। परिवार ने रिश्तेदारों और परिचितों के यहां भी तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला।

पत्नी बोली- 2 बार पहले छोड़ चुका घर

गायब हुए क्लर्क की पत्नी कनिका के अनुसार पति सचिन पहले भी 2 बार घर छोड़कर गायब हो चुका है। शादी से 3 दिन पहले भी इसी प्रकार से घर छोड़ा था, लेकिन उसके बाद जब बेटा हुआ था तो भी वो इसी प्रकार से गायब हुआ था।

अरक विकास आनंद कर रहे जांच

पंचकूला के कालका थाना पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर रही है। मामले की जांच अरकविकास आनंद को सौंपी गई है। पुलिस लापता व्यक्ति के मोबाइल फोन की जानकारी और उसके संभावित ठिकानों की जांच कर रही है।

सोहना के फार्म हाउस में आग, दो कर्मचारी झुलसे

हायर सेंटर किए गए रेफर, फायर ब्रिगेड की टीम को बुझाने में लगे दो घंटे

प्रात : किरण संवाददाता

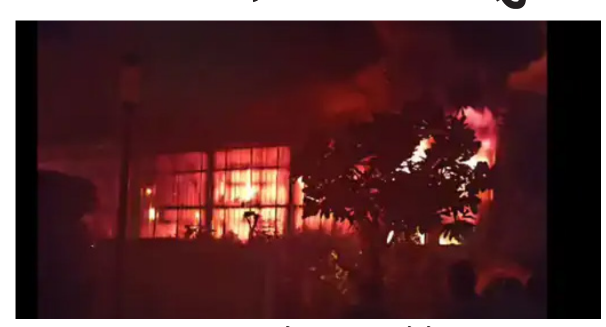

गुरुग्राम। जिले के सोहना में भीम बाग फार्म हाउस में आग लगने से लाखों रुपए की संपत्ति जल गई। इस अग्निकांड में फार्म हाउस के दो कर्मचारी झुलस गए, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद गुरुग्राम रेफर कर दिया गया है। आग लगने के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, फार्म हाउस से अचानक धुआं और आग की लपटें उठती दिखाई दीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना तत्काल अग्निशमन विभाग को दी गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। यदि समय रहते फायर ब्रिगेड की टीमें नहीं पहुंचती, तो आग आसपास के क्षेत्र में भी फैल सकती थी, जिससे बड़े नुकसान की आशंका थी। झुलसे कर्मचारियों को किया हायर सेंटर रेफर आग की चपेट में आने से फार्म हाउस में कार्यरत निजाम और आमिर के हाथ बुरी तरह झुलस गए। उन्हें पहले नागरिक अस्पताल, सोहना ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए गुरुग्राम के अस्पताल में रेफर कर दिया। फायर ब्रिगेड के अधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि सूचना मिलते ही दो गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया था। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू किया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, इस अग्निकांड में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है। आग लगने के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

फर्रुखनगर में करंट लगने से सेल्समैन की मौत

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आया, काम से शराब के ठेके की छत पर चढ़ा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले में फर्रुखनगर थाना क्षेत्र के गांव फाजिलपुर बादली में गुरुवार को एक शराब ठेके के सेल्समैन की हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान विजय मौर्य (51) के रूप में हुई है, जो उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले के मियागंज, हसनगंज का निवासी था। वह गांव फाजिलपुर बादली स्थित राजेश वाइन एजेंसी के शराब ठेके पर सेल्समैन के तौर पर कार्यरत था। काम से ठेके की छत पर चढ़ा था बताया गया है कि विजय किसी काम से ठेके की छत पर चढ़ा था। इसी दौरान वह ठेके के पास से गुजर रही हाईटेंशन बिजली लाइन की चपेट में आ गया, जिससे उसे करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही ईआरवी-253 पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फर्रुखनगर थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई कर रही है और हादसे के कारणों की पड़ताल जारी है।

गुरुग्राम में सिंथेटिक ड्रग समेत तस्कर गिरफ्तार

ग्राहक का इंतजार कर रहा था, स्कूटी जब्त; भिवानी का रहने वाला

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (HSNCB) की टीम ने एक युवक को 54 ग्राम एमडीएमए (सिंथेटिक ड्रग) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से तस्करी में इस्तेमाल की गई स्कूटी भी बरामद कर जब्त कर ली गई है। HSNCB को सूचना मिली थी कि एक युवक हीमगिरि भवन के सामने स्कूटी पर बैठकर एमडीएमए बेचने की तैयारी में है। इस सूचना के आधार पर एएसआई अजय कुमार के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने रास्ते में राहगीरों को गवाह बनाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी व्यक्ति तैयार नहीं हुआ।

भिवानी का रहने वाला है नशा तस्कर

पुलिस ने मौके पर स्कूटी नंबर एचआर-26 डीएस-8721 पर बैठे युवक को पकड़ा। पूछताछ में युवक ने अपनी पहचान अमन पुत्र सुखबीर के रूप में बताई। वह मूल रूप से गांव जाटू लोहारी, जिला भिवानी का निवासी है और वर्तमान में राजनगर, डीएवी स्कूल के पास, गुरुग्राम में रहता है। तलाशी के दौरान आरोपी की जींस की जेब से प्लास्टिक की थैली में रखा 54 ग्राम एमडीएमए बरामद हुआ। आरोपी के पास इस नशीले पदार्थ को रखने का कोई वैध लाइसेंस या परमिट नहीं था। बरामद एमडीएमए को नियमानुसार सील कर स्कूटी सहित कब्जे में ले लिया गया। पुलिस ने आरोपी अमन के खिलाफ थाना सेक्टर-10 गुरुग्राम में एनडीपीएस एक्ट की धारा 22(सी), 61 और 85 के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह नशीला पदार्थ कहां से लाया था और किन लोगों को इसकी आपूर्ति करने वाला था।

चिरायु एक्सटेंशन से मोहभंग, आठ महीने में आधे रह गए कार्डधारक

प्रात : किरण संवाददाता

फरीदाबाद। सरकार की चिरायु एक्सटेंशन योजना औद्योगिक नगरी फरीदाबाद में दम तोड़ती नजर आ रही है। 1500 रुपये के वार्षिक शुल्क पर पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा देने वाली योजना से लाभार्थियों का भरोसा लगातार उठ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि पिछले आठ महीने में सक्रिय कार्डधारकों की संख्या 50 फीसदी से कम हो गई है। हालत यह है कि पुराने कार्डधारक नवीनीकरण नहीं करा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2025 में जिले में 921 सक्रिय कार्डधारक थे, जो मई 2026 तक घटकर केवल 461 रह गए। यानी आठ महीने में करीब 50 प्रतिशत लाभार्थियों ने योजना से किनारा कर लिया। सरकार ने मध्य आय वर्ग के परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा देने के उद्देश्य से चिरायु एक्सटेंशन योजना शुरू की थी, लेकिन जिले में यह उद्देश्य पूरा होता नहीं दिख रहा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि लोगों का भरोसा इसलिए कम हो रहा है क्योंकि कार्ड होने के बावजूद जरूरत पड़ने पर मनचाहा इलाज नहीं मिल पाता। कई महत्वपूर्ण इलाज पैकेज केवल सरकारी अस्पतालों के लिए आरक्षित हैं। ऐसे में निजी अस्पतालों में विकल्प सीमित रह जाते हैं। जिले में सात लाख से अधिक है आयुष्मान कार्ड धारक गौरतलब है कि जिले में आयुष्मान-चिरायु और आयुष्मान वयोवंदना योजना के तहत 7.20 लाख से अधिक कार्डधारक हैं, लेकिन इनके इलाज के लिए केवल 44 अस्पताल ही सूचीबद्ध हैं। 25 लाख से अधिक आबादी वाले औद्योगिक जिले के लिए यह संख्या बेहद कम है।

14 साल पुराने मामले में हत्या के प्रयास का आरोप तय

फरीदाबाद। करीब 14 वर्ष पुराने घर में घुसकर मारपीट और फायरिंग के मामले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश सुरेंद्र कुमार की अदालत ने चार अगस्त को कृष्ण कुमार, नरेश, कपिल, ओमकार और मनीष उर्फ मनी के खिलाफ हत्या के प्रयास समेत विभिन्न धाराओं में आरोप तय कर दिए हैं। अदालत ने आरोपी कपिल पर आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत भी आरोप तय किया है। सभी आरोपियों ने आरोपों से इनकार करते हुए मुकदमे का सामना करने की बात कही। अदालत ने अभियोजन साक्ष्य के लिए एक सितंबर की तारीख निर्धारित की है। दो दिसंबर 2012 को बल्लभगढ़ की भगत सिंह कॉलोनी निवासी राजकुमार उर्फ राजू ने शिकायत दी थी कि एक दिन पहले गली बंद करने को लेकर हुए विवाद के बाद अगले दिन कपिल अपने साथियों के साथ उनके घर में घुस आया। आरोप है कि आरोपियों ने राजकुमार, उनकी पत्नी इंद्रेश और बेटे हेमंत से डंडों से मारपीट की। इसी दौरान कपिल ने देसी पिस्तौल से राजकुमार पर गोली चलाई। राजकुमार जमीन पर झुक गए, जिससे गोली उन्हें नहीं लगी। आरोपी मौके से भाग गए और घटनास्थल पर देसी पिस्तौल व एक खोखा बरामद हुआ।

गुरुग्राम में वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी तेज बारिश से बिगड़े शहर के हालात

एक्सप्रेस-वे, मुख्य चौराहों और सर्विस लेन पर जलभराव

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम । में शुक्रवार की सुबह से लगातार हो रही तेज बारिश के कारण हालात बिगड़ गए हैं। कई जगहों पर घुटनों तक पानी भर जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी निजी कंपनियों और कॉरपोरेट ऑफिसों के लिए वर्क फ्रॉम होम की एडवाइजरी जारी की है, ताकि सड़कों पर ट्रैफिक के दबाव को कम किया जा सके। बारिश के चलते राजीव चौक, इफको चौक, सोहना रोड और दिल्ली-गुरुग्राम एक्सप्रेस-वे समेत तमाम मुख्य चौराहों और सर्विस लेन पर जलभराव हो गया है। पानी में गाड़ियां डूबने और खराब होने के कारण सुबह से ही सड़कों पर जाम की स्थिति है। सुबह ऑफिस के टाइम यह स्थिति और बिगड़ गई। वाहन रेंग-रेंग कर चल रहे हैं। सुबह से हो रही बारिश के चलते बड़ा फैसला लिया गया है। शहर में जगह-जगह हुए भारी जलभराव और गंभीर प्रशासनिक स्थिति को देखते हुए आज होने वाली गुरुग्राम नगर निगम हाउस की महत्वपूर्ण बैठक को स्थगित कर दिया गया है। लगातार हो रही बारिश के कारण चारों तरफ पानी भर गया है, जिससे पार्षदों और अधिकारियों का बैठक में पहुंचना बेहद मुश्किल था। इसके अलावा, सभी निगम अधिकारियों और कर्मचारियों को फील्ड में उतरकर जलभराव की स्थिति से निपटने और ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। स्थिति सामान्य होने के बाद बैठक की नई तारीख घोषित की जाएगी।

ट्रैफिक पुलिस की टीमें मैदान में

यातायात व्यवस्था को संभालने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तमाम टीमें फील्ड में उतर चुकी हैं। पुलिसकर्मी मुस्तैदी से जलभराव वाले इलाकों से वाहनों को निकालने और जाम खुलवाने का प्रयास कर रहे हैं। पुलिस ने सोशल मीडिया के जरिए लोगों को अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करने की अपील की है। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी रखा है।

जीएमडीए के कलाकार अधिकारी

जीएमडीए के अधिकारियों की बड़ी लापरवाही सामने आई है। भारी बारिश के बीच सेक्टर-69 स्थित ट्यूलिप वॉयलेट के ठीक सामने बरसाती नाला खोद दिया गया, जो अब लोगों के लिए जानलेवा बन चुका है।इस गलत फैसले के कारण पूरी सड़क पर गहरा कीचड़ फैल गया है, जिसमें सुबह से कई गाड़ियां और दुपहिया वाहन फंस चुके हैं। स्थानीय निवासी बेहद परेशान हैं और हादसों का डर बना हुआ है। लोगों का कहना है कि मानसून में खुदाई करने वाले इन ह्यदिमाग रहितह्न अधिकारियों को बुनियादी ट्रेनिंग या समझ की सख्त जरूरत है, ताकि जनता को इस तरह की प्रशासनिक नाकामी न झेलनी पड़े। एक महिला ने वीडियो बनाकर अधिकारियों की लापरवाही को सामने लाया

न ड्रेनेज सिस्टम, न जनप्रतिनिधियों को परवाह

पूर्व अधिकारी जगमोहन उप्पल का कहना है कि आधुनिकता की चमक के पीछे गुरुग्राम में नागरिक सुविधाओं का बुरा हाल है। सालों से ठप पड़े ड्रेनेज सिस्टम के कारण हल्की बारिश में भी सड़कें टापू बन जाती हैं। गड्ढों और मलबे से भरी टूटी सड़कें यहां आम बात हो चुकी हैं, जिससे हर दिन राहगीर हादसों का शिकार हो रहे हैं। विडंबना यह है कि जनता की समस्याओं को दूर करने के लिए जिम्मेदार सांसद, विधायक, पार्षद और प्रशासनिक अधिकारी पूरी तरह निष्क्रिय हैं।

फर्रुखनगर में चलती कार में लगी आग

ड्राइवर ने बाहर निकलकर बचाई जान, पटौदी से मेरठ जा रहा, केएमपी एक्सप्रेसवे पर हुआ हादसा

प्रात : किरण संवाददाता

गुरुग्राम। जिले के फर्रुखनगर में केएमपी एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि ड्राइवर ने समय रहते कार से बाहर निकलकर अपनी जान बचा ली, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। कार पूरी तरह जल गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना 5-6 अगस्त की रात सुल्तानपुर टोल से लगभग एक किलोमीटर पहले हुई। आग महिंद्रा एक्सयूवी 3 एक्सओ डीजल कार में लगी थी। पटौदी के वार्ड नंबर-11, व्यापारी मोहल्ला निवासी मुरसलीम कार चला रहे थे। वह पटौदी से मेरठ जा रहे थे। पुलिस ने मौके पर पहुंच जुटाई जानकारी आग लगते ही मुरसलीम ने तुरंत कार रोकी और बाहर निकल गए। देखते ही देखते कुछ ही देर में पूरी कार आग की लपटों में घिर गई और पूरी तरह जल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी जुटाई। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी बताया जा रहा है। पुलिस मामले में आवश्यक कार्रवाई कर रही है।

ट्रक से 19.10 लाख का माल गायब करने वाला इनामी आरोपी बिहार जेल से गिरफ्तार

फरीदाबाद। तीन साल पहले ट्रक से 19.10 लाख का माल गायब करने के मामले में अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने पांच हजार के इनामी आरोपी नईम निवासी गांव सतपुतियाका, जिला नूंह को बिहार की अररिया जेल से 5 अगस्त को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर गिरफ्तार किया है। आरोपी वर्ष 2023 में हुई वारदात के बाद से गायब था और बिहार में इसी तरह के एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में बंद था। पुलिस ने उसे दो दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। उसकी निशानदेही पर वारदात में प्रयुक्त कार भी बरामद की गई है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार, सेक्टर-21सी निवासी हिमांशु शर्मा की शिकायत पर थाना सेक्टर-58 में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। शिकायत में बताया गया था कि उनकी ट्रांसपोर्ट कंपनी का ट्रक 18 जून 2023 को मानेसर स्थित एक ई-कॉमर्स कंपनी के वेयरहाउस से मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान लेकर हैदराबाद के लिए रवाना हुआ था। 21 जून को माल की डिलीवरी के बाद ट्रक वापस लौट आया, लेकिन 27 जून को कंपनी की ओर से सूचना मिली कि डिलीवर किए गए माल में 19,10,886 रुपये मूल्य के करीब 100 मोबाइल फोन और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान कम है। जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों और अन्य तथ्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान की। मुख्य आरोपी नईम पर पांच हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस को पता चला कि वह बिहार के अररिया जिले में दर्ज एक मामले में जेल में बंद है। इसके बाद उसे प्रोडक्शन वारंट पर फरीदाबाद लाकर गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने पहले ट्रक चालक और परिचालक से दोस्ती कर उन्हें पैसों का लालच दिया। इसके बाद वह अपने साथियों के साथ कार से ट्रक के पीछे-पीछे तेलंगाना तक गया। सुनसान स्थान पर ट्रक रुकवाकर उसमें से करीब 100 मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान निकालकर कार में रख लिया गया। पुलिस के अनुसार, इस मामले में ट्रक चालक आबिद, परिचालक यासिर सहित अब तक नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

अकेला देखकर प्रॉपर्टी डीलर का उसी की कार में किया था अपहरण दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेंट्रल की टीम ने प्रॉपर्टी डीलर का अपहरण और लूटपाट के मामले में दो आरोपियों को मंगलवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान हेमंत उर्फ अन्नू (24) और राजा (18) निवासी गांव चौंडेरा, बुलंदशहर, हाल निवासी बसेलवा कॉलोनी, फरीदाबाद के रूप में हुई है। दोनों आरोपी आपस में चचेरे भाई हैं और डिलीवरी बॉय का काम करते हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को लगभग दो घंटे तक उसी की कार में अपहरण कर घुमाते रहे और गमछे से गर्दन दबाकर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने इस मामले के तीसरे आरोपी की भी पहचान कर ली है, जिसे जल्द गिरफ्तार करने का दावा किया गया है। पुलिस प्रवक्ता यशपाल के अनुसार, भारत कॉलोनी निवासी अमरेश पाठक प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते हैं। 26 जुलाई की रात वह अपनी कार से जा रहे थे। रास्ते में खड्डा कॉलोनी के पास जैसे ही वह कार रोककर नीचे उतरे, वहां से गुजर रहे आरोपियों ने उन्हें अकेला देखा। उसी वक्त तीनों बदमाशों ने मौका पाते ही अमरेश पाठक को जबरन पकड़ लिया और उनकी ही कार की पिछली सीट पर खींचकर बैठा दिया।

बेकाबू ट्रक ने 10 गायों को कुचला, 6 की मौत

फरीदाबाद में लोगों ने ट्रक में लगाई आग, ड्राइवर को पकड़ कर पुलिस का सौंपा

प्रात : किरण संवाददाता

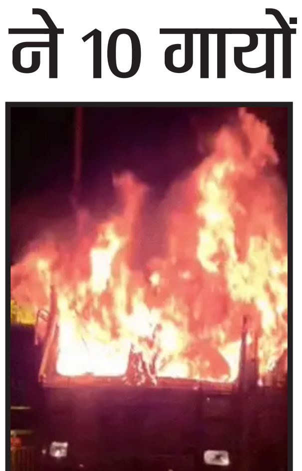

फरीदाबाद। के सेक्टर-18 ओल्ड रोड पर बुधवार रात एक तेज रफ्तार ट्रक ने सड़क किनारे बैठी करीब 10 गायों को कुचल दिया। छह गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार गाय गंभीर रूप से घायल हो गईं। सड़क पर तड़पती गायों का मंजर देखकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। आक्रोशित लोगों ने दुर्घटना करने वाले ट्रक में आग लगा दी। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। ट्रक ड्राइवर को लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सभी गाय सड़क के एक किनारे बैठी हुई थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक सीधे उनके ऊपर चढ़ गया। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। कई गाय सड़क पर तड़प रही थीं, जबकि छह गायों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और गौ सेवक घटनास्थल पर पहुंच गए। गोरक्षा दल के सदस्य गोपाल शर्मा ने बताया कि उन्हें स्थानीय लोगों ने सूचना दी थी कि सेक्टर-18 ओल्ड रोड पर एक ट्रक ने कई गायों को टक्कर मार दी है। जब उनकी टीम मौके पर पहुंची तो वहां का दृश्य बेहद दर्दनाक था। छह गायों की मौत हो चुकी थी, जबकि चार गाय गंभीर रूप से घायल थीं। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से उपचार के लिए गोशालाओं में भेजा गया। वहीं मृत गायों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए पशु चिकित्सालय भेजा गया है। गोपाल शर्मा ने आरोप लगाया कि ट्रक ड्राइवर तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था और उन्हें शक है कि वह नशे की हालत में भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि यदि ड्राइवर सतर्क होता तो इतनी बड़ी दुर्घटना नहीं होती। उन्होंने दोषी ड्राइवर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि इस तरह की लापरवाही किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। दूसरी ओर, हादसे से नाराज स्थानीय लोगों का गुस्सा इतना बढ़ गया कि उन्होंने दुर्घटना करने वाले ट्रक में आग लगा दी। देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा। घटना की सूचना मिलते ही ओल्ड थाना पुलिस मौके पर पहुंची और भीड़ को शांत कराने का प्रयास किया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद ट्रक में लगी आग पर काबू पाया गया। ओल्ड थाना प्रभारी विष्णु ने बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि अंधेरा होने के कारण ट्रक ड्राइवर को सड़क किनारे बैठी गाय दिखाई नहीं दीं, जिससे यह हादसा हुआ। हादसे के बाद कुछ लोगों ने ट्रक में आग लगा दी। पुलिस ने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है और पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना के कारणों की हर पहलू से जांच की जा रही है। यदि जांच में चालक की लापरवाही, नशे में वाहन चलाने या किसी अन्य प्रकार की गलती सामने आती है, तो उसके खिलाफ नियमानुसार सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

गुरुग्राम में विवाहिता की मौत, कॉल पर बोलीं-पति ने पीटा

मरने से 15 मिनट पहले रोते हुए मां को फोन किया; पति कोचिंग सेंटर में टीचर

गुरुग्राम । में विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत से 15 मिनट पहले ही मृतका खुशबू ने मां को फोन कर कहा था- हिमांशु (पति) मुझे पीट रहा है। मायके वालों को खुशबू का शव आर्टिमिस अस्पताल में मिला। खुशबू के पिता का कहना है कि ससुराल में बेटी को प्रताड़ित किया जाता था। सास और ननद मिलकर उसे पीटती थी। कई बार उसे कम दहेज लाने के लिए ताने भी दिए गए। कई बार समझौता कराने के बाद भी लगातार परेशान किया गया। हिमांशु गुरुग्राम में ही एक कोचिंग सेंटर में टीचर था। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर पति, सास और ननद के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

यूपी से आकर गुरुग्राम रहा परिवार

मृतका खुशबू मूल रूप से यूपी के चंदौली के दुलहीपुर गांव की रहने वाली थी। खुशबू की सेक्टर-39 के झाड़सा निवासी हिमांशु से दिसंबर 2022 में शादी हुई थी। हिमांशु भी मूल रूप से वाराणसी के रहने वाले हैं। खुशबू के पिता अरविंद गुप्ता ने बताया कि शादी के कुछ दिन बाद ही ससुराल पक्ष ने उसे परेशान करना शुरू कर दिया था। उन्होंने कई बार समझौता कराने का भी प्रयास किया, मगर खुशबू के साथ प्रताड़ना बंद नहीं हुई।

उच्च शिक्षा परिसरों में एचआईवी के बढ़ते मामले: अब चुप्पी नहीं, संवाद जरूरी

डॉ. सत्यवान सौरभ

देश का भविष्य उसके युवा तय करते हैं और युवा शक्ति का सबसे बड़ा केंद्र हमारे विद्यालय, महाविद्यालय और विश्वविद्यालय हैं। ऐसे में यदि किसी राज्य से यह समाचार सामने आए कि बड़ी संख्या में विद्यार्थी एचआईवी (लक्ष्र) संक्रमण से प्रभावित पाए गए हैं और सरकार को उच्च शिक्षा संस्थानों में व्यापक जांच अभियान चलाने का निर्णय लेना पड़ा है, तो यह केवल स्वास्थ्य विभाग का विषय नहीं रह जाता। यह शिक्षा, समाज, परिवार, नीति-निर्माताओं और पूरे राष्ट्र के लिए गंभीर चेतावनी है। यह समय भय फैलाने का नहीं, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण, संवेदनशीलता और व्यापक जागरूकता के साथ इस चुनौती का सामना करने का है। एचआईवी यानी ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर हमला करता है। यदि समय पर जांच और उपचार न मिले तो यह एड्स (अक्क्ष) जैसी गंभीर अवस्था तक पहुंच सकता है। हालांकि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति ने इसे अब एक नियंत्रित बीमारी बना दिया है। एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (अफ्क) की सहायता से संक्रमित व्यक्ति सामान्य और लंबा जीवन जी सकता है। इसलिए सबसे महत्वपूर्ण है समय पर पहचान, नियमित उपचार और संक्रमण की रोकथाम। युवाओं में एचआईवी संक्रमण की खबर कई गंभीर प्रश्न खड़े करती है। क्या हमारे शैक्षणिक संस्थानों में स्वास्थ्य और यौन शिक्षा पर्याप्त है? क्या युवाओं को सुरक्षित व्यवहार, संक्रमण के कारणों और बचाव के उपायों की वैज्ञानिक जानकारी मिल रही है? क्या परिवार और समाज इस विषय पर खुलकर संवाद करने को तैयार हैं? यदि इन प्रश्नों का उत्तर नहीं है, तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि समस्या केवल स्वास्थ्य की नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक सोच और शिक्षा व्यवस्था की भी है। भारतीय समाज में आज भी यौन स्वास्थ्य पर खुलकर बात करना सहज नहीं माना जाता। माता-पिता संकोच करते हैं, शिक्षक कई बार इस विषय से बचते हैं और विद्यार्थी अधूरी या भ्रामक जानकारी इंटरनेट अथवा मित्रों से प्राप्त करते हैं। परिणामस्वरूप मिथक, भ्रांतियां और गलत निर्णय जन्म लेते हैं। जबकि वैज्ञानिक जानकारी ही इस बीमारी से बचाव का सबसे प्रभावी माध्यम है। यह समझना भी आवश्यक है कि एचआईवी संक्रमण केवल असुरक्षित यौन संबंधों से ही नहीं, बल्कि संक्रमित रक्त चढ़ाने, संक्रमित सुई के प्रयोग तथा संक्रमित मां से शिशु तक भी फैल सकता है। वहीं हाथ मिलाने, साथ बैठने, भोजन साझा करने, गले मिलने, छींकने या मच्छर के काटने से एचआईवी नहीं फैलता। दुर्भाग्य से आज भी समाज का एक बड़ा वर्ग इन तथ्यों से अनभिज्ञ है। यही अज्ञानता संक्रमित व्यक्तियों के प्रति भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार को जन्म देती है। उच्च शिक्षा संस्थानों में अध्ययनरत युवा जीवन के ऐसे दौर में होते हैं जहां स्वतंत्रता, जिज्ञासा और नए अनुभवों का विस्तार होता है। ऐसे में उन्हें सही दिशा देना केवल परिवार का नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों और सरकार की भी जिम्मेदारी है। प्रत्येक कॉलेज और विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य परामर्श केंद्र, प्रशिक्षित काउंसलर, गोपनीय जांच सुविधा और नियमित जागरूकता कार्यक्रम होने चाहिए। विद्यार्थियों को यह भरोसा मिलना चाहिए कि यदि वे किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या के साथ आगे आते हैं, तो उनकी निजता और सम्मान पूरी तरह सुरक्षित रहेगा। यदि किसी राज्य ने उच्च शिक्षा संस्थानों में एचआईवी जांच अभियान शुरू करने का निर्णय लिया है, तो इसका उद्देश्य केवल संक्रमित व्यक्तियों की पहचान करना नहीं होना चाहिए। इसके साथ परामर्श, मानसिक स्वास्थ्य सहायता, उपचार और जागरूकता को समान महत्व देना होगा। जांच तभी सफल होगी जब विद्यार्थी इसे भय या शर्म के बजाय स्वास्थ्य सुरक्षा का सामान्य कदम मानें। मीडिया की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। किसी भी आंकड़े या घटना को सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत करने से समाज में भय और भ्रम पैदा होता है। इसके विपरीत यदि मीडिया वैज्ञानिक तथ्यों, विशेषज्ञों की राय और जागरूकता पर आधारित संवाद को बढ़ावा दे, तो समाज अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बन सकता है। बीमारी को अपराध या चरित्र से जोड़कर देखने की प्रवृत्ति को समाप्त करना भी आवश्यक है। आज नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी चिंता का विषय है।

मुआवजे में उलझ कर रह गई विकास की राह

अंकि कुमारी

गांव तक सड़क पहुंचना केवल विकास की एक परियोजना नहीं, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सुरक्षित आवागमन तक पहुंच का रास्ता है। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना का उद्देश्य भी ग्रामीण बस्तियों को हर मौसम में चलने योग्य सड़कों से जोड़ना है। बिहार में इस दिशा में लंबे समय से काम हुआ है और बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों का निर्माण भी हुआ है। ग्रामीण विकास मंत्रालय के उपलब्ध आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, बिहार में इसके तहत 52,095.37 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा हो चुका था, जबकि 3,439.10 किलोमीटर सड़क निमार्णाधीन थी. ये आंकड़े बताते हैं कि राज्य में ग्रामीण सड़क संपर्क के विस्तार की दिशा में व्यापक काम हुआ है, लेकिन किसी योजना की सफलता का आकलन केवल किलोमीटर में बनी सड़कों से नहीं किया जा सकता। असली सवाल यह है कि क्या सड़क आखिरी घर तक पहुंची है और क्या वह पूरे साल लोगों के उपयोग के लायक है। राज्य के कुछ गांव ऐसे हैं जहां आज भी पक्की सड़क गांव के भीतर तक नहीं पहुंच सकी है। इसके पीछे हर बार प्रशासनिक उदासीनता या बजट की कमी ही जिम्मेदार हो, यह जरूरी नहीं। कई बार विकास और निजी जमीन के अधिकार के बीच पैदा हुआ विवाद भी सड़क को रोक देता है। सीतामढ़ी के ललितपुर गांव की स्थिति इसी जटिलता की ओर इशारा करती है। इस गांव के अंदर पक्की सड़क पहुंचाने की राह में कुछ लोगों की निजी जमीन आ रही है। सरकार की ओर से जमीन के बदले मुआवजा देने की व्यवस्था है, लेकिन जमीन मालिकों का कहना है कि उन्हें मिलने वाला मुआवजा जमीन के वास्तविक बाजार मूल्य की तुलना में कम है। इसी असहमति के कारण वे सड़क निर्माण के लिए अपनी जमीन देने को तैयार नहीं हैं। पक्की सड़क न होने का सबसे बड़ा असर बारिश के दिनों में दिखाई देता है। कच्चे रास्ते पर पानी और कीचड़ जमा होने के बाद पैदल चलना भी कठिन हो जाता है। ऐसे समय में एम्बुलेंस या दूसरी गाड़ियों का गांव के अंदर पहुंचना मुश्किल हो जाता है। बीमारी या प्रसव जैसी आपात स्थिति में यह समस्या परिवार के लिए गंभीर संकट बन सकती है। सड़क की कमी का असर केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता। परिवार के किसी सदस्य को उसे मुख्य सड़क तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त समय और श्रम लगाना पड़ सकता है। सड़क की समस्या का एक और कम दिखाई देने वाला असर किशोरियों की शिक्षा पर पड़ता है। गांव की किशोरियों के लिए स्कूल तक पहुंचना केवल दूरी का मामला नहीं है। रास्ते की स्थिति, मौसम, परिवहन की उपलब्धता और परिवार की सुरक्षा संबंधी चिंता भी उनकी नियमित पढ़ाई को प्रभावित करती है। जब रास्ता खराब होता है तो स्कूल जाने और लौटने में अधिक समय लगता है। बारिश में कीचड़ और जलभराव के कारण अकेले निकलना कठिन हो जाता है। परिवार कई बार किशोरी को ऐसे रास्ते से भेजने में हिचकिचाता है, खासकर तब जब स्कूल गांव से बाहर हो। नतीजा यह हो सकता है कि कुछ दिनों की अनुपस्थिति धीरे-धीरे पढ़ाई से दूरी में बदल जाए। यह समस्या इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण किशोरियों के लिए शिक्षा का हर अतिरिक्त वर्ष उनके भविष्य के विकल्पों को बढ़ाता है। स्कूल तक पहुंचने में कठिनाई केवल आज की परेशानी नहीं है। इसका संबंध आगे की पढ़ाई, कौशल प्रशिक्षण, रोजगार और सार्वजनिक जीवन में उनकी भागीदारी से भी है। जब खराब सड़क के कारण किसी किशोरी की आवाजाही सीमित होती है, तो उसके अवसर भी सीमित हो सकते हैं। दूसरी ओर गांव में बेहतर सड़क होने पर स्कूल, बाजार, स्वास्थ्य केंद्र और सार्वजनिक परिवहन तक पहुंच आसान होती है। इससे परिवारों को भी किशोरियों की शिक्षा जारी रखने का अधिक भरोसा मिलता है।

यूजीसी नियमों का विवाद, करणी सेना का आंदोलन और राजस्थान की चुनावी राजनीति

आयोग का तर्क था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से मौजूद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और कठोर बनाया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए नियम अधिसूचित किए गए। हालांकि इन नियमों को अधिसूचित किए जाने के तुरंत बाद कई पक्षों ने इन्हें चुनौती दी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2012 के पुराने नियम ही लागू हैं। इसके बावजूद करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का कहना है कि केवल न्यायालय की अंतरिम रोक पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि यदि भविष्य में न्यायालय यह रोक हटा देता है तो ये नियम स्वतः प्रभावी हो जाएंगे। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार स्वयं इन नियमों को पूरी तरह वापस ले। विरोध करने वाले संगठनों की मुख्य आपत्ति यह है कि नए नियमों में शिकायत दर्ज होते ही सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना अधिक है और झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी छात्र पर बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई होती है और उसके प्रवेश, पढ़ाई या भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा।

कांतिलाल मांडोत
(लेखक)

राजस्थान की राजनीति एक बार फिर ऐसे मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है, जहां शिक्षा से जुड़ा एक प्रशासनिक और कानूनी मुद्दा अब सामाजिक और राजनीतिक विमर्श का केंद्र बन गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव रोकने के उद्देश्य से अधिसूचित नए नियमों के विरोध में श्री राजपूत करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का आंदोलन लगातार तेज हो रहा है। जयपुर में निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस लाठीचार्ज, एक प्रदर्शनकारी की मौत के आरोप और उसके बाद उपजे आक्रोश ने इस विवाद को और अधिक संवेदनशील बना दिया है। यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब राजस्थान में पंचायतीराज और शहरी निकाय चुनाव निकट हैं। इसलिए इस आंदोलन को केवल एक शैक्षणिक नीति के विरोध तक सीमित नहीं देखा जा रहा, बल्कि इसके राजनीतिक प्रभावों पर भी व्यापक चर्चा हो रही है। यूजीसी ने नए नियमों का उद्देश्य विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के साथ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकना तथा उन्हें सुरक्षित और समान वातावरण उपलब्ध कराना बताया था। आयोग का तर्क था कि उच्च शिक्षा संस्थानों में भेदभाव और उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने के लिए पहले से मौजूद व्यवस्था को अधिक प्रभावी और कठोर बनाया जाना आवश्यक है। इसी सोच के साथ नए नियम अधिसूचित किए गए। हालांकि इन नियमों को अधिसूचित किए जाने के तुरंत बाद कई पक्षों ने इन्हें चुनौती दी और मामला सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंच गया। जनवरी 2026 में सर्वोच्च न्यायालय ने इन नियमों के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। वर्तमान में विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में वर्ष 2012 के पुराने नियम ही लागू हैं। इसके बावजूद करणी सेना और अन्य सवर्ण संगठनों का कहना है कि केवल न्यायालय की अंतरिम रोक पर्याप्त नहीं है। उनका तर्क है कि यदि भविष्य में न्यायालय यह रोक हटा देता है तो ये नियम स्वतः प्रभावी हो जाएंगे। इसलिए उनकी मांग है कि सरकार स्वयं इन नियमों को पूरी तरह वापस ले। विरोध करने वाले संगठनों की मुख्य आपत्ति यह है कि नए नियमों में शिकायत दर्ज होते ही सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के खिलाफ कार्रवाई की संभावना अधिक है और झूठी अथवा दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से बचाव के पर्याप्त प्रावधान नहीं किए गए हैं। उनका कहना है कि यदि किसी छात्र पर बिना निष्पक्ष जांच के कार्रवाई होती है और उसके प्रवेश, पढ़ाई या भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, तो उसकी भरपाई कौन करेगा। साथ ही उनका यह भी आरोप है कि झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई का स्पष्ट प्रावधान नहीं है। इसी आधार पर करणी सेना ने इन नियमों की तुलना अंग्रेजों के दौर के रोलेट एक्ट से करते हुए कहा कि इसमें आरोपित व्यक्ति को पर्याप्त अवसर नहीं मिलता। दूसरी ओर, इन नियमों के समर्थकों का मानना है कि उच्च शिक्षण संस्थानों में सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों के विद्यार्थियों को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना राज्य और संस्थानों की जिम्मेदारी है। उनका कहना है कि यदि भेदभाव की घटनाओं को रोकने के लिए सख्त नियम नहीं होंगे तो समान अवसर और सामाजिक न्याय का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। इस प्रकार यह विवाद केवल कानूनी नहीं बल्कि सामाजिक दृष्टिकोण और अधिकारों की अलग-अलग व्याख्याओं का भी विषय बन गया है। जयपुर में करणी सेना द्वारा निकाले गए विरोध मार्च के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव ने इस पूरे आंदोलन को नया मोड़ दे दिया। प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए पुलिस ने बल प्रयोग किया और उसके बाद एक कार्यकर्ता देवराज सिंह पलाड़ा की अस्पताल में मृत्यु की खबर सामने आई। आंदोलनकारी संगठनों ने इसे प्रशासनिक कार्रवाई से जोड़ते हुए सरकार के खिलाफ तीखा विरोध शुरू कर दिया। इसके बाद जयपुर बंद, मुख्यमंत्री आवास के घेराव और राज्यव्यापी आंदोलन की चेतावनी भी दी गई। इस घटना ने आंदोलन को केवल यूजीसी नियमों तक सीमित नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सरकार के प्रति असंतोष के रूप में भी प्रस्तुत किया जाने लगा। राजस्थान की राजनीति में सवर्ण समाज, विशेष रूप से राजपूत समुदाय, लंबे समय से प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। भारतीय जनता पार्टी को परंपरागत रूप से इस वर्ग का महत्वपूर्ण समर्थन प्राप्त होता रहा है। ऐसे में यदि इस वर्ग में असंतोष बढ़ता है तो उसका असर पंचायत और निकाय चुनावों पर पड़ सकता है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि स्थानीय चुनावों में सामाजिक समीकरण अधिक प्रभावी होते हैं और ऐसे मुद्दे मतदाताओं की भावनाओं को प्रभावित कर सकते हैं। राजनीतिक जानकार इस घटनाक्रम की तुलना पूर्व में आनंदपाल एनकाउंटर के बाद उत्पन्न राजनीतिक परिस्थितियों से भी कर रहे हैं, जब राजपूत समाज के एक हिस्से में सरकार के प्रति नाराजगी देखने को मिली थी। उस समय भी यह माना गया था कि यदि समय रहते संवाद और विश्वास बहाली के प्रयास नहीं किए गए तो राजनीतिक नुकसान हो सकता है। वर्तमान परिस्थितियों में भी कई राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ संवाद स्थापित करने की होगी। इस आंदोलन की टाइमिंग भी चर्चा का विषय बनी हुई है। दिल्ली में हाल के छात्र आंदोलनों के बाद अब यूजीसी नियमों को लेकर राजस्थान में आंदोलन तेज होना कई राजनीतिक संकेत देता है। करणी सेना ने इस मुद्दे को केवल एक संगठनात्मक अभियान नहीं रहने दिया, बल्कि इसे सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और भविष्य से जोड़कर प्रस्तुत करने का प्रयास किया है। यदि यह अभियान अन्य राज्यों में भी गति पकड़ता है तो यह राष्ट्रीय स्तर पर भी राजनीतिक विमर्श का विषय बन सकता है। करणी सेना की मांग है कि यूजीसी के नए नियम पूरी तरह वापस लिए जाएं, जातीय उत्पीड़न की शिकायतों की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए, झूठी शिकायत करने वालों के खिलाफ भी समान रूप से कठोर कार्रवाई का प्रावधान हो तथा सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों के अधिकारों और संरक्षण के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाए जाएं।

यूजीसी बिल और बुलडोजर की राजनीति ने बदला क्या बिहार का चुनावी समीकरण?

कुछ शिक्षाविदों, छात्र संगठनों तथा सामाजिक समूहों ने इसका समर्थन किया तो कुछ ने विरोध भी किया। विरोध करने वाले कुछ वर्गों का मानना था कि प्रस्तावित बदलावों से अवसरो की समानता और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर असर पड़ सकता है। इसी दौरान कुछ सवर्ण संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नीति निर्माण में उनकी चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। उनका कहना था कि सरकार को सभी वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए था ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव की भावना पैदा न हो। हालांकि सरकार की ओर से ऐसे आरोपों को स्वीकार नहीं किया गया, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल नीति बनाना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि उसके प्रति लोगों के विश्वास का निर्माण भी उतना ही आवश्यक माना जाता है। लोकतंत्र में कई बार वास्तविकता से अधिक प्रभाव धारणा का होता है। यदि किसी समुदाय को यह महसूस होने लगे कि उसकी चिंताओं को नहीं सुना जा रहा है, तो वह भावना चुनावी व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि राजनीतिक दल लगातार संवाद, जनसंपर्क और विश्वास निर्माण पर जोर देते हैं। कई बार छोटे-छोटे मुद्दे भी बड़े चुनावी विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं।

जितेन्द्र कुमार सिन्हा
(लेखक)

राजनीति केवल घोषणाओं और नारों से नहीं चलती, बल्कि जनता की धारणा, विश्वास और मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया भी चुनावी परिणामों को गहराई से प्रभावित करती है। किसी भी सरकार का निर्णय यदि समाज के किसी वर्ग में असंतोष या असुरक्षा की भावना पैदा करता है, तो उसका प्रभाव केवल उस वर्ग तक सीमित नहीं रहता बल्कि व्यापक राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन जाता है। हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों में दो ऐसे मुद्दे प्रमुखता से चर्चा में रहे हैं। पहला- यूजीसी से जुड़े प्रस्तावित विधायी बदलावों को लेकर उठी बहस और दूसरा- बुलडोजर कार्रवाई को लेकर बनने वाली राजनीतिक धारणा। इन दोनों विषयों ने अलग-अलग सामाजिक वर्गों में अलग-अलग प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की। एक ओर कुछ सवर्ण संगठनों और बुद्धिजीवियों ने यूजीसी बिल के कुछ प्रावधानों को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज कराईं, वहीं दूसरी ओर बुलडोजर कार्रवाई की राष्ट्रीय बहस ने मुस्लिम मतदाताओं के बीच आशंकाओं को जन्म दिया। यूजीसी से जुड़े प्रस्तावित बदलावों पर देशभर में विभिन्न स्तरों पर चर्चा हुई। कुछ शिक्षाविदों, छात्र संगठनों तथा सामाजिक समूहों ने इसका समर्थन किया तो कुछ ने विरोध भी किया। विरोध करने वाले कुछ वर्गों का मानना था कि प्रस्तावित बदलावों से अवसरो की समानता और प्रतिनिधित्व जैसे मुद्दों पर असर पड़ सकता है। इसी दौरान कुछ सवर्ण संगठनों ने यह भी आरोप लगाया कि नीति निर्माण में उनकी चिंताओं को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया है। उनका कहना था कि सरकार को सभी वर्गों के साथ संवाद स्थापित करना चाहिए था ताकि किसी भी प्रकार के भेदभाव की भावना पैदा न हो। हालांकि सरकार की ओर से ऐसे आरोपों को स्वीकार नहीं किया गया, लेकिन लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल नीति बनाना ही पर्याप्त नहीं होता है, बल्कि उसके प्रति लोगों के विश्वास का निर्माण भी उतना ही आवश्यक माना जाता है। लोकतंत्र में कई बार वास्तविकता से अधिक प्रभाव धारणा का होता है। यदि किसी समुदाय को यह महसूस होने लगे कि उसकी चिंताओं को नहीं सुना जा रहा है, तो वह भावना चुनावी व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि राजनीतिक दल लगातार संवाद, जनसंपर्क और विश्वास निर्माण पर जोर देते हैं। कई बार छोटे-छोटे मुद्दे भी बड़े चुनावी विमर्श का हिस्सा बन जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों में देश के विभिन्न राज्यों में अवैध निमार्णों और अपराध के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय रही है। इन कार्रवाइयों के समर्थकों का कहना है कि कानून का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई आवश्यक है। वहीं आलोचकों का तर्क है कि ऐसी कार्रवाई हमेशा विधिक प्रक्रिया, न्यायालय के आदेशों और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप होनी चाहिए तथा किसी भी व्यक्ति के साथ कानून के समक्ष समान व्यवहार होना चाहिए। इसी बहस के बीच कई राजनीतिक दलों ने बुलडोजर कार्रवाई को चुनावी मुद्दा भी बनाया। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि जब किसी राज्य में बुलडोजर कार्रवाई की चर्चा बढ़ती है, तो मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से में आशंका की भावना उत्पन्न हो सकती है कि ऐसी कार्रवाई उनके विरुद्ध अधिक हो सकती है। दूसरी ओर, इस धारणा से सभी मुस्लिम मतदाता सहमत हो, ऐसा कहना भी उचित नहीं होगा क्योंकि किसी भी समुदाय के भीतर राजनीतिक मत विविध होते हैं। बिहार के संदर्भ में भी कुछ विश्लेषकों ने यह तर्क रखा कि यदि उत्तर प्रदेश जैसी कठोर कार्रवाई का राजनीतिक संदेश यहां भी जाता है, तो उसका असर मुस्लिम मतदाताओं की राजनीतिक प्राथमिकताओं पर पड़ सकता है। हालांकि इस प्रकार के दावों की पुष्टि व्यापक सर्वेक्षणों और चुनावी अध्ययनों से ही की जा सकती है। बिहार की राजनीति में अक्सर यह कहा जाता रहा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के लंबे कार्यकाल के दौरान कानून-व्यवस्था और सामाजिक संतुलन को लेकर एक अलग राजनीतिक छवि बनी। उनके समर्थक मानते हैं कि विभिन्न समुदायों के बीच विश्वास बनाए रखने का प्रयास उनकी राजनीति की विशेषता रहा है। दूसरी ओर, उनके आलोचक अन्य मुद्दों पर सवाल उठाते रहे हैं। इसलिए किसी एक समुदाय की भावनाओं को पूरे राजनीतिक परिदृश्य का प्रतिनिधि मानना उचित नहीं होगा। बिहार की राजनीति जातीय और सामाजिक समीकरणों से गहराई से प्रभावित रही है। यहां विकास, रोजगार, शिक्षा, सामाजिक न्याय, कानून-व्यवस्था और स्थानीय नेतृत्व जैसे अनेक मुद्दे मतदान के निर्णय को प्रभावित करते हैं। यदि किसी समय सवर्ण वर्ग के एक हिस्से में नाराजगी दिखाई देती है और दूसरी ओर मुस्लिम मतदाताओं के बीच आशंका का वातावरण बनता है, तो राजनीतिक दल इन दोनों वर्गों के बीच संवाद स्थापित करने का प्रयास करते हैं। लोकतांत्रिक राजनीति में किसी भी नीति का मूल्यांकन केवल उसके कानूनी पहलुओं से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव और जनविश्वास से भी किया जाता है। यूजीसी बिल को लेकर उठे सवाल हो या बुलडोजर कार्रवाई को लेकर बनी राजनीतिक बहस, दोनों ने अलग-अलग वर्गों में अलग-अलग प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न की हैं। हालांकि यह कहना कि किसी एक कारण से पूरे चुनावी परिणाम प्रभावित हो गए, पर्याप्त प्रमाण के बिना उचित नहीं होगा। चुनाव अनेक कारकों- स्थानीय उम्मीदवार, गठबंधन, विकास कार्य, सामाजिक समीकरण, नेतृत्व और मतदाताओं की प्राथमिकताओं, से मिलकर तय होते हैं।

7 अगस्त : राष्ट्रीय हथकरघा दिवस

सुरेश सिंह बैस शाश्वत

भारत की सांस्कृतिक विरासत जितनी समृद्ध है, उतनी ही गौरवशाली उसकी हस्तकला और हथकरघा परंपरा भी है। भारतीय हथकरघा केवल वस्त्र निर्माण की तकनीक नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता, संस्कृति, लोकजीवन और आत्मनिर्भरता का जीवंत प्रतीक है। इसी अमूल्य विरासत के सम्मान और संरक्षण के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। इस दिवस का विशेष महत्व इसलिए भी है क्योंकि 7 अगस्त 1905 को स्वदेशी आंदोलन का आरंभ हुआ था। विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने का जो संकल्प उस समय लिया गया, वही आगे चलकर देश की आर्थिक स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता की मजबूत नींव बना। इसी ऐतिहासिक स्मृति को सम्मान देते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2015 से 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के रूप में मनाने की शुरूआत की। भारतीय हथकरघा उद्योग हजारों वर्षों से हमारी संस्कृति का अभिन्न अंग रहा है। काशी की बनारसी साड़ियाँ, चंदेरी, महेश्वरी, कांजीवरम, पटोला, पोचमपल्ली, भागलपुरी सिल्क और असम का मूगा रेशम आज विश्वभर में भारतीय शिल्प कौशल की पहचान हैं। इन वस्त्रों में केवल धागे नहीं बुने जाते, बल्कि पीढ़ियों का अनुभव, कलाकारों का श्रम और भारतीय संस्कृति की आत्मा भी समाहित होती है। हथकरघा उद्योग भारत के सबसे बड़े कुटीर उद्योगों में से एक है। लाखों बुनकर और उनके परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इसी पर निर्भर हैं। विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों और महिलाओं के लिए यह उद्योग रोजगार, सम्मान और आत्मनिर्भरता का महत्वपूर्ण आधार है। सीमित संसाधनों में भी हमारे बुनकर अपने कौशल से ऐसे उत्कृष्ट वस्त्र तैयार करते हैं, जिनकी सुंदरता और गुणवत्ता मशीन निर्मित कपड़ों से अलग पहचान रखती है। आज जब मशीनों से बड़े पैमाने पर वस्त्रों का उत्पादन हो रहा है, तब हथकरघा उद्योग अनेक चुनौतियों का सामना कर रहा है। बढ़ती लागत, आधुनिक विपणन की कमी, युवाओं का इस व्यवसाय से विमुख होना तथा सस्ते मशीन निर्मित कपड़ों की प्रतिस्पर्धा ने पारंपरिक बुनकरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा कर दिया है। यदि समय रहते इन्हें तकनीकी सहयोग, बाजार और उचित मूल्य नहीं मिला, तो अनेक पारंपरिक बुनाई शैलियाँ विलुप्त होने का खतरा झेल सकती हैं। हथकरघा केवल रोजगार का साधन नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का भी माध्यम है। हाथ से बनने वाले वस्त्रों में ऊर्जा की खपत अपेक्षाकृत कम होती है और उनका कार्बन उत्सर्जन भी कम होता है। इसलिए आज जब पूरी दुनिया टिकाऊ विकास और पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली की ओर बढ़ रही है, तब भारतीय हथकरघा उद्योग का महत्व और भी बढ़ जाता है। छत्तीसगढ़ भी अपनी समृद्ध हथकरघा परंपरा के लिए जाना जाता है। यहाँ के कोसा रेशम, पारंपरिक बुनाई और स्थानीय शिल्प देश-विदेश में अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। यदि इन उत्पादों को आधुनिक डिजाइन, डिजिटल विपणन और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार उपलब्ध कराया जाए, तो यह राज्य की अर्थव्यवस्था और स्थानीय कारीगरों के जीवन में बड़ा परिवर्तन ला सकता है। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं है, बल्कि यह हमारे लिए आत्मचिंतन का भी दिन है। हमें यह समझना होगा कि जब हम एक हथकरघा उत्पाद खरीदते हैं, तब हम केवल एक वस्त्र नहीं खरीदते, बल्कि किसी बुनकर के परिवार की आजीविका, उसकी कला और उसकी पीढ़ियों से चली आ रही परंपरा को भी सशक्त बनाते हैं। राष्ट्रीय हथकरघा दिवस हमें स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक संरक्षण का संदेश देता है। आइए, इस अवसर पर हम संकल्प लें कि भारतीय हथकरघा उत्पादों को प्राथमिकता देंगे, स्थानीय बुनकरों का सम्मान करेंगे और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को आने वाली पीढ़ियों तक सुरक्षित पहुँचाने में अपना योगदान देंगे। जिस राष्ट्र के हाथ करघे पर सृजन करते हैं, उस राष्ट्र का भविष्य आत्मनिर्भरता, सम्मान और समृद्धि के रंगों से सदा आलोकित रहता है।

राष्ट्रीय दैनिक
प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

संक्षिप्त खबरें

हमीरपुर के ग्राम प्रधानों सहित कई लोगों ने थामा रालोद दामन

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के प्रदेश मुख्यालय में गुरुवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी के समक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय की उपस्थिति में जनपद हमीरपुर के अनेक जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों ने रालोद की सदस्यता ग्रहण की। श्रम प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष महेश पाल धनगर के प्रयासों से जनपद हमीरपुर के रजा मोहम्मद, एजाज अहमद (ग्राम प्रधान, हिमौली) तथा उमाशंकर प्रजापति (ग्राम प्रधान, पारा), अशरफ अली, ओमप्रकाश यादव सहित दर्जनों लोगों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व और उनकी नीतियों में विश्वास व्यक्त करते हुए रालोद की सदस्यता ली। राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) त्रिलोक त्यागी ने सभी नवागत सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि राष्ट्रीय लोकदल की जनहितकारी नीतियों और संगठन की निरंतर सक्रियता के कारण प्रदेशभर में पार्टी के प्रति लोगों का विश्वास लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रामाशीष राय ने विश्वास व्यक्त किया कि नवागत सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ संगठन को मजबूत करेंगे तथा जनपद हमीरपुर में पार्टी के विस्तार को नई गति देंगे। यह जानकारी राष्ट्रीय लोकदल, उत्तर प्रदेश के प्रदेश मीडिया प्रभारी मयंक त्रिवेदी ने दी।

सोनभद्र: खड़ी ट्रक से टकराकर बाइक सवार की मौत

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग में गुरुवार को एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल सवार युवक सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे जा टकराया। इस हादसे में बाइक सवार की मौके पर ही उसकी मृत्यु हो गई। पुलिस के अनुसार, रॉबर्ट्सगंज नगर के दीपनगर निवासी अमरजोत सिंह (२०) पुत्र संतोष सिंह किसी निजी कार्य से मोटरसाइकिल से वाराणसी जा रहा था। वह वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग पर हिन्दुआरी ओवरब्रिज के पास पहुंचा ही था कि तभी एकाएक सड़क किनारे खड़े ट्रक से उसकी बाइक पीछे टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी की उसकी कमर की हड्डी, पसली टूट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी और एम्बुलेंस से उसे अस्पताल भिजवाया, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए। परिजनों ने बताया की वह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। थाना प्रभारी रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि शव का पंचनामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सुलतानपुर : रेलवे पटरी पर मिला अधेड़ का शव

सुलतानपुर। उत्तर प्रदेश के जिला सुलतानपुर में थाना अखंडनगर अंतर्गत रेलवे ट्रैक पर गुरुवार को एक अधेड़ का शव मिला। सूचना पर पहुंची थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। क्षेत्राधिकारी विनय कुमार ने बताया कि अखंडनगर थाना क्षेत्र के मीरपुर प्रतापपुर निवासी रामसहाय प्रजापति (40) पुत्र राजेन्द्र आज सुबह बिलवाई रेलवे स्टेशन के पास जौनपुर-अयोध्या रेलवे ट्रैक के किनारे घायल अवस्था में मिले। इस जानकारी पर परिजन मौके पर पहुंचे और उन्हें 108 एम्बुलेंस से अखंडनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अस्पताल में डॉ. सुधीर कुमार बरनवाल ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इस सूचना के मिलते ही थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भेजते हुए अग्रिम कार्रवाई की।

देवरिया : जनपद के 53 उपनिरीक्षकों का तबादला

देवरिया, 06 अगस्त (वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक अभिजित आर. शंकर ने पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस क्रम में जनपद के 53 उपनिरीक्षकों (दरोगाओं) का तबादला करते हुए उन्हें विभिन्न थानों, चौकियों और शाखाओं में नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। वहीं, कार्य में शिथिलता पाए जाने पर पांच उपनिरीक्षकों को लाइन हाजिर किया गया है। जारी आदेश के अनुसार, सदर कोतवाली की गोपाल चौकी के प्रभारी अरुण सिंह को फील्ड यूनिट का प्रभारी बनाया गया है। पुलिस लाइन में तैनात लवकुश यादव को सदर कोतवाली भेजा गया है। जीत बहादुर यादव को श्रीरामपुर थाना, हेमंद चतुर्वेदी को अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी के पेशी कार्यालय, शीशराम मौर्य को रुद्रपुर कोतवाली तथा अनिल कुमार तिवारी को बरियारपुर थाना में नई तैनाती मिली है। महिला उपनिरीक्षक करिश्मा यादव को आशा ज्योति केंद्र का प्रभारी बनाया गया है। नितिन श्रीवास्तव को सलेमपुर कोतवाली की नवलपुर चौकी, अवनीश कुमार सिंह को सदर कोतवाली की गरुणपार चौकी, राहुल दुबे को भटनी थाना की घाटी चौकी तथा राहुल राय को तेलिया थाना की खरवानिया चौकी का प्रभारी नियुक्त किया गया है।

घुमंतू समाज को दर-दर की ठोकरें नहीं खानी पड़ेगी, सम्मान के साथ मिलेगा विकास का अवसर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अब घुमंतू समाज को दर दर की ठोकरें खाने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ेगा। डबल इंजन की सरकार उन्हें सम्मानजनक जीवन का अधिकार दिलाने, शासन की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजना से जोड़ने और उनके समग्र विकास को सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगी। घुमंतू विकास बोर्ड केवल एक प्रशासनिक व्यवस्था नहीं, बल्कि वर्षों से उपेक्षित विमुक्त एवं घुमंतू समाज को न्याय, सम्मान और अवसर दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। प्रदेश कैबिनेट द्वारा घुमंतू विकास बोर्ड गठन के निर्णय के उपरांत गुरुवार को समाज की ओर से आयोजित आभार एवं अभिनंदन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न का जो मंत्र देश को दिया था, उसी संकल्प का विस्तार आज समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है। बिना जाति, क्षेत्र, भाषा अथवा किसी प्रकार के भेदभाव के प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाने की इसी सोच की नई कड़ी घुमंतू विकास बोर्ड है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अंग्रेजों ने 1871 के क्रिमिनल ट्राइब एक्ट के माध्यम से उन वीर समुदायों को अपराधी घोषित कर दिया था, जिन्होंने भारत की स्वतंत्रता के लिए संघर्ष में अग्रणी भूमिका निभाई थी। 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के बाद अंग्रेजों ने सुनियोजित षड्यंत्र के तहत इन जातियों पर कलंक लगाया ताकि उनका सामाजिक सम्मान समाप्त हो जाए। स्वतंत्र भारत में बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने इस अन्याय को समाप्त करते हुए इन समुदायों को विमुक्त जाति का सम्मान दिलाया, किंतु उनके समुचित विकास के लिए अपेक्षित प्रयास लंबे समय तक नहीं किए गए। पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इनके लिए राष्ट्रीय स्तर पर आयोग का गठन हुआ और उसी भावना के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने घुमंतू विकास बोर्ड के गठन का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गत वर्ष घुमंतू समाज के सम्मेलन में उनके समक्ष बोर्ड गठन की मांग रखी गई थी और उन्होंने उसी समय इसकी घोषणा की थी।

प्रदेश में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के संचालन को मिली हरी झंडी, उच्च शिक्षा मंत्री ने दिये अनुज्ञा पत्र

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार राज्य को उच्च शिक्षा और अनुसंधान का प्रमुख केंद्र बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर प्रदेश में स्थापित होने जा रहे तीन नए निजी विश्वविद्यालयों के प्रबंधन को ह्यसंचालन प्राधिकार पत्रह्न (अनुज्ञा पत्र) प्रदान किया। योगी सरकार की इस पहल से गाजियाबाद, कानपुर और फतेहपुर जनपदों में उच्च, तकनीकी एवं कृषि शिक्षा का विस्तार होगा तथा युवाओं को अपने ही क्षेत्र में बेहतर शैक्षणिक अवसर प्राप्त होंगे। उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने जनपद गाजियाबाद में ह्यअजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालयह्न के संचालन हेतु ह्यइंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी, गाजियाबाद के सचिव/चेयरमैन को, कानपुर नगर के बिल्हौर में ह्यमहर्षि महेश योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय के संचालन हेतु स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट दिल्ली के सचिव को तथा फतेहपुर में ह्यठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय के संचालन हेतु ह्यएंग्लो संस्कृत कॉलेजह्न, फतेहपुर के अध्यक्ष को आधिकारिक संचालन प्राधिकार पत्र सौंपा। उच्च शिक्षा मंत्री ने प्राधिकार पत्र सौंपते हुए संबंधित संस्थाओं से अपेक्षा की कि वे शासन द्वारा निर्धारित मानकों, नियमों एवं शर्तों का अनुपालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण, रोजगारपरक और मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि योगी सरकार प्रदेश में निजी निवेश को प्रोत्साहित कर उच्च शिक्षा के ढांचे को सुदृढ़ कर रही है, जिससे राज्य के विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण संसाधनों और उत्कृष्ट वातावरण का लाभ मिल सके।

वाराणसी: सिगरा भारत सेवा आश्रम के सामने फिर धंसी सड़क, दोबारा उभरी समस्या से लोगों में नाराजगी, सुरक्षा पर उठे सवाल

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। शहर में सड़क निर्माण और मरम्मत कार्यों की गुणवत्ता को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। भारत सेवा आश्रम के सामने फल मंडी जाने वाली सड़क दोबारा धंस गई है। सड़क धंसने के साथ ही वहां जलभराव की स्थिति भी बन गई है, जिससे स्थानीय लोगों, राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि यदि समय रहते इसकी मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी भी समय बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय निवासी अमन के अनुसार, करीब एक सप्ताह पहले भी इसी स्थान पर सड़क धंस गई थी। उस समय राज्यपाल के प्रस्तावित आगमन को देखते हुए संबंधित विभाग ने जल्दबाजी में मरम्मत कर सड़क को दुरुस्त करने का दावा किया था। हालांकि, स्थानीय लोगों का आरोप है कि मरम्मत केवल अस्थायी रही और कुछ ही दिनों में सड़क फिर से धंस गई। अब दोबारा गड्ढा बनने और बारिश के पानी के जमा होने से स्थिति पहले से अधिक गंभीर हो गई है। यह मार्ग शहर के व्यस्त रास्तों में शामिल है, जहां से प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग आवागमन करते हैं। आसपास स्थित विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, स्थानीय नागरिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी भी इसी सड़क का उपयोग करते हैं। ऐसे में धंसी हुई सड़क और जलभराव के कारण दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पानी भरे होने से गड्ढे की गहराई का अनुमान लगाना मुश्किल हो जाता है, जिससे दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए जोखिम बढ़ गया है। क्षेत्रवासियों ने इस बात पर भी चिंता जताई कि पास में नगर निगम का कार्यालय होने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि यदि किसी स्कूली बच्चे या राहगीर के साथ दुर्घटना होती है, तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी। स्थानीय लोगों ने नगर निगम और जिला प्रशासन से सड़क की तकनीकी जांच कराकर गुणवत्तापूर्ण एवं स्थायी मरम्मत कराने, जलनिकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा संभावित हादसों को रोकने के लिए तत्काल आवश्यक कदम उठाने की मांग की है।

योग नगरी ऋषिकेश-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस परिवर्तित मार्ग से चलेगी

-फाटक संख्या एलसी-44 पर स्टील गर्डर लॉन्चिंग कार्य के चलते लिया जाएगा ब्लॉक

प्रात : किरण संवाददाता

मुरादाबाद। यात्रियों की सुविधा के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल अंतर्गत अजमेरझ्र मदार रेलखंड के मध्य स्थित समपार फाटक संख्या एलसी-44 पर स्टील गर्डर लॉन्चिंग कार्य किए जाने के कारण ब्लॉक लिया जा रहा है। इस इंजीनियरिंग कार्य के चलते रेलगाड़ी योगनगरी ऋषिकेशझ्रउदयपुर सिटी एक्सप्रेस (19610) के संचालन में अस्थायी परिवर्तन किया गया है। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने गुरुवार को बताया कि योग नगरी ऋषिकेशझ्रउदयपुर सिटी एक्सप्रेस (19610) जेसीओ 9 अगस्त को अपने निर्धारित मार्ग मदारझ्रअजमेर झ्रआदर्शनगर के स्थान पर मदारझ्रआदर्श नगर-बाईपास लाइन के रास्ते संचालित की जाएगी। इस कारण अजमेर स्टेशन पर इस गाड़ी का निर्धारित ठहराव नहीं होगा। हालांकि, यात्रियों की सुविधा के लिए गाड़ी का मदार तथा आदर्शनगर स्टेशनों पर 2-2 मिनट का विशेष ठहराव प्रदान किया जाएगा, जिससे संबंधित यात्रियों को यात्रा में न्यूनतम असुविधा हो। सीनियर डीसीएम ने कहा कि उत्तर रेलवे यात्रियों से अनुरोध करता है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपनी गाड़ी की अद्यतन स्थिति एवं समय की जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यमों से अवश्य प्राप्त कर लें तथा उसी के अनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को रौंदा

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में महाराजपुर थाना क्षेत्र के कानपुर-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर देर रात तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा सरसौल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पास हुआ। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और फरार डंपर व उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, भदरसा गांव निवासी शिव भोला तिवारी (25) बुधवार रात बाइक से सरसौल की ओर जा रहे थे। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि शिव भोला के सिर में गंभीर चोट लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलते ही सरसौल चौकी प्रभारी राजमोहन मिश्रा पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की जानकारी मृतक के परिजनों को भी दे दी गई। महाराजपुर थाना प्रभारी जनार्दन सिंह ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

वाराणसी में कृषि विमान ड्रोन सेवा का प्रदर्शन, आधुनिक तकनीक से किसानों की समस्याओं का होगा समाधान

– ड्रोन तकनीक से कम समय में अधिक क्षेत्र में सटीक छिड़काव, लागत घटेगी और उत्पादकता बढ़ेगी

प्रात : किरण संवाददाता

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में कृषि क्षेत्र में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में गुरुवार को एक महत्वपूर्ण पहल की गई। सीएससी (कॉमन सर्विस सेंटर्स) ई-गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड ने डब्ल्यूओडब्ल्यू गो ग्रीन लिमिटेड के सहयोग से कृषि विमान ड्रोन स्प्रे योजना का सफल प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को ड्रोन आधारित कृषि सेवाओं से जोड़ना और वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के दौरान अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पी.के. सिंह की उपस्थिति में कृषि विमान ड्रोन का लाइव प्रदर्शन किया गया। उन्होंने ड्रोन की कार्यप्रणाली का अवलोकन करते हुए कहा कि आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कृषि क्षेत्र को अधिक सक्षम, लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है। उन्होंने किसानों तक ऐसी नवाचार आधारित तकनीकों को पहुंचाने के प्रयासों की सराहना भी की। डब्ल्यूओडब्ल्यू गो ग्रीन लिमिटेड के संस्थापक डॉ. शंकर गोयनका ने बताया कि संस्था द्वारा विकसित उन्नत कृषि विमान ड्रोन इफको के नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो कॉपर, नैनो जिंक, सागरिका समेत अन्य कृषि इनपुट का वैज्ञानिक एवं प्रभावी ढंग से छिड़काव करने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि ड्रोन तकनीक के उपयोग से किसानों की लागत में कमी आएगी, समय की बचत होगी और खेती अधिक उत्पादक बनेगी। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को ड्रोन आधारित कृषि सेवाओं से परिचित कराना तथा उर्वरकों एवं कृषि रसायनों के सुरक्षित और वैज्ञानिक छिड़काव की आधुनिक तकनीक का प्रदर्शन करना था। ड्रोन के माध्यम से कम समय में बड़े क्षेत्र में समान एवं सटीक छिड़काव संभव है, जिससे श्रम लागत घटती है, संसाधनों की बचत होती है और फसलों की गुणवत्ता एवं उत्पादकता में वृद्धि होती है।

औरैया : योग व प्राकृतिक चिकित्सा से अभ्यर्थियों को स्वस्थ रहने के बताए उपाय

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में राष्ट्रीय आयुष मिशन, उत्तर प्रदेश सरकार के अंतर्गत संचालित योग वैलनेस सेंटर, राजकीय होम्योपैथिक चिकित्सालय की ओर से गुरुवार को प्राथमिक विद्यालय दिल्ली दरवाजा, नगर क्षेत्र औरैया में एक दिवसीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा जनजागरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ योग प्रशिक्षक योगेंद्र कुमार मिश्र ने छात्र-छात्राओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, नियमित योग करने तथा बरसात के मौसम में होने वाले संक्रामक व मौसमी रोगों से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों को बताया कि संतुलित आहार, स्वच्छता, पर्याप्त नींद और नियमित योगाभ्यास से बिना दवा के भी स्वस्थ जीवन जिया जा सकता है। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य राजेश गुप्ता सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना और प्राकृतिक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

औरैया : निमार्णाधीन रिजर्व पुलिस लाइन का जिलाधिकारी-एसपी ने किया निरीक्षण

प्रात : किरण संवाददाता

औरैया। उत्तर प्रदेश के औरैया जनपद में जिलाधिकारी बृजेश कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अभिषेक भारती ने गुरुवार को थाना फफूंद क्षेत्र के शेरपुर सरैया स्थित निमार्णाधीन रिजर्व पुलिस लाइन का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने निर्माण कार्य से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर एवं उच्च गुणवत्ता के साथ कार्य पूरा कराया जाए। उन्होंने निर्माण सामग्री की गुणवत्ता और कार्य की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया, ताकि परियोजना समय पर पूर्ण होकर पुलिस विभाग को उपलब्ध कराई जा सके। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, अपर जिलाधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

वाराणसी: बेनीपुर में जलभराव से मुख्य मार्ग बना तालाब, स्कूली बच्चों की पढ़ाई प्रभावित, ग्रामीणों ने उठाई स्थायी समाधान की मांग

वाराणसी। विकासखंड आराजी लाइन के ग्राम सभा बेनीपुर में लगातार जलभराव के कारण मुख्य मार्ग पर बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। कई दिनों से सड़क पर जमा पानी ने ग्रामीणों का जनजीवन प्रभावित कर दिया है। सबसे अधिक परेशानी उन छात्र-छात्राओं को उठानी पड़ रही है, जिन्हें प्राथमिक विद्यालय, जूनियर हाईस्कूल और इंटर कॉलेज जाने के लिए इसी मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। जलभराव के चलते विद्यालयों तक पहुंचना मुश्किल हो गया है और बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि मुख्य सड़क अब किसी तालाब जैसी दिखाई देने लगी है। सड़क पर घुटनों तक पानी भरा होने के कारण राहगीरों को जोखिम उठाकर आवाजाही करनी पड़ रही है। पानी में सड़क और गड्ढे दिखाई नहीं देने से दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है। कई लोग आवश्यक कार्यों के लिए भी इस मार्ग का उपयोग करने से बच रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, गांव के बीच स्थित ग्राम सभा के तालाब पर हुए अतिक्रमण के कारण जल निकासी का प्राकृतिक मार्ग पूरी तरह बाधित हो गया है। इसी वजह से बारिश का पानी बाहर नहीं निकल पा रहा और मुख्य सड़क सहित आसपास के क्षेत्रों में लगातार जलभराव बना हुआ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि जल्द निकासी की व्यवस्था नहीं की गई तो पानी रिहायशी इलाकों और घरों तक पहुंच सकता है, जिससे स्थिति और गंभीर हो जाएगी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस समस्या की जानकारी कई बार क्षेत्रीय सेवापुरी विधायक प्रतिनिधि अदिति पटेल को दी गई, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हो सकी। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है और स्थायी समाधान की मांग तेज हो गई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तालाब पर हुए अतिक्रमण को हटाने, जल निकासी के प्राकृतिक मार्ग को बहाल करने और मुख्य सड़क से तत्काल पानी निकलवाने की मांग की है।

वाराणसी: एक दिन की बारिश में डूबी काशीपुरम कॉलोनी, जलभराव से जनजीवन प्रभावित, स्थायी समाधान की उठी मांग

प्रात : किरण संवाददाता

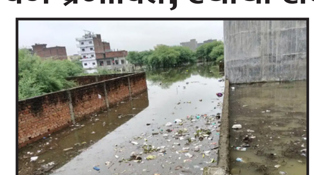

वाराणसी। सावन के दौरान मूसलाधार बारिश ने एक बार फिर शहर की जलनिकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी। सीर गोवर्धनपुर स्थित काशीपुरम कॉलोनी में बारिश के बाद हालात इतने बिगड़ गए कि पूरी कॉलोनी जलमग्न हो गई। गलियों से लेकर घरों के बाहर तक घुटनों से ऊपर पानी भर जाने से लोगों का सामान्य जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया। स्थानीय लोगों ने इसे बाढ़ जैसी स्थिति बताते हुए नगर निगम और प्रशासन से तत्काल राहत एवं स्थायी समाधान की मांग की है।बारिश थमने के बाद भी कॉलोनी में पानी नहीं निकला। कई स्थानों पर जलभराव इतना अधिक था कि लोगों का घरों से बाहर निकलना मुश्किल हो गया। कुछ मकानों में बारिश का पानी प्रवेश कर गया, जिससे घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा। कॉलोनी की सड़कें पूरी तरह पानी में डूब गईं और आने-जाने का रास्ता बाधित हो गया। निवासियों का कहना है कि काशीपुरम कॉलोनी में जलनिकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। हर वर्ष बारिश के दौरान जलभराव की समस्या सामने आती है, लेकिन इस बार स्थिति पहले से अधिक गंभीर रही। उनका आरोप है कि नालियों की सफाई और जलनिकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश का पानी लंबे समय तक जमा रहता है, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ती है। जलभराव का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं पर पड़ा। बच्चों को स्कूल आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा, जबकि बुजुर्गों के लिए पानी से भरी गलियों में निकलना जोखिम भरा साबित हो रहा है। पानी में सड़कें और गड्ढे दिखाई नहीं देने से दुर्घटना की आशंका भी बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने बिजली के खुले तारों और खंभों के कारण करंट उतरने का खतरा भी जताया है। उनका कहना है कि यदि समय रहते बिजली विभाग और नगर निगम ने आवश्यक कदम नहीं उठाए तो कोई गंभीर हादसा हो सकता है। लोगों में बच्चों की सुरक्षा को लेकर भी चिंता बनी हुई है।

स्कूल जाते समय जर्जर दीवार गिरने से मासूम भाई-बहन की मौत,तीन घायल

प्रात : किरण संवाददाता

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में पदरियाबाद कोतवाली क्षेत्र के गुलचप्पा कलां (अलियाबाद) गांव में गुरुवार सुबह स्कूल जाने की खुशी कुछ ही पलों में मातम में बदल गई। हाथों में बस्ता लिए पांच मासूम बच्चे गांव की गली से गुजर रहे थे कि तभी वर्षों पुरानी जर्जर ईंट की दीवार अचानक भरभराकर उनके ऊपर आ गिरी। हादसे में एक ही परिवार के भाई-बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर लोगों की भारी भीड़ जुट गई। हादसे में गांव निवासी मुस्लिम के सात वर्षीय पुत्र हुजैफा और 14 वर्षीय पुत्री हाजरा बानो की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सलमान का आठ वर्षीय पुत्र हस्सान, चार वर्षीय पुत्री हानिया तथा अब्दुल मन्नान का 14 वर्षीय पुत्र मोहम्मद अदनान गंभीर रूप से घायल हो गए। ग्रामीणों ने बिना देर किए मलबा हटाया और सभी बच्चों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। चिकित्सकों ने हुजैफा और हाजरा बानो को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य तीन बच्चों का इलाज जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दीवार गिरने की आवाज इतनी तेज थी कि आसपास के लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। कुछ ही देर में पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए। ग्रामीणों का कहना है कि जिस दीवार के गिरने से यह हादसा हुआ, वह लंबे समय से जर्जर थी। लगातार बारिश के कारण उसकी हालत और खराब हो गई थी। कई बार दीवार के मालिक से इसे गिराने या मरम्मत कराने की मांग की गई, लेकिन किसी ने गंभीरता नहीं दिखाई। ग्रामीणों का आरोप है कि यदि समय रहते कार्रवाई हो जाती तो दो मासूमों की जान बचाई जा सकती थी। क्षेत्राधिकारी सौरभ श्रीवास्तव ने बताया ने दोनों बच्चों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रशासन ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच में यदि किसी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक ही परिवार के दो बच्चों की मौत से पूरे गांव में मातम पसरा है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। गांव में हर किसी की जुबान पर यही सवाल है कि आखिर जर्जर दीवार को समय रहते क्यों नहीं हटाया गया।

सगी बहन मानते थे उमाशंकर, कभी नहीं दिया धोखा : मायावती

प्रात : किरण संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार के विधायक व बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता उमाशंकर सिंह का बुधवार शाम दिल्ली में निधन हो गया। अंतिम दर्शन के लिए गुरुवार को उनका पार्थिव शरीर लखनऊ के गोमतीनगर स्थित आवास पर रखा गया। पार्टी की प्रमुख मायावती ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। इस दौरान मायावती बहुत भावुक दिखी। मायावती के अलावा विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना समेत तमाम राजनेताओं ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने पहुंचे। इस दौरान मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह जब से बसपा से जुड़े, उन्होंने पूरी ईमानदारी से अपनी जिम्मेदारी निभाई है। उन्होंने कभी पार्टी को धोखा नहीं दिया। बसपा में रहते हुए उन्होंने अपने क्षेत्र की जनता का ध्यान रखा है। उनका लंबी बीमारी की कारण निधन हुआ है, यह समाचार सुनकर काफी आहत हूं। इस दुख की घड़ी में मैं उनके पूरे परिवार और रिश्तेदार के साथ हूं। खासतौर से वो तो जिंदा नहीं है, लेकिन मेरा उमाशंकर सिंह के परिवार से यही कहना है कि आप जब तक जिंदा रहे है बसपा के लिए ईमानदारी का परिचय दिया है। मायावती ने कहा कि उमाशंकर सिंह बिजनैसमैन थे। अक्सर आप लोगों ने देखा कि बिजनैसमैन लोग जब सत्ता परिवर्तन होता है तो पार्टियां बदल लेते हैं। लेकिन उन्होंने पार्टी को धोखा नहीं दिया। वो मुझे अपनी सगी बहन की तरह मानते थे। इस महीने में रक्षाबंधन भी है। रक्षाबंधन के त्योहार पर चाहे मैं लखनऊ रही हो या दिल्ली में रहूं, लेकिन उन्होंने मुझसे हमेशा राखी बंधवाई है। बसपा प्रमुख ने कहा कि भाई तो कई बने लेकिन सब धोखा देकर चले गये, पर इन्होंने (उमाशंकर सिंह) कभी धोखा नहीं दिया। मैं कहना चाहती हूं उनका परिवार मेरा पूरा सम्मान करते हैं। इस दुख की घड़ी में मैं पूरे परिवार के साथ हूं। उनका एक बेटा है, मैं यह आश्वासन देना चाहती हूं यदि परिवार चाहे तो उनके बेटे को राजनीति में बढ़वा देना चाहूंगी। हालांकि यह मौका ऐसा कहना का नहीं है, लेकिन वो राजनीति में काफी सक्रिय रहे हैं। परिवार चाहेगा तो मैं उनके स्थान पर उनके बेटे को महत्व दूंगी। मायावती ने कहा कि उमाशंकर ने अपने क्षेत्र की जनता का बहुत ध्यान दिया है, अगर जनता चाहेगी तो बेटे को सम्मान मिलेगा। बसपा प्रमुख ने कहा कि उमाशंकर के जाने से हमारी पार्टी को बहुत क्षति हुई है। बसपा नेता सतीश मिश्रा ने कहा कि उमाशंकर हमारे छोटे भाई की तरह थे।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रात:किरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर सतीश महाना मुख्यमंत्री योगी और मायावती ने जताई शोक संवेदना

प्रात: किरण संवाददाता

लखनऊ। बलिया जिले के रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से लगातार तीन बार के विधायक व बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के वरिष्ठ नेता उमाशंकर सिंह का बुधवार शाम दिल्ली में निधन हो गया। उनके निधन पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत तमाम नेताओं ने शोक संवेदना प्रकट की है। उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने बलिया जनपद की रसड़ा विधानसभा सीट से विधायक एवं बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता उमाशंकर सिंह के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि उमाशंकर सिंह का निधन उत्तर प्रदेश की राजनीति के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन में जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी और अपने क्षेत्र के विकास तथा जनता के हितों के लिए सदैव समर्पित भाव से कार्य किया। उनकी सादगी, सहजता और जनसरोकारों के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें सदैव स्मरणीय बनाए रखेगी। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से संघर्ष करते हुए भी उमाशंकर सिंह ने अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया। उनका निधन न केवल उनके परिवार और समर्थकों, बल्कि संपूर्ण विधानसभा परिवार के लिए भी अत्यंत दुःखद है। महाना ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिजनों, समर्थकों एवं शुभचिंतकों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी शोक संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि विधायक उमाशंकर का निधन अत्यंत दुखद है। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिवार को यह अथाह दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने कहा कि बसपा के कर्मठ, ईमानदार व पूरी तरह से वफादार बलिया की रसड़ा सीट से लोकप्रिय विधायक उमाशंकर सिंह की बुधवार को शाम लम्बी बीमारी की वजह से इलाज के दौरान देहांत हो जाने की खबर अति-दुखद। उनके परिवार तथा उनके सभी चाहने वालों के प्रति मेरी गहरी शोक संवेदना। पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा की जितनी भी तारीफ की जाये वह कम है। उनका पूरा परिवार बसपा परिवार की तरह है तथा उनके परिवार के सभी लोग मुझे बड़ी बहन की तरह ही पूरा आदर-सम्मान देते हैं। उनके पुत्र से लगातार सम्पर्क बने रहने के दौरान ही आज शाम उनके देहान्त की खबर उनके पुत्र से ही मिली। इस दुख की घड़ी में मैं व पूरी पार्टी उनके व उनके परिवार के साथ है तथा उन्हें किसी भी प्रकार से हिम्मत नहीं हारना है बल्कि इस परिस्थिति का सामना करते हुये आगे बढ़ना है। कुदरत उन सभी लोगों को इस दुख को सहन करने की शक्ति दे। इसके अलावा कई नेताओं ने अपनी शोक संवेदना प्रकट की है। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बलिया की रसड़ा विधानसभा से बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह के निधन पर अत्यंत दुखद जताया है। उन्होंने अपने और पार्टी के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा कि ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं और दिवंगत आत्मा के लिए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

थाना बुढाना पुलिस द्वारा जाली करेन्सी का लेन-देन करने वाले अन्तर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश 3 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार।

गिरफ्तार अभियुक्तगण के कब्जे से 01 लाख रुपये की जाली करेन्सी व घटना में प्रयुक्त 01 वैगनआर गाडी बरामद।

मुजफ्फरनगर। श्रीमान अपर पुलिस महानिदेशक, मेरठ जोन मेरठ एवं श्रीमान पुलिस उपमहानिरीक्षक, सहारनपुर परिक्षेत्र सहारनपुर के निर्देशन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय, जनपद मुजफ्फनगर श्री संजय कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री अक्षय संजय महाडीक, क्षेत्राधिकारी बुढाना श्री गजेन्द्र पाल सिंह तथा थाना प्रभारी बुढाना श्री सुभाष अत्री के कुशल नेतृत्व में थाना बुढाना पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही। घटना का संक्षिप्त विवरणः- अवगत कराना है कि थाना बुढाना पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि 03 व्यक्ति वैगनार कार में जाली करेन्सी लेकर खतौली की तरफ से आ रहे है। इस सूचना पर थाना बुढाना पुलिस द्वारा सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। कुछ समय पश्चात एक वैगनार कार आती दिखायी दी जिसे पुलिस टीम द्वारा चेकिंग हेतु रुकने का इशारा किया परन्तु पुलिस टीम को देखकर गाडी में बैठे व्यक्तियों द्वारा भागने का प्रयास किया गया। पुलिस टीम द्वारा आवश्यक बल प्रयोग कर बसी गेट खतौली रोड से अभियुक्तगण 1. सालिम पुत्र हाफिज इमरान निवासी ग्राम कैली थाना दौराला, मेरठ 2. माजिद पुत्र फारुख निवासी ग्राम कैली थाना दौराला, मेरठ 3. जिशान पुत्र गुलजार निवासी ग्राम जौला थाना बुढाना, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्तगण अन्तर्राज्यीय स्तर पर जाली करेन्सी लेन-देन करने वाले गिरोह के सदस्य है। अभियुक्तगण के कब्जे से 01 लाख रुपये कीमत के जाली नोट, वैगनार कार व 3 मोबाइल फोन बरामद किये गये। अभियुक्तगण की गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना बुढाना पुलिस द्वारा अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

चुनाव निकट आते ही जनता के बीच दिखने लगा भावी प्रत्याशियों का चेहरा

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी। विधानसभा चुनाव कथित तौर पर अभी कई माह दूर है. हालाकि बात लोनी विधानसभा क्षेत्र की करें तो, चुनाव लड़ने वाले दावेदार जनता के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए जुट गए हैं। पूरे 5 वर्ष जनता के बीच से गायब रहने वाले अधिकांश भावी प्रत्याशी तो ऐसे है जो पार्टी नेतृत्व को रिझाने के लिए अपने नाम का प्रचार करते नजर आने लगे है. इसके लिए वह पोस्टर व होर्डिंग लगाने का तरीका अपना रहे हैं। कुछ एक को छोड़ दे तो, अधिकांश संभावित प्रत्याशियों द्वारा पोस्टर व होर्डिंग के जरिए अपनी दावेदारी को मजबूत दिखाने का प्रयास किया जा रहा है। टिकट के दावेदारों द्वारा जिस तरह क्षेत्र को पोस्टर तथा होर्डिंग के जरिए प्रचार शुरू किया जा रहा है उसे देखकर लगता है कुछ ही दिनों में पूरा क्षेत्र इनसे पट जाएगा। अब टिकट पाने के मामले में कौन और कैसे बाजी मारता है यह तो समय के गर्भ में है. मगर यह बात तय है कि उनके इस प्रचार के तरीके ने पुलिस प्रशासन का काम जरूर बढ़ने वाला है।

नेताओं के दिखावे को भली-भांति समझने लगे है अब आम मतदाता

दरअसल चुनाव पास आते ही नेताओं द्वारा जनता को याद किया जाना भारतीय लोकतंत्र की एक पुरानी और चर्चित विडंबना है, जिसमें पांच साल तक धरातल से गायब रहने वाले जनप्रतिनिधि अचानक जनसंपर्क, वादों और रैलियों में सक्रिय हो जाते हैं। पांच साल के अंतराल के बाद दोबारा कुर्सी हासिल करने या बचाने की जुगत भिड़ाने में वह कोई कोर कसर बाकी छोड़ना नहीं चाहते. जबकि उनका टिकट होगा या नहीं, वोटर उन्हें पसंद करते है या नकारते है, इसकी कोई गारंटी नहीं होती।

कांवड़ यात्रा के दौरान बिछुड़ी 12 वर्षीय बालिका को बिजनौर पुलिस ने परिजनों से मिलाया

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कांवड़ यात्रा के दौरान भीड़-भाड़ में अपने परिजनों से बिछुड़ी 12 वर्षीय बालिका को बिजनौर पुलिस ने तत्परता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए सकुशल उसके परिवार से मिला दिया। पुलिस के अनुसार, संभल जनपद के थाना बबराला क्षेत्र के ग्राम मड़काली निवासी 12 वर्षीय बालिका अपने परिजनों के साथ हरिद्वार से कांवड़ जल लेकर लौट रही थी। यात्रा के दौरान अत्यधिक भीड़ और आवागमन के कारण वह अपने परिवार से बिछड़ गई और नहटौर थाना क्षेत्र के हल्दौर चौराहा स्थित पुलिस सहायता केंद्र पहुंच गई। सहायता केंद्र पर ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक दीपक, महिला आरक्षी राखी तथा महिला आरक्षी रीत चौधरी ने बालिका को सुरक्षित संरक्षण में लेकर उससे आवश्यक जानकारी प्राप्त की। इसके बाद पुलिस टीम ने तत्परता से उसके परिजनों की तलाश शुरू की और संपर्क स्थापित किया। पहचान की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने बालिका को सकुशल उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। अपनी बेटी को सुरक्षित पाकर परिजनों ने बिजनौर पुलिस की त्वरित, संवेदनशील एवं सराहनीय कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

सपा कार्यालय के बाहर बनी छह दुकानों को हटाने का नोटिस

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। विनियमित क्षेत्र, बिजनौर ने समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर स्थित छह दुकानों को हटाने के लिए संबंधित पक्षों को एक सप्ताह का अंतिम नोटिस जारी किया है। निर्धारित अवधि में दुकानें नहीं हटाने पर प्रशासन द्वारा ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की जाएगी। साथ ही कार्रवाई में आने वाला खर्च संबंधित पक्षों से भू-राजस्व की भांति वसूल किया जाएगा। विनियमित क्षेत्र कार्यालय की ओर से जारी नोटिस के अनुसार, हितेश के मकान से समाजवादी पार्टी कार्यालय के मुख्य गेट तक बनी छह दुकानों के संबंध में शिकायत प्राप्त हुई थी। मामले की सुनवाई के बाद नियत प्राधिकारी ने 11 जून 2025 को निर्माण हटाने का आदेश पारित किया था। बताया गया है कि संबंधित पक्ष ने इस आदेश के विरुद्ध जिलाधिकारी के समक्ष अपील दायर की थी। जिलाधिकारी ने 26 फरवरी 2026 को अपील निरस्त करते हुए पूर्व आदेश को बरकरार रखा। इसके बाद अब आदेश के अनुपालन में अंतिम नोटिस जारी किया गया है। नोटिस में कहा गया है कि संबंधित पक्ष एक सप्ताह के भीतर स्वयं निर्माण हटा लें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो प्रशासन नियमानुसार ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करेगा और उसका समस्त व्यय संबंधित लोगों से वसूला जाएगा।

संक्षिप्त खबरें

मुख्यमंत्री योगी ने प्रतापगढ़ हादसे में हुई जनहानि पर जताया शोक

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रतापगढ़ जिले में देर रात की घटना में हुई जनहानि पर शोक जताया है। बारिश की वजह से नगर कोतवाली क्षेत्र के महुली वार्ड में करीब 100 वर्ष पुराना मकान गिर गया। इसके मलबे में दबकर छह लोगों की मौत हो गई, जबकि परिवार का एक सदस्य घायल है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य एक ही कमरे में सो रहे थे। जानकारी मिलते ही प्रशासन और पुलिस के अधिकारी टीम के साथ राहत-बचाव कार्यों में जुट गए। हादसे में महुली निवासी नितिन श्रीवास्तव (24), माधव (02), रीता श्रीवास्तव (42), प्रमोद श्रीवास्तव (45), माधुरी (24), बाबू (06 माह) का निधन हो गया, जबकि अमन श्रीवास्तव घायल हैं। मुख्यमंत्री ने स्थानीय जिला प्रशासन व मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घायल अमन के समुचित इलाज का निर्देश दिया है। इस दुखद घटना पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया अकाउंट ह्यएक्सह्न पर पोस्ट कर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने लिखा कि जनपद प्रतापगढ़ में दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुःखद है। मेरी संवेदनाएं शोकाकुल परिजनों के साथ है। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान तथा घायल को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

विद्युत विभाग को शिवपुर से गंजारी तक मिले 106 नवीन फीडर

वाराणसी। विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ करने के लिए उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने वाराणसी में 106 नवीन बिजली फीडर निर्माण को मंजूरी दे दी है। मुख्य अभियंता अनिल कुमार वर्मा ने बताया कि पुराने फीडर पर अत्यधिक दबाव है। बढ़ते हुए बिजली कनेक्शन और विद्युत के उपयोग के कारण नवीन बिजली फीडर लगाएं जायेंगे। इससे लो वोल्टेज, ओवरलोडिंग और ट्रिपिंग समस्याओं से निजाद मिल जाएगी। मुख्य अभियंता ने कहा कि वाराणसी में तेजी से कॉलोनिया और व्यावसायिक भवनों का निर्माण हुआ है। इसके कारण बिजली की खपत बढ़ी है। नए मीटर भी लगाए गए हैं। ऐसे में जो पुराने फीडर थे, उन पर दबाव बढ़ना शुरू हुआ। इस कारण आवश्यकता को देखते हुए नये फीडरों को लगाया जाना आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि वाराणसी में लोहता, शिवपुर, भेलूपुर, रोहनिया, डाफी, काशीपुर, गंजारी, मंडुवाडीह के 63 हजार उपभोक्ताओं को नए फीडरों का सीधा लाभ मिलेगा।

जाली करेंसी के खेल पर वार बुढाना में अंतर्राज्यीय गिरोह का भंडाफोड़

प्रात: किरण मनोज जैन

मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश: कस्बा बुढाना में पुलिस ने जाली करेंसी के अंतर्राज्यीय गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से एक लाख रुपये के नकली नोट, एक वैगनआर कार और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा के निर्देशन में बुढाना थाना पुलिस ने यह कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर बसी गेट-खतौली रोड पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी दौरान संदिग्ध वैगनआर कार को रुकने का इशारा किया गया, लेकिन उसमें सवार आरोपियों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी कर तीनों को मौके पर ही पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सालिम, माजिद और जिशान के रूप में हुई है। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी बेंगलुरु से अपने साथियों के जरिए सस्ते दामों में नकली नोट मंगाकर बाजार में खपाते थे और मुनाफा कमाते थे। गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने टीमें गठित कर दी हैं। पुलिस के मुताबिक आरोपियों से 500 रुपये के 200 नकली नोट, घटना में प्रयुक्त कार और तीन मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। इस कार्रवाई के लिए पुलिस टीम को नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पुलिस पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है।

नई दिल्ली-सुपौल के बीच चलेगी विशेष ट्रेन वाराणसी जंक्शन पर होगा ठहराव

वाराणसी। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर रेलवे ने नई दिल्ली और सुपौल के बीच प्रतिदिन आरक्षित विशेष एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ट्रेन संख्या 04072/04071 नई दिल्लीझ्रसुपौलझ्रनई दिल्ली आरक्षित विशेष एक्सप्रेस का संचालन शुरू किया जा रहा है। इस विशेष ट्रेन का वाराणसी जंक्शन पर भी ठहराव रहेगा, जिससे पूर्वांचल और बिहार की यात्रा करने वाले यात्रियों को बड़ी सुविधा मिलेगी। रेलवे के अनुसार, गाड़ी संख्या 04072 नई दिल्ली से 6 अगस्त से 30 सितंबर तक प्रतिदिन संचालित होगी। इस अवधि में ट्रेन कुल 56 फेरे लगाएगी। वहीं, वापसी दिशा में गाड़ी संख्या 04071 सुपौल से 7 अगस्त से 1 अक्टूबर तक प्रतिदिन चलेगी और कुल 56 फेरे पूरे करेगी। समय-सारिणी के अनुसार, नई दिल्ली से ट्रेन रात 9:35 बजे रवाना होगी और अगले दिन दोपहर 2:35 बजे वाराणसी जंक्शन पहुंचेगी। यहां 10 मिनट के ठहराव के बाद 2:45 बजे आगे के लिए प्रस्थान करेगी। वहीं, सुपौल से सुबह 7:45 बजे चलने वाली ट्रेन रात 10:30 बजे वाराणसी पहुंचेगी और 10:40 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 3:00 बजे नई दिल्ली पहुंचेगी।

वाराणसी: परीक्षा में असफलता और प्रेम संबंध टूटने से तनाव में था बीटीसी छात्र फंदे से लटककर दी जान

प्रात: किरण संवाददाता

वाराणसी। शिवपुर थाना क्षेत्र की अशोक पुरम कॉलोनी में बुधवार सुबह एक बीटीसी छात्र ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान सुलतानपुर जिले के रीखपुर निवासी दीपक तिवारी (35) के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार वह हाल ही में बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा में असफल होने और प्रेम संबंध टूटने के कारण मानसिक तनाव में था। सूचना पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। बताया गया कि दीपक अपने परिवार के साथ अशोक पुरम स्थित दो मंजिला मकान में रहता था। रात में भोजन करने के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। सुबह करीब सात बजे जब उसकी मां उसे जगाने पहुंचीं तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद मिला। काफी आवाज देने के बाद भी कोई प्रतिक्रिया नहीं मिलने पर परिजनों और पड़ोसियों ने दरवाजा तोड़ा। अंदर रोशनदान में गमछे के सहारे दीपक का शव लटका मिला। कमरे से उसके दो मोबाइल फोन भी बरामद हुए। इसके बाद परिजनों ने डायल-112 पर पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने पुलिस को बताया कि दीपक बीटीसी का छात्र था और उसने हाल ही में बिहार शिक्षक भर्ती परीक्षा दी थी, लेकिन वह पांच अंकों से परीक्षा पास नहीं कर सका। इसके अलावा वह एक युवती से प्रेम करता था, जिसका शिक्षक पद पर चयन हो गया था। परिजनों के अनुसार पहले दोनों की शादी तय थी, लेकिन बाद में युवती के परिवार ने कहीं और विवाह तय कर दिया। परीक्षा में असफलता और रिश्ता टूटने के दोहरे सदमे से वह गहरे तनाव में चल रहा था। मृतक के पिता अशोक तिवारी रेलवे में टीटीई के पद से एक वर्ष पहले सेवानिवृत्त हुए हैं। दीपक चार भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर था। शिवपुर थाना प्रभारी अजीत कुमार वर्मा ने बताया कि पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

केजीबीवी भर्ती में ईडब्ल्यूएस आरक्षण पर उठे सवाल, अभ्यर्थियों ने मांगी पूरी जानकारी

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय (केजीबीवी) की संविदा भर्ती प्रक्रिया में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) आरक्षण को लेकर अभ्यर्थियों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि कट-ऑफ सूची जारी होने के बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि भर्ती प्रक्रिया में ईडब्ल्यूएस आरक्षण का पालन किस प्रकार किया गया। अभ्यर्थियों का कहना है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में संविधान के 103वें संशोधन के माध्यम से आर्थिक रूप से कमजोर सामान्य वर्ग के पात्र अभ्यर्थियों के लिए शिक्षा और सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया था। इसके लिए संविधान में अनुच्छेद 15(6) और 16(6) जोड़े गए, ताकि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को समान अवसर मिल सके। अभ्यर्थियों का आरोप है कि केजीबीवी भर्ती में अब तक यह सार्वजनिक नहीं किया गया कि कुल रिक्त पदों में ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए कितने पद निर्धारित किए गए, कितने अभ्यर्थियों का चयन इस श्रेणी में हुआ तथा आरक्षण रोस्टर का पालन किस प्रकार किया गया। उनका कहना है कि यदि यह जानकारी सार्वजनिक कर दी जाए तो भर्ती प्रक्रिया को लेकर उठ रहे अधिकांश विवाद स्वतः समाप्त हो सकते हैं। अभ्यर्थियों ने जिला प्रशासन और बेसिक शिक्षा विभाग से मांग की है कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए स्वीकृत पदों की संख्या, आरक्षण रोस्टर, चयनित अभ्यर्थियों का विवरण तथा यदि किसी पद पर ईडब्ल्यूएस आरक्षण लागू नहीं किया गया तो उसके नियम और कारण भी सार्वजनिक किए जाएं।

भगवान शिव को समर्पित सावन माह पर धर्म ज्ञाताओं व बुद्धिजी नागरिकों की भावनाएं

प्रात: किरण सुशील शर्मा

लोनी ' भगवान शिव को समर्पित सावन का पवित्र महीना चल रहा है जो न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि प्रकृति और पर्यावरण के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है. इस माह शिव भक्त कावड़िया विभिन्न स्थानों से पवित्र गंगा जल लाकर भगवान भोले शंकर के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं. हिंदूओ की आस्था के प्रतीक इस सावन माह के संदर्भ को लेकर इस प्रतिनिधि ने कुछ धर्म ज्ञाताओं व बुद्धिजीवों से बातचीत की तो उनके भाव कुछ इस प्रकार थेः - समाज सेवी नारायणा निवासी नरेंद्र तवर ने कहा कि सावन का महीना भगवान शिव को बहुत प्रिय हैं जो हिंदू धर्म में भगवान शिव की पूजा के लिए बहुत ही खास माना जाता है। यह महीना आध्यात्मिक और प्राकृतिक रूप से महत्वपूर्ण है, जिसमें प्रकृति हरी-भरी हो जाती हैं. इस महीने में भगवान शिव की पूजा, व्रत और रुद्राभिषेक का विशेष महत्व है। -शिव ओम शर्मा के अनुसार भगवान शिव को समर्पित सावन माह में आस्थावन शिवलिंग पर जल, दूध, बेलपत्र और अन्य सामग्रियां चढ़ाते हैं. यह महीना आत्म-चिंतन, ध्यान और आध्यात्मिक जुड़ाव का समय है. इस माह में महाशिवरात्रि पर्व मनाया जाता है. शिव भक्त कावड़िया विभिन्न स्थानों से पवित्र जल लाकर मुख्य रूप से चौदस के दिन भोले नाथ के शिवलिंग का जलाअभिषेक करते हैं। पंडित राकेश आचार्य गोवर्धन वालों ने बताया कि वर्ष में एक महाशिवरात्रि और 11 शिवरात्रियां पड़ती हैं, जिन्हें मासिक शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है. इस तरह से 12 शिवरात्रि होती हैं. हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी पर शिवरात्रि मनाई जाती है, जिसे मासिक शिवरात्रि कहा जाता है. श्रावण मास की शिवरात्रि को सावन शिवरात्रि या महाशिवरात्रि कहा जाता है जो बड़े ही धूमधाम से एक पर्व के रूप में मनाई जाती है. यह महीना भगवान शिव को समर्पित है और उनकी पूजा के लिए अत्यंत शुभ होता है. इसी माह की शिव चौदस को शिव भक्त कावड़िया हरिद्वार आदि से पवित्र जल लाकर भगवान शंकर के शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं. उन्होंने बताया कि आगामी शिवरात्रि (चतुर्दशी) पर भगवान शिव को जल 11 अगस्त 2026 को सुबह 04: 54 बजे से चढ़ाना शुरू किया जा सकेगा। क्योंकि इसी समय चतुर्दशी तिथि का आरंभ होगा। यह जल अभिषेक 12 अगस्त 2026 की रात 1:52 बजे तक (चतुर्दशी तिथि के समापन तक) किया जा सकेगा। -धर्म प्रेमी शकरपुर निवासी जगदीश प्रसाद शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि शिवरात्रि को चार प्रहरों की पूजा का विशेष विधान है. शिव भक्त रात्रि के प्रत्येक प्रहर में अलग-अलग सामग्रियों से शिव का रुद्राभिषेक करते हैं. जल, दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल से भगवान शिव का अभिषेक किया जाता है तथा अलग-अलग भोग, फूल और मंत्र अर्पित किए जाते हैं. धार्मिक मान्यतानुसार पूरी रात्रि जागरण और पूजा, भक्तों की सारी बाधाओं को दूर करती है और विशेष पुण्य की प्राप्ति होती है। -डॉ. प्रमेंद्र जांगड़ा (प्रदेश मंत्री भाजपा) के अनुसार पौराणिक कथा की माने तो समुद्र मंथन के दौरन 14 कीमती रत्नो में पहला रत्न खतरनाक विष था जिसको लेकर देव दानव के बीच असमंजस की स्थिति बन गई. थी. अंत में शिव ने उस विष को पी लिया जो बहुत खतरनाक था. इसलिए उन्होंने उसे अपने कंठ में ही रोक लिया जिससे उनका गला नीला पड़ गया, इसीलिए वह नीलकंठ कहलाए. चूंकि विष का असर काफी घातक था तो महादेव के शरीर में तेज जलन और दर्द होने लगा. देवताओं ने यह देख तुरंत उन्हें इससे मुक्ति दिलाने के लिए पवित्र नदियों के शीतल जल से उनका अभिषेक करना शुरू कर दिया जिससे उनके शरीर की जलन शांत हुई. तभी से जलाभिषेक किया जाने लगा. मान्यता है कि हर साल सावन में उस विष का प्रभाव महादेव के शरीर पर होता है और इसी लिए इस माह जलाभिषेक का अधिक महत्व हैं.

बिजनौर में लम्पी स्किन रोग को लेकर हाई अलर्ट, पशु परिवहन और मेलों पर रोक

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जनपद में लम्पी स्किन डिजीज (एलएसडी) के संभावित संक्रमण को देखते हुए जिला प्रशासन ने एहतियाती कदम उठाते हुए गोवंश एवं महिषवंशीय पशुओं के अंतरराज्यीय परिवहन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। साथ ही आगामी आदेशों तक पशु बाजारों और पशु मेलों के आयोजन पर भी रोक लगा दी गई है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने बताया कि उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा सहित सीमावर्ती क्षेत्रों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में लम्पी स्किन रोग के मामले सामने आए हैं। बिजनौर सीमावर्ती जनपद होने के कारण संक्रमण की रोकथाम के लिए विशेष सतर्कता बरती जा रही है। यह वायरस जनित संक्रामक रोग है, जो मुख्य रूप से मच्छरों, मक्खियों एवं अन्य वाहक कीटों के माध्यम से फैलता है। डीएम ने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जनपद में व्यापक सर्विलांस अभियान चलाया जाए तथा किसी भी संदिग्ध या पुष्ट मामले की सूचना मिलते ही तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। प्रभावित क्षेत्रों में रिंग टीकाकरण कर संक्रमण को सीमित रखने के प्रभावी उपाय सुनिश्चित किए जाएं। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत अन्य राज्यों से आने वाले गोवंशीय पशुओं को तभी प्रवेश दिया जाएगा, जब उनके पास पूर्ण टीकाकरण का वैध चिकित्सा प्रमाण-पत्र हो और उसका विवरण भारत पशुधन एप पर अपलोड किया गया हो। साथ ही पशुपालक के आधार नंबर तथा पशुओं की ईयर टैगिंग का सत्यापन भी अनिवार्य रहेगा। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को शासन के निर्देशों का कड़ाई से पालन कराने तथा जनपद में लम्पी स्किन रोग की रोकथाम के लिए सतत निगरानी एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं।

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का डीएम ने किया निरीक्षण, 11 किमी बांध निर्माण की मांग शासन को भेजने का आश्वासन

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने गुरुवार को तहसील चांदपुर एवं विकासखंड जलीलपुर क्षेत्र में संभावित बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए चांदपुर से हस्तिनापुर तक बाढ़ प्रभावित एवं क्षतिग्रस्त मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पांडव नगर चौकी, जलालपुर खादर, रायपुर खादर तथा खानपुर दमाल क्षेत्र का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनीं। निरीक्षण के दौरान ग्रामीणों ने लगभग 11 किलोमीटर क्षेत्र में बाढ़ सुरक्षा के लिए बांध निर्माण की मांग उठाई। इस पर जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया कि प्रस्ताव को शासन स्तर पर प्रभावी ढंग से भेजा जाएगा और आवश्यक स्वीकृतियां मिलने के बाद बांध निर्माण कार्य शीघ्र शुरू कराने का प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने बताया कि वर्तमान में क्षेत्र में बाढ़ जैसी कोई गंभीर स्थिति नहीं है, फिर भी ग्रामीणों को सतर्क रहने तथा प्रशासन की ओर से जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसी भी आपात स्थिति में सुरक्षित स्थानों पर जाने में लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान लोक निर्माण विभाग (प्रांतीय खंड) मेरठ के सहायक अभियंता ने बताया कि चांदपुर-हस्तिनापुर मार्ग पर वर्षा और बाढ़ के पानी की निकासी के लिए 14 पुलियों एवं गाइड बांध के निर्माण का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इसके लिए संशोधित अनुमान शासन को स्वीकृति हेतु भेजा जा चुका है। स्वीकृति मिलते ही निर्माण कार्य प्राथमिकता के आधार पर शुरू कराया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी चांदपुर, तहसीलदार चांदपुर, लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

कांवड़ यात्रा को लेकर एनएचएआई की तैयारी पूरी, एनएच-74 पर सुरक्षा के विशेष इंतजाम

प्रात: किरण अवनीश त्यागी

बिजनौर। कांवड़ यात्रा-2026 को सुरक्षित एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने राष्ट्रीय राजमार्ग-74 (हरिद्वार-नगीना खंड) पर व्यापक व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। यह कार्य जिलाधिकारी जसजीत कौर के निर्देशों के क्रम में किया गया है। परियोजना निदेशक संकेश शर्मा ने बताया कि यातायात पुलिस द्वारा चिन्हित स्थानों पर आरसीसी क्रैश बैरियर लगाकर मीडियन कट बंद कर दिए गए हैं, जिससे अनावश्यक क्रॉसिंग रोकी जा सके और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका कम हो। उन्होंने बताया कि कांवड़ यात्रियों एवं अन्य वाहन चालकों की सुविधा के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग-74 पर विभिन्न स्थानों पर वाटरफिल बैरियर लगाकर आवश्यकतानुसार यातायात डायवर्जन की व्यवस्था भी की गई है, जिससे यातायात का संचालन सुरक्षित एवं सुचारु रूप से हो सके। रात्रिकालीन आवागमन को ध्यान में रखते हुए हाईवे पर स्ट्रीट लाइट एवं हाई मास्ट लाइटों के माध्यम से पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था भी सुनिश्चित की गई है, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने आमजन एवं वाहन चालकों से कांवड़ यात्रा के दौरान जारी यातायात व्यवस्था का पालन करने तथा पुलिस एवं प्रशासन द्वारा दिए जा रहे निर्देशों का अनुपालन कर सुरक्षित यातायात संचालन में सहयोग देने की अपील की है।

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में बारिश के दौरान मकान ढहा, एक ही परिवार के छह सदस्यों की मौत

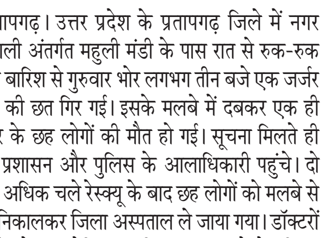

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में नगर कोतवाली अंतर्गत महुली मंडी के पास रात से रुक-रुक हो रही बारिश से गुरुवार भोर लगभग तीन बजे एक जर्जर मकान की छत गिर गई। इसके मलबे में दबकर एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस के आलाधिकारी पहुंचे। दो घंटे से अधिक चले रेस्क्यू के बाद छह लोगों को मलबे से बाहर निकालकर जिला अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने सभी को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में परिवार का केवल एक सदस्य जीवित बच सका है। पुलिस क्षेत्राधिकारी (नगर) आशुतोष मिश्रा ने बताया कि हादसे में प्रमोद श्रीवास्तव (60), उनकी पत्नी रीता श्रीवास्तव (55), बेटे नितिन (25), माधुरी (23), माधव (2), चार माह के मासूम की जान चली गई।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, शुक्रवार, 07 अगस्त, 2026

'करुप्पू' के समय संकट पर बोले सूर्या

साउथ के बेहतरीन अभिनेता सूर्या 'करुप्पू' को लेकर चर्चा में रहे। उनकी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने फिल्म की रिलीज से पहले आर्थिक मुश्किलों और बुरे दौर में अपनी पत्नी और एक्ट्रेस ज्योतिका के साथ खड़े रहने के बारे में खुलकर बात की। सूर्या ने बताया कि फिल्म की रिलीज से ठीक पहले उन्हें अचानक आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ा। इसकी वजह से उन्हें फिल्म को रिलीज करने के लिए और पैसे उधार लेने पड़े। उन्होंने माना 'यह न सिर्फ प्रोफेशनल बल्कि पर्सनल नजरिए से भी एक बड़ा रिस्क था।'

सूर्या ने की पत्नी की तारीफ

सूर्या ने कहा 'यह एक बहुत बड़ा आर्थिक झटका था, जो मुझे आखिरी समय में लगा। ज्योतिका को मुझ पर भरोसा था और उन्होंने एक्स्ट्रा लोन लेने के मेरे फैसले का समर्थन किया। अगर कुछ भी गलत होता, तो हम सभी को उसका नतीजा भुगतना पड़ता। आप इंडस्ट्री में चाहे कितने भी समय से हों, कुछ चीजें आपके कंट्रोल में नहीं होतीं। अनजान रास्ते पर कदम रखना भरोसे का काम था और मुझ पर उनके भरोसे ने मुझे आगे बढ़ने की हिम्मत दी।'

पत्नी ने नहीं लिया श्रेय

हालांकि ज्योतिका ने इसका क्रेडिट अपने पति को दिया। उनके मुताबिक यह फैसला पूरी तरह सूर्या का था। मैं फिल्म को रिलीज कराने की उनकी चिंता की तारीफ करती हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं इस तारीफ की हकदार हूं। यह सब उनकी अपनी पसंद और उनका अपना काम था। हमने हर चीज के बारे में बात की, चाहे वह काम हो या बच्चों की परवरिश, लेकिन यह उनकी दरियादिली और फिल्म को बनाने का उनका पक्का इरादा था।

सूर्या ने अदा किया शुक्रिया

उन्होंने डायरेक्टर आरजे बालाजी की लगन की तारीफ की। उन्होंने फिल्म के लिए लगभग ढाई साल तक काम किया और मुश्किल समय में साथ देने के लिए फाइनेंसरों और डिस्ट्रीब्यूटरों का शुक्रिया अदा किया।

'टॉक्सिक' के लिए ट्रोल हो रहीं कियारा आडवाणी के समर्थन में बोलीं हुमा कुरैशी

दरअसल, 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' में कियारा आडवाणी और यश के इंटीमेट सीन्स को लेकर सोशल मीडिया पर काफी आलोचना हो रही है। कुछ लोग कियारा के शादीशुदा होने और मां बनने के बाद ऐसे सीन्स करने पर सवाल उठा रहे हैं। वहीं, यश भी शादीशुदा हैं, लेकिन उन्हें इस मामले में काफी कम आलोचना का सामना करना पड़ा है।

मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे

इस मुद्दे पर बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि उन्हें लगता है कि फिल्म 'टॉक्सिक' आखिर में सबको गलत साबित करेगी। उनका इशारा इस बात की तरफ था कि फिल्म रिलीज होने के बाद आलोचना अपने आप शांत हो जाएगी। युवा के शो 'बी ए मैन यार' में बातचीत के दौरान निखिल तनेजा ने यह मुद्दा उठाया कि कियारा को यश से ज्यादा ट्रोल किया जा रहा है। इस पर हुमा ने कहा, 'ये बहुत बीमार है, घिनौना है। लेकिन मुझे लगता है कि इस फिल्म की महिलाएं आखिर में हंसेंगी। हर चीज को डिफेंड करने का कोई मतलब नहीं है, क्योंकि आप शब्दों से लोगों की सोच नहीं बदल सकते। मैं चाहूंगी कि फिल्म ही इसका जवाब दे।'

कियारा की हो रही ट्रॉलिंग

गौरतलब है कि 'टॉक्सिक' के गाने 'तबाही' के रिलीज होने के बाद से ही कियारा आडवाणी को उनके इंटीमेट और बोल्ड सीन्स के लिए लगातार ट्रोल किया जा रहा है। मामला सिर्फ यहीं तक नहीं रुका, बल्कि ट्रोल्स ने उनके पति सिद्धार्थ मल्होत्रा को भी निशाना बनाया और उनके सोशल मीडिया पोस्ट्स पर भी इसी तरह के कमेंट करने लगे।

'टॉक्सिक' के बारे में

इस फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और यह 26 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म में यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया और हुमा कुरैशी जैसे बड़े सितारे नजर आएंगे।

दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है 'स्ले टू द रिदम'

अभिनेत्री और गायिका नोरा फतेही ने हाल ही में अपना नया गाना 'स्ले टू द रिदम' रिलीज किया है। इस गाने को संजॉय ने लिखा है और इसमें यासीन इदरीसी और नोरा फतेही की आवाज है।

'चैंपियंस' और 'लॉक्ड इन' की कामयाबी के बाद नए गाने 'स्ले टू द रिदम' ने दर्शकों का उत्साह बढ़ा दिया है। यह गाना अपनी शानदार बीट्स, जोश भरे विजुअल्स, जबरदस्त रिदम के साथ डांस और म्यूजिक को लेकर चर्चा में है। जब से इसकी पहली झलक सामने आई है, फैंस इसका आनंद ले रहे हैं।
नोरा फतेही ने इस नए गाने को लेकर अपना उत्साह जाहिर करते हुए बातचीत में कहा, 'यह एक जबरदस्त गाना है। यह दुनिया भर के म्यूजिक और डांसर्स को एक ट्रिब्यूट है। यह गाना इस बात का सबूत है कि कैसे इसने दुनियाभर के लोगों को जोड़ा है। इसने मुझ जैसे आर्टिस्ट के लिए कई रास्ते खोले हैं। यह म्यूजिक और डांस का जश्न है।' उन्होंने कहा, 'ये दोनों चीजें ही हैं जिन्होंने मेरे लिए कई रास्ते खोले और मुझे आप सभी से जोड़ा! डांस और म्यूजिक ने मुझे दुनिया भर की सैर कराई और नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया! मुझे उम्मीद है कि यह गाना आपको समाज की सोच से आजाद होने और हमेशा अपने दिल की बात सुनने के लिए प्रेरित करेगा।'

गाने के आखिर में दिया गया क्रेडिट

म्यूजिक वीडियो में शामिल सभी डांसर्स और परफॉर्मर्स को गाने के आखिर में क्रेडिट दिया गया है और उनके योगदान को दिखाने के लिए उन्हें खास स्क्रीन टाइम भी दिया गया है।
नोरा नए आर्टिस्ट्स को देती हैं प्लेटफॉर्म
नोरा अपने चल रहे 'डांस विद नोरा' प्रोजेक्ट के जरिए दुनिया भर के डांसर्स, परफॉर्मर्स और नए आर्टिस्ट्स को एक प्लेटफॉर्म देती रहती हैं। यह प्रोग्राम युवा टैलेंट को अपनी काबिलियत दिखाने, पहचान बनाने और अपने लक्ष्यों को पाने के लिए अपना जोश बनाए रखने में मदद करता है।

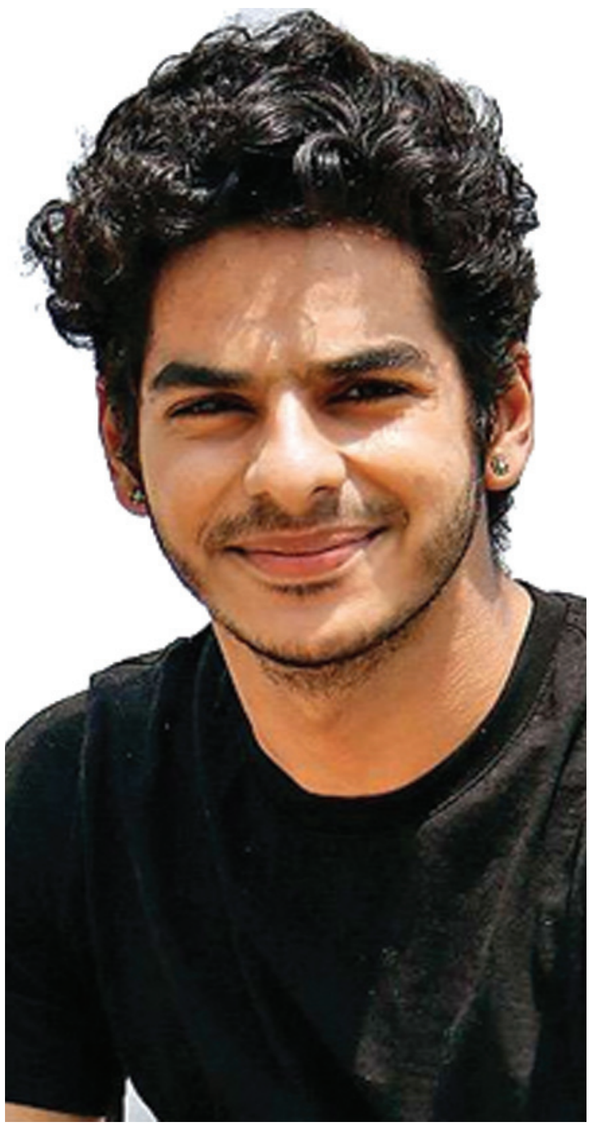

जाह्नवी कपूर संग रीयूनियन पर भावुक हुए ईशान खट्टर

अभिनेता ईशान खट्टर ने शुक्रवार को अपनी पहली को-स्टार जाह्नवी कपूर के साथ हैप्पी मूमेंट शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर खास पोस्ट कर फैंस को पुरानी यादों से रूबरू कराया। अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर जाह्नवी के साथ तस्वीर शेयर की, जिसके साथ उन्होंने लिखा, 'कुछ रीयूनियन ऐसा एहसास दिलाते हैं कि जैसे समय बीता ही नहीं है। जाह्नवी कपूर।' शेयर की गई तस्वीर में ईशान मैचिंग पगड़ी के साथ आइवरी शेरवानी पहने हुए दिख रहे हैं और जाह्नवी भारी कढ़ाई वाले मैरून लहंगे के साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी में बहुत खूबसूरत लग रही हैं। दोनों एक सीढ़ी पर बैठे, एक-दूसरे का हाथ पकड़े और तस्वीर के लिए पोज देते हुए दिख रहे हैं।
इस रीयूनियन ने फैंस को 2018 में रिलीज हुई 'धड़क' में उनकी सफल ऑन-स्क्रीन जोड़ी की याद दिला दी, जिसमें जान्हवी कपूर ने ईशान के साथ लीड एक्ट्रेस के तौर पर बॉलीवुड डेब्यू किया था। शशांक खेतान द्वारा डायरेक्टेड और धर्मा प्रोडक्शंस, जी स्टूडियोज और क्लाउड 9 पिक्चर्स द्वारा प्रोड्यूस की गई। यह रोमांटिक ड्रामा नागराज मंजुले की मशहूर मराठी ब्लॉकबस्टर 'सैराट' का ऑफिशियल हिंदी रीमेक थी, जो 2016 में रिलीज हुई थी।
जाह्नवी और ईशान के बीच की केमिस्ट्री को दर्शकों द्वारा काफी पसंद किया गया था और इसने उन्हें साल की सबसे चर्चित फ्रेश ऑन-स्क्रीन जोड़ियों में से एक बना दिया था। दोनों आज भी करीबी दोस्त हैं और पिछले कुछ साल में इंडस्ट्री इवेंट्स और पब्लिक अपीयरेंस में भी साथ दिखे हैं। उन्हें आखिरी बार नीरज घायवान की 'होमबाउंड' में एक साथ देखा गया था, जिसमें जान्हवी कपूर, ईशान खट्टर और विशाल जेठवा ने एक्टिंग की थी। फिल्म की कहानी बचपन के दो दोस्तों, चंदन (विशाल जेठवा) और शोएब (ईशान खट्टर) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पुलिस सेवा परीक्षा पास करने और बेहतर जीवन जीने का सपना देखते हैं। 98वें अकादमी पुरस्कार (ऑस्कर 2026) में सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म श्रेणी की शीर्ष 15 शॉर्टलिस्ट फिल्मों में शामिल किया गया है।

फर्क नहीं पड़ता... दुनिया अनफेयर है, अपना गेम खेलो

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को फिल्मों में मौका दिए जाने को लेकर अक्सर बहस होती रहती है। कुछ लोग इसे टैलेंट का विस्तार मानते हैं, तो कुछ इसे संघर्ष कर रहे कलाकारों के साथ नाइंसाफी बताते हैं। लेकिन करोड़ों फॉलोअर्स वाली डिजिटल स्टार और अब बॉलीवुड में कदम रखने जा रहीं निहारिका हरूइस पूरी बहस को एक ही लाइन में खत्म कर देती हैं - 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता... दुनिया अनफेयर है, अपना गेम खेलो।'
चेन्नई में जन्मीं और बेंगलुरु में पली-बढ़ीं निहारिका ने अपने अलग अंदाज के कॉमिक कंटेंट से डिजिटल दुनिया में खास पहचान बनाई है। वह 'फोर्ब्स एशिया 30 अंडर 30' में जगह बना चुकी हैं और 'फोर्ब्स की शीर्ष डिजिटल स्टार्स' की सूची में भी शामिल रह चुकी हैं। उन्होंने राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' से हिंदी फिल्मों में डेब्यू किया है।

'मुझे स्क्रिप्ट देखकर लगा, दर्शक होती तो यह फिल्म जरूर देखती'

निहारिका बताती हैं कि फिल्म का ऑफर मिलते ही उन्हें इसकी कहानी पसंद आ गई। वह कहती हैं, 'मुझे स्क्रिप्ट बहुत अच्छी लगी। डायरेक्टर बहुत अच्छे लगे और पूरी टीम यंग और फ्रेश थी। राघव भी थे, इसलिए पूरा पैकेज ही एक्साइटिंग था। मैं हमेशा दर्शक के नजरिए से सोचती हूं। अगर मैं खुद ऑडियंस होती, तो क्या यह फिल्म देखने जाती? जब इसका जवाब 'हां' था, तभी मैंने फिल्म करने का फैसला लिया।'

राघव जुयाल उड़ाते हैं मेरी इंग्लिश का मजाक

सेट पर माहौल कैसा रहता था? इस सवाल पर निहारिका हंस पड़ती हैं। वह कहती हैं, 'राघव मेरी इंग्लिश और मेरे एक्सेंट का बहुत मजाक उड़ाता है। वैसे जब कोई साउथ से आता है तो लोग ऐसी चीजों पर मजाक कर ही लेते हैं। लेकिन यह सब बहुत पॉजिटिव तरीके से होता है। फिर मैं भी उसे छोड़ती नहीं हूं। हम दोनों एक-दूसरे की खूब खिंचाई करते थे। इसी वजह से सेट का माहौल हमेशा हल्का और मजेदार बना रहता था।'

सोशल मीडिया स्टार्स को फिल्में क्यों मिलती हैं? मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता'

इंडस्ट्री में सोशल मीडिया फॉलोअर्स के आधार पर कास्टिंग होने की बहस पर निहारिका ने बेबाकी से अपनी राय रखी। वह कहती हैं, 'मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कौन क्या सोचता है। अगर मैं 10 साल से मेहनत कर रही हूं और मुझे अच्छी फिल्म मिल रही है तो मैं जरूर करूंगी। अगर अनफेयर की बात हो रही है, तो दुनिया ही अनफेयर है। इसे बदल नहीं सकते, इसलिए उसी हिसाब से अपना गेम खेलना चाहिए। अगर किसी को सोशल मीडिया से दिक्कत है तो वह भी सोशल मीडिया बना ले। मेरे बारे में कोई कुछ भी बोले, उसका ओपिनियन अपनी जगह सही हो सकता है। मैं लोगों की राय समझती हूं, लेकिन आखिर में करूंगी वही जो मुझे सही लगता है।'

हमारे पास बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता

डिजिटल स्टार होने की वजह से लोगों की उम्मीदें भी अलग होती हैं। इस पर निहारिका कहती हैं, 'हर कदम पर खुद को साबित करना पड़ता है। हमारे पास सबके सामने बार-बार असफल होने का मौका नहीं होता। दूसरे लोगों को कई मौके मिल जाते हैं... लेकिन बाहर से आने वालों के लिए ऐसा नहीं होता। इसलिए मैं हमेशा बहुत सजग रहती हूं। लेकिन मुझे खुद पर भरोसा है कि मैं कुछ न कुछ रास्ता निकाल ही लूंगी। मैंने पांच भाषाएं सीखी हैं, इसलिए कहीं न कहीं काम जरूर मिल जाएगा।'

साउथ और हिंदी इंडस्ट्री में बड़ा फर्क नहीं, बस भाषा और कल्चर बदलता है

साउथ फिल्मों में काम करने के बाद हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने को लेकर निहारिका का नजरिया काफी सहज है। वह कहती हैं, 'सच बताऊं तो मुझे कोई बहुत बड़ा फर्क महसूस नहीं हुआ। बस भाषा अलग है और थोड़ा-सा कल्चर बदल जाता है। अच्छी कहानियां और अच्छा काम अब भाषा और बॉर्डर नहीं देखते। मुझे जहां भी अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला, वहां का अनुभव शानदार रहा। सबसे जरूरी बात यह है कि मैं आज भी अपने काम को उतना ही एंजॉय करती हूं।'

संक्षिप्त समाचार

आर्बिट्रेज फंड के निवेशकों के लिए एक हैरान करने वाली खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्बिट्रेज फंड के निवेशकों के लिए एक हैरान करने वाली खबर आई। उनके पोर्टफोलियो की नेट असेट वैल्यू एक ही दिन में औसतन 0.46 प्रतिशत बढ़ गई। अगर सालाना हिसाब से देखें, तो यह 167 प्रतिशत का रिटर्न बैठता है। अब सवाल यह है कि ऐसे फंड्स में इतना बड़ा उछाल कैसे आया, जो साल भर में मुश्किल से 7 प्रतिशत या दिन का महज 0.02 प्रतिशत रिटर्न देते हैं दरअसल, यह सब नैशनल स्टॉक एक्सचेंज द्वारा स्टॉक्स के लिए शुरू किए गए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के पहले ही दिन हुआ। फंड मैनेजर्स का कहना है कि नए सिस्टम की शुरुआती अड़चनों की वजह से के आंकड़ों में यह असामान्य बदलाव दिखा है। ष्ठस्क्रम्यूचुअल फंड के फंड मैनेजर कैवल्य नडकर्णी ने को बताया कि आर्बिट्रेज फंड्स के लिए सिस्टम ने सौदे पूरे करने और हेजिंग (जोखिम कम करने की प्रक्रिया) में कुछ चुनौतियां पैदा कर दी हैं। आर्बिट्रेज रणनीति में आमतौर पर कैश मार्केट और डेरिवेटिव मार्केट में एक साथ विपरीत पोजीशन ली जाती है। नडकर्णी ने बताया कि चूंकि कैश मार्केट 3:15 बजे बंद हो जाता है, जबकि इक्विटी डेरिवेटिव मार्केट 3:40 बजे तक चलता रहता है। इसलिए दोनों तरफ एक साथ पोजीशन बनाना और जोखिम को मैनेज करना अब ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गया है। फंड मैनेजर्स ने निवेशकों को चेतावनी दी है कि वे बिना किसी जोखिम के मोटा मुनाफा कमाने के लालच में आर्बिट्रेज फंड्स में ट्रेडिंग न करें। एक्सपर्ट का कहना है कि शॉर्ट टर्म में एनएवी के उतार-चढ़ाव को अलग से नहीं देखना चाहिए। सोमवार को जो बढ़त दिखी, वह काफी हद तक वैल्यूएशन का असर है। जैसे ही कैश और फ्यूचर्स की कीमतें सामान्य होंगी, यह बढ़त किसी भी समय वापस कम हो सकती है। एमएफ के प्रेसिडेंट भावेश जैन ने बताया कि आर्बिट्रेज का फायदा पहले से तय होता है और पूरा रिटर्न एक्सपायरी वाले दिन ही मिलता है। लेकिन इस बीच, रोजमर्रा के आधार पर काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। नए नियमों से शुरुआती दिनों में वोलैटिलिटी बढ़ेगी। जैन ने सलाह दी कि इस उतार-चढ़ाव से बचने के लिए निवेशकों को आर्बिट्रेज फंड्स में अपना निवेश कम से कम 6 महीने के लिए रखना चाहिए, जबकि पहले यह अवधि 3 महीने की हुआ करती थी। नए क्लोजिंग ऑक्शन सेशन के कारण आर्बिट्रेज फंड्स के में अचानक 0.46 प्रतिशत की बढ़त दिखी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, यह मुनाफा 'वैल्यूएशन इफेक्ट' है और कीमतों के सामान्य होते ही यह घट सकता है। निवेशकों को सलाह दी गई है कि वे आर्बिट्रेज फंड्स में होल्डिंग पीरियड को 3 महीने से बढ़ाकर 6 महीने कर दें। नया सिस्टम अभी शुरुआती दौर में है, ह्रस्श्च पर इसका कुल टर्नओवर में योगदान मात्र 2.2 प्रतिशत है।

8वें वेतन आयोग से पहले डीए में 3 प्रतिशत का इजाफा तय, 63 प्रतिशत होगा महंगाई भत्ता

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के एक करोड़ से अधिक कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए जुलाई 2026 में महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है। लेबर ब्यूरो ने जून 2026 का डेटा जारी कर दिया है, जिसके बाद अब जुलाई में होने वाली रिवीजन की गणना पूरी हो चुकी है। लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, केंद्रीय कर्मचारियों को 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिल सकती है, जिसके बाद 60 प्रतिशत से बढ़कर 63 प्रतिशत हो जाएगा। जुलाई 2026 की यह रिवीजन 7वें वेतन आयोग के तहत आखिरी बड़ी बढ़ोतरी हो सकती है। हालांकि सरकार ने 8वें वेतन आयोग का गठन कर दिया है, लेकिन उसकी सिफारिशें आने में अभी समय है। जब तक नया सैलरी स्ट्रक्चर लागू नहीं होती, तब तक सभी रिवीजन मौजूदा 7वें वेतन आयोग के तहत ही होंगे। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले लेबर ब्यूरो ने जून 2026 का कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स फॉर इंडस्ट्रियल वर्कर्स जारी कर दिया है। यह आंकड़ा 151.9 दर्ज किया गया है, जो मई 2026 के 150.8 से अधिक है।

सोने के भाव 48 घंटे में 5750 चढ़े, चांदी ने लगाई 11000 की छलांग

नईदिल्ली, एजेंसी। पिछले 48 घंटों में सोने-चांदी के दाम में भारी तेजी देखने को मिली है। एमसीएक्स पर सोना बुधवार रात साढ़े 11 बजे के करीब 148650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। जबकि, चांदी 227490 रुपये प्रति किलो पर बंद होने में कामयाब रही। इससे पहले सोमवार रात सोना 142900 रुपये पर बंद हुआ था। यानी 48 घंटे में सोने के भाव 5750 रुपये चढ़ गए। वहीं, चांदी इस अवधि में 216506 रुपये प्रति किलो से 227590 रुपये पर पहुंच गई। यानी चांदी ने 11084 रुपये की छलांग लगा चुकी है।

फिर भी ऑल टाइम हाई से सस्ते हैं सोना-चांदी

एमसीएक्स के आंकड़ों के अनुसार, 29 जनवरी को सोना 1,93,096 रुपये के रिकॉर्ड हाई पर था और तब से लेकर अब तक 44446 रुपये तक सस्ता हो चुका है। वहीं, एमसीएक्स सिल्वर का ऑल टाइम हाई 4,20,048 रुपये है और यह 192458 रुपये सस्ता हो चुका है।

इंटरनेशल मार्केट में भी उछाल: सोने के भाव में एक प्रतिशत से अधिक का इजाफा हुआ और यह 4,300 डॉलर प्रति औंस के स्तर को पार कर गया। एक दिन पहले ही इसमें 4.1 फीसदी की मजबूती आई थी, जो तीन फरवरी के बाद की सबसे तेज रफ्तार है। सिंगापुर में सुबह साढ़े नौ बजे सोना 1 फीसदी चढ़कर 4,287.95 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। चांदी 0.2 फीसदी बढ़कर 62.19 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई, जबकि पिछले सत्र में इसमें 4 फीसदी से अधिक की तेजी आई थी।

ईरान-ओमान समझौते से बनी उम्मीदः हाल के दिनों में सोने की कीमतों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली है। पिछले छह महीनों में यह सबसे बड़ी बढ़त है, जिसकी मुख्य वजह होर्मुज को फिर से खोलने को लेकर बनी सकारात्मक संभावनाएं हैं। इस खबर ने तेल की बढ़ती कीमतों से पैदा हुए दबाव को कम कर दिया है, जिससे फेडरल रिजर्व पर ब्याज दरें बढ़ाने का दबाव भी घटा है।

ट्रंप का बयान और अमेरिका-ईरान वार्ताः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ बातचीत जारी है और वे देखेंगे कि आगे क्या होता है। उन्होंने युद्ध के बजाय समझौते के जरिए मामले को सुलझाने की प्राथमिकता जताई। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अमेरिकी समयानुसार बुधवार तक कोई समझौता संभव है। बाजार पर असर और ब्याज दरों की उम्मीदेंः पांच महीने से चल रहे संघर्ष में सुलह की संभावनाओं ने बाजार की धारणा बदल दी है। अब निवेशकों को इस साल के अंत तक केवल एक बार ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद है, जबकि पिछले हफ्ते तक दो बार बढ़ोतरी की संभावना जताई जा रही थी। गोल्ड जैसी कीमती धातुओं के लिए ब्याज दरों में कमी सकारात्मक संकेत है, क्योंकि इन पर कोई ब्याज नहीं मिलता। फरवरी के अंत में अमेरिका-ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से सोने की कीमत लगभग पांचवें हिस्से तक गिर गई थी।

मुकेश अंबानी ने जितना जिंदगीभर कमाया, एलन मस्क ने उससे ज्यादा एक दिन में गंवाया

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क की नेटवर्थ में बुधवार को भारी गिरावट देखने को मिली। उनकी कंपनी स्पेसएक्स के शेयरों में बुधवार को 13.61 प्रतिशत गिरावट आई जबकि टेस्ला का शेयर भी 1.77 प्रतिशत लुढ़क गया। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक इससे मस्क की नेटवर्थ में 89.6 अरब डॉलर की गिरावट आई। यह रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 85.7 अरब डॉलर से ज्यादा है। इसके साथ ही मस्क की नेटवर्थ 687 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ 68.1 अरब डॉलर की तेजी आई है। बुधवार को दुनिया के 10 टॉप रईसों में से 8 की नेटवर्थ में गिरावट आई। मस्क के बाद सबसे ज्यादा नुकसान लैरी पेज को हुआ। गूगल के कोफाउंडर की नेटवर्थ 11.5 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ 309 अरब डॉलर रह गई। उनके जोड़ीदार सर्गेई ब्रिन को 10.5 अरब डॉलर की चपत लगी। वह 288 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में चौथे नंबर पर खिसक गए। ऐमजॉन के फाउंडर जेफ बेजोस 292 अरब डॉलर की तेजी के साथ अब तीसरे नंबर पर आ गए हैं। कमाई करने वाले माइकल डेल 239 अरब डॉलर के साथ पांचवें नंबर पर हैं। मार्क जकरबर्ग (210 अरब) इस लिस्ट में छठे, लैरी एलिसन (.197 अरब) सातवें, जेंसन हुआंग (.182 अरब) आठवें, स्टीव बालमर (.171 अरब) नौवें और बर्नार्ड आरनॉल्ट (.163 अरब) दसवें नंबर पर हैं।

सरकार ने चुपचाप कमा लिए 31,522 करोड़, बाजार को नहीं लगने दी हवा

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी में 6.5 फीसदी हिस्सेदारी बेचकर 31,522 करोड़ रुपये कमा लिए। यह बात किसी से नहीं छिपी थी कि सरकार इस कंपनी में हिस्सेदारी बेचने जा रही है। सेबी के नियमों के मुताबिक सरकार को कंपनी में पब्लिक शेयरहोल्डिंग बढ़ानी है। लेकिन सरकार ने जिस तरह इस काम को अंजाम दिया, उससे बाजार हैरान रह गया। यह देश का अब तक का सबसे बड़ा ऑफर फॉर सेल था और सरकार ने अंतिम क्षणों तक किसी को भी इसकी भनक नहीं लगने दी। ब्लूमबर्ग

की एक रिपोर्ट के मुताबिक आखिरी घंटों तक जानकारी को गुप्त रखने और तेजी से काम करने की वजह से सरकार में शुरुआती योजना से दोगुने से ज्यादा शेयर बेच पाई। सूत्रों के मुताबिक सरकारी विनिवेश विभाग के अधिकारियों ने लॉन्च डेट को गुप्त रखा ताकि ट्रेडर बिक्री से पहले पोजीशन न ले सकें और सरकार के शेयर बेचने से पहले स्टॉक की कीमत कम न कर सकें। यहां तक कि डील पर सरकार को सलाह देने वाले बैंकों को भी अलग-अलग समय पर बताया गया। एक बैंक को तो सोमवार को स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी देने से कुछ समय पहले ही इस फैसले के बारे में पता चला। विनिवेश विभाग के प्रतिनिधि ने इस पर टिप्पणी के अनुरोध का कोई जवाब नहीं दिया। एक सूत्र ने बताया कि बिक्री शुरू होने से कुछ घंटे पहले डील पर सलाह देने वाले चार बैंकरों में से एक को बिना वजह बताए नई दिल्ली में विनिवेश विभाग के ऑफिस बुलाया गया। वहां अधिकारियों ने बताया कि एलआईसी में हिस्सेदारी की बिक्री उसी शाम शुरू होगी और बैंकर से एक्सचेंज फाइलिंग तैयार करने को कहा। केवल कोर टीम को ही पता था, बाकी सलाहकारों को मार्केट बंद होने के बाद इसमें शामिल किया गया।

बैंकों ने लगी ली फीस

सूत्रों ने बताया कि यह डील इसलिए भी खास थी क्योंकि किसी भी सलाहकार ने एडवाइजरी फीस नहीं ली। रिक्वेस्ट-फॉर-प्रपोजल प्रोसेस के दौरान एक इन्वेस्टमेंट बैंक मुफ्त में काम करने को तैयार हो गया। इसके बाद चारों बैंकों ने फीस नहीं लेने का फैसला किया। भारत में इन्वेस्टमेंट बैंक अक्सर सरकार से जुड़ी डील में नाममात्र फीस लेते हैं। इतना ही नहीं ओएफएस के समय का चुनाव भी बहुत सोच-समझकर किया गया था। ज्यादातर मार्केट प्लेयर्स को उम्मीद थी कि गुरुवार को एलआईसी के तिमाही नतीजों की घोषणा के बाद ही शेयरों की बिक्री होगी। लेकिन सरकार ने इसे पहले ही कर दिया।

दो भाइयों को खोया, पढ़ाई छूटी, जमीन गिरवी रखनी पड़ी... आज फलों की खेती से लाखों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर मेहनत, सही तकनीक और नई सोच के साथ खेती की जाए तो किसान खेती से भी अच्छा कारोबार खड़ा कर सकते हैं। ओडिशा के देवगढ़ जिले के रतनापाली गांव के किसान उपेंद्र कुमार प्रधान ने इसे साबित कर दिखाया है। कभी आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ने वाले उपेंद्र आज अमरूद और आम की खेती से करीब 17 लाख रुपये का सालाना टर्नओवर हासिल कर रहे हैं। उनके अमरूद खरीदने के लिए झारखंड और छत्तीसगढ़ तक से ग्राहक आते हैं।

उपेंद्र का जन्म किसान परिवार में हुआ था। साल 2004 और 2007 में बीमारी के कारण उन्होंने अपने दोनों बड़े भाइयों को खो दिया। इलाज के खर्च के लिए उनके पिता हिमाद्री प्रधान को दो एकड़ धान की जमीन महज 25 हजार रुपये में गिरवी रखनी पड़ी। परिवार की आर्थिक स्थिति इतनी खराब हो गई कि उपेंद्र को बारकोट कॉलेज से प्लस-टू की पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ी।

साल 2017 में उपेंद्र के बचपन के दोस्त और सेना में कार्यरत टिकेश्वर प्रधान ने उन्हें फल की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने देश के दूसरे हिस्सों में सफल फल किसानों की कहानियां उपेंद्र को बताईं। दोस्त की सलाह पर उपेंद्र ने जोखिम उठाया और अमरूद और आम की खेती शुरू कर दी। उन्होंने शुरुआत में करीब 3 लाख रुपये लगाए। यह पैसा उन्होंने लगभग 15 एकड़ जमीन पर उगाए

गए धान की बिक्री से धीरे-धीरे बचाया था। शुरुआत में उन्होंने 1.2 एकड़ जमीन पर अमरूद और आम के पौधे लगाए।

221 रुपये में खरीदा अमरूद का पौधा: उपेंद्र ने साल 2017 में छत्तीसगढ़ के रायपुर से ङ्कहृक्रबिही किस्म के 250 अमरूद के पौधे खरीदे। परिवहन समेत एक पौधे की कीमत करीब 221 रुपये थी। इसके अलावा उन्होंने लेंगड़ा, दशहरी, हिमसागर और अम्रपाली किस्मों के 130 आम के पौधे भी खरीदे। अमरूद के पौधों में करीब छह महीने में फल आने लगे। शुरुआत में उन्होंने इन्हें स्थानीय बाजार में 30 से 35 रुपये प्रति किलो के भाव पर बेचा। इससे उन्हें सालाना करीब 2 से 2.5 लाख रुपये का कारोबार होने लगा। समय के साथ उपेंद्र का कारोबार बढ़ता गया। साल 2020 में अमरूद से उनका सालाना टर्नओवर करीब 3.5 लाख रुपये था। आज वह अमरूद से करीब 12 लाख रुपये और आम से 1.5 से 2 लाख रुपये सालाना कमाते हैं।

निर्यात के नाम पर माल खरीद पाएंगी ई-कॉमर्स कंपनियां, दिखाना होगा पक्का एक्सपोर्ट ऑर्डर

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने इनवेंटरी आधारित ई-कॉमर्स एक्सपोर्ट फ्रेमवर्क बुधवार को नोटिफाई कर दिया। सरकार ने 23 जुलाई को केवल एक्सपोर्ट के लिए इनवेंटरी आधारित ई-कॉमर्स मॉडल में फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट की इजाजत दी थी। विदेशी हिस्सेदारी वाली ई-कॉमर्स कंपनियां भारत में इनवेंटरी बना सकेंगी, लेकिन ऐसे माल को भारतीय बाजार में नहीं बेचा जाएगा।

डीजीएफटी के नोटिफिकेशन के मुताबिक विदेशी हिस्सेदारी वाली ऐसी ई-कॉमर्स कंपनियां केवल कन्फर्म हो चुके एक्सपोर्ट ऑर्डर के लिए भारत में माल खरीद सकेंगी। देश के खुदरा कारोबारियों की यह चिंता दूर करने की कोशिश की गई है कि ये कंपनियां निर्यात के नाम पर माल खरीदकर भारतीय बाजार में ही बेच सकती हैं।

विदेशी निवेश वाली ई-कॉमर्स कंपनियों को ऑनलाइन माध्यम से केवल निर्यात के लिए माल का भंडारण करने के मकसद से सरकार के साथ

'एक्सपोर्टर-ऑन-रिकॉर्ड' के रूप में पंजीकरण कराना होगा। पात्र ई-कॉमर्स कंपनियां पंजीकृत ईओआर के माध्यम से केवल निर्यात के लिए भंडारण आधारित परिचालन कर सकेंगी। ईओआर पुष्टि किए गए विदेशी ऑर्डर के आधार पर भारतीय सेलर-ऑन-रिकॉर्ड से भारत में निर्मित वस्तुओं की खरीद कर सकेंगे।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि पंजीकृत ईओआर के माध्यम से भारतीय विक्रेता विदेशी बाजारों तक पहुंच बना सकेंगे, जबकि निर्यात दस्तावेज, सीमा शुल्क औपचारिकताएं, गंतव्य देश के नियामकीय अनुपालन, उत्पाद परीक्षण एवं प्रमाणन, पैकेजिंग, लेबल, आपूर्ति, लॉजिस्टिक और रिवर्स लॉजिस्टिक जैसी जिम्मेदारियां ईओआर निभाएगा। अधिसूचना के अनुसार, ईओआर वह यूनिट होगी जिसके पास वैध आयात-निर्यात कोड (आईईसी) और माल एवं सेवा कर पहचान संख्या (जीएसटीआईएन) होगी तथा जो डीजीएफटी के साथ इस ढांचे के तहत पंजीकृत होगी। वह निर्यात के उद्देश्य से एक या अधिक भारतीय विक्रेताओं से सामान खरीद सकेगी।

अधिसूचना में कहा गया, 'ऐसे परिचालन के लिए अलग कानूनी इकाई गठित करनी होगी। ईओआर के रूप में पंजीकरण या संशोधन के समय संबंधित इकाई को अपनी शेयरधारिता संरचना तथा ई-कॉमर्स कंपनी के साथ स्वामित्व या नियंत्रण संबंधी जानकारी देनी होगी।'

गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने नई ब्रांड फिल्म लॉन्च की- 'एट गोदरेज इंडस्ट्रीज, वी क्राफ्ट'

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप ने आज अपनी नई कॉर्पोरेट ब्रांड फिल्म लॉन्च की। यह इस वर्ष की शुरुआत में पेश किए गए समूह के नए उद्देश्य और नई ब्रांड पहचान की पहली बड़ी सिनेमाई प्रस्तुति है। 'एट गोदरेज इंडस्ट्रीज, वी क्राफ्ट' शीर्षक वाली इस फिल्म का निर्माण टाइगर टेली की ज़ोया अख्तर ने किया है और इसका निर्देशन लाउडमाउथ फिल्म के आकाश भाटिया ने किया है। यह फिल्म ग्रुप के उद्देश्य '1897 से कल का निर्माण' को उसके लोगों, व्यवसायों और विचारों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करती है। निर्माण स्थलों पर की गई है। इसमें ग्रुप के विभिन्न व्यवसायों के पीछे काम करने वाले लोगों, प्रक्रियाओं और विचारों को दिखाया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप में अलग-अलग क्षेत्रों में काम करने का तरीका भले ही अलग हो, लेकिन सभी एक साझा उद्देश्य और महत्वाकांक्षा से जुड़े हुए हैं। यह फिल्म ग्रुप के सभी व्यवसायों के अलग-अलग उद्देश्यों को एक ही कहानी में पिरोती है, जिसमें उपभोक्ता उत्पादों के माध्यम से अच्छाई, कृषि के जरिए समृद्धि, रियल एस्टेट के माध्यम से खुशियां, वित्तीय सेवाओं से आर्थिक उन्नति, रसायन व्यवसाय के जरिए नवाचार और नए उद्यमों के माध्यम से प्रेरणा देने की सोच को दर्शाया गया है। फिल्म केवल उत्पाद बनाने की प्रक्रिया तक सीमित नहीं है, बल्कि 'क्राफ्टिंग' को एक ऐसी सोच के रूप में प्रस्तुत करती है, जो देखभाल, कल्पनाशीलता और जिम्मेदारी पर आधारित है। यह दिखाती है कि गोदरेज इंडस्ट्रीज ग्रुप में हर दिन होने वाला काम इस विश्वास को मजबूत करता है कि तरक्की उन लोगों के प्रयासों से होती है, जो कुछ नया बनाने, बेहतर करने और लंबे समय तक टिकने वाली चीजों का निर्माण करने का संकल्प रखते हैं।

थलपति विजय के तमिलनाडु से पहले 1 ट्रिलियन की इकॉनमी बन जाएंगे कई राज्य

नई दिल्ली, एजेंसी। तमिलनाडु में मुख्यमंत्री थलपति विजय की अगुवाई वाली टीवीके सरकार में बुधवार को अपना पहला बजट पेश किया। राज्य सरकार ने साल 2035 तक तमिलनाडु को 1.5 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनाने का टारगेट सेट किया है। अभी राज्य की जीडीपी करीब 374.3 अरब डॉलर की है। पिछले सरकार ने 2030 तक तमिलनाडु को 1 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने का लक्ष्य रखा था। देश में कई और राज्य भी 1 ट्रिलियन डॉलर बनाने का लक्ष्य रखा है। जानिए कौन है इस रेस में सबसे आगे महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल ने 1 ट्रिलियन डॉलर की इकॉनमी बनने का लक्ष्य रखा है। कम आठ राज्यों की इकॉनमी 1 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो जाएगी।

यूरोकिड्स ऑसम अगस्त 2026: जहां उत्सव केवल यादें ही नहीं, बल्कि चरित्र का निर्माण भी करते हैं

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी प्रीस्कूल, यूरोकिड्स प्रीस्कूल ने ऑसम अगस्त 2026 की घोषणा की है। यह स्कूल का सालाना महीने-भर चलने वाला उत्सव है, जो देशभर के केंद्रों में बच्चों, अभिभावकों और शिक्षकों को एक साथ लाता है। यह पहल चार मुख्य जीवन मूल्यों पर आधारित है और कहानी सुनाने, संस्कृति, पर्यावरण संरक्षण और मिलकर खेलने के ज़रिए त्योहारों को सीखने के मज़ेदार मौकों में बदल देती है। ऑसम अगस्त थीम वाले हफ्तों में बंटा है, जिसमें फ्रेंडशिप डे, स्वतंत्रता दिवस, सस्टेनेबिलिटी वीक और रक्षा बंधन मनाया जाता है। हर हफ्ता एक जीवन मूल्य पर केंद्रित होता है। उम्र के हिसाब से बनाई गई मज़ेदार गतिविधियों के ज़रिए, यह पहल बच्चों को सहानुभूति, गर्व, जिम्मेदारी और भरोसा सिखाती है, और परिवारों को भी साथ मिलकर सीखने और जश्न मनाने का मौका देती है। यूरोकिड्स का ऑसम अगस्त कार्यक्रम उनके खास ह्यूरेका - द विजिबल थिंकिंग करिकुलम पर आधारित है। यह पाठ्यक्रम हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोजेक्ट ज़ीरो से प्रेरित है और भारत की राष्टीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के मुताबिक बनाया गया है। बच्चों को सिर्फ बातें सिखाना नहीं, बल्कि खुद गतिविधियां करवाकर उनके स्वभाव और भावनाओं का विकास करना है। त्योहारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को सीखने के मज़ेदार तरीकों से जोड़कर, यूरोकिड्स स्कूल और घर के रिश्ते को मज़बूत बनाता है, ताकि बच्चे खेल-खेल में और खुद काम करके सीख सकें। केवीएस शेषसाई, सीईओ - प्री-के डिविजन, लाइटहाउस लर्निंग (यूरोकिड्स), ने कहा, यूरोकिड्स में हमारा मानना है कि हर त्योहार सीखने का एक बड़ा मौका होता है। हम सिर्फ खुशियां ही नहीं मनाते, बल्कि बच्चों में अच्छे संस्कार और अच्छी आदतें भी डालते हैं।

संक्षिप्त समाचार

आईसीसी वनडे रैंकिंग शुभमन टॉप पर काबिज

नई दिल्ली। वनडे बल्लेबाजों की टॉप 10 लिस्ट में कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय हैं। शुभमन टॉप पर काबिज हैं। न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल दूसरे नंबर पर हैं। गिल ने पिछले हफ्ते मिचेल से बादशाहत छीनी थी। भारत ने आखिरी वनडे 19 जुलाई को

इंग्लैंड के खिलाफ खेला था। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली तीसरे और रोहित शर्मा चौथे पायदान पर हैं। अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान पांचवें और पाकिस्तान के बाबर आजम छठे पायदान पर हैं। नीदलैंड और नेपाल के तीन-तीन खिलाड़ियों को आईसीसी की ताजा वनडे रैंकिंग में फायदा हुआ है। कप्तान शुभमन गिल समेत तीन भारतीय टॉप 10 बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हैं। मेंस वनडे खिलाड़ियों की ताजा रैंकिंग जारी की है। नीदरलैंड टीम जारी आईसीसी मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप लीग 2 कॉम्पिटिशन में अच्छी फॉर्म में है। हाल ही में उसने यूट्रेक्ट में नेपाल को 57 रन से शिकस्त दी। नीदरलैंड की नजर अब मेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप क्वालिफायर इवेंट में एंट्री करने पर है। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स ने नेपाल के खिलाफ 57 रनों की पारी खेली, जिससे नीदरलैंड ने लीग 2 टेबल में टॉप चार में अपनी जगह पक्की कर ली। एडवर्ड्स वनडे बल्लेबाजों की लेटेस्ट रैंकिंग में 4 पायदान चढ़कर 34वें नंबर पर आ गए हैं। वनडे बॉलर रैंकिंग में नीदरलैंड के स्पिनर वैन डेर मर्व 11 स्थान की छलांग लगाई। वह अब संयुक्त रूप से 63वें स्थान पर आ गए हैं। लोगान वैन बीक तीन स्थान ऊपर 76वें पर पहुंच गए। उन्होंने मैच में दो विकेट चटकाए थे। नेपाल के भी तीन खिलाड़ियों का फायदा हुआ है। ललित राजबंशी (एक स्थान ऊपर 45वें पर) और करण केसी (सात स्थान ऊपर 83वें पर) वनडे बॉलर्स की अपडेटेड लिस्ट में आगे बढ़े हैं। नेपाल के आसिफ शेख दो स्थान ऊपर चढ़कर वनडे बल्लेबाजों की लिस्ट में 76वें नंबर पर आ गए।

शाकिब के घर पर हमला पत्थर-पेट्रोल बम फेंके

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और अवामी लीग के पूर्व सांसद शाकिब अल हसन के मगुरा शहर में बने घर पर हमला हुआ है। यह घटना पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में शाकिब के शामिल होने के कुछ घंटों बाद हुई। शाकिब के घर पर हमला रात 8.45 से 9 बजे के बीच हुआ। मगुरा सदर पुलिस के अफसर मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने बताया कि कुछ उपद्रवियों ने पत्थर फेंके और खिड़कियां तोड़ दीं। हमलावरों ने घर में आग लगाने की कोशिश की। यह दावा किया जा रहा है कि इसके लिए हमलावर कोल्डड्रिंक की बोतलों में पेट्रोल भरकर लाए थे। गनीमत यह रही कि हमले के वक्त घर खाली था, इसलिए किसी के घायल होने की खबर नहीं है। शाकिब इस वक्त श्रीलंका में हैं। घटना के बाद पुलिस फोर्स को तैनात कर दिया गया है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। जब हसीना बोल रही थीं, उस दौरान उनका कैमरा बंद था। हसीना ने 25 मिनट भाषण दिया। इस दौरान शाकिब अल हसन, शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद जॉय, पूर्व शिक्षा मंत्री मोहिबुल हसन चौधरी भी मौजूद थे। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब अल हसन शेख हसीना की आवामी लीग से जुड़े हुए हैं। वह बुधवार को हसीना के वर्चुअली संबोधन में शामिल हुए। शाकिब ने सांसद रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और टी-20 लीग में खेलना नहीं छोड़ा। अगस्त 2024 में जब बांग्लादेश में बगावत शुरू हुई, तब भी शाकिब की आलोचना हुई। सरकारी नौकरियों में आरक्षण के खिलाफ शुरू हुए छात्र आंदोलन के दौरान शाकिब पर आरोप लगे कि उन्होंने अवामी लीग के सांसद होने के कारण चुप्पी साधे रखी।

मेरा रिकॉर्ड शायद वैभव तोड़ेगा

बटलर के बनाया टी-20 में सर्वाधिक रन का रिकॉर्ड

● सूर्यवंशी को लेकर जोस ने की भविष्यवाणी

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज जोस बटलर ने टी20 क्रिकेट में नया इतिहास रच दिया है। द हंड्रेड टूर्नामेंट में मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने वेस्टइंडीज के दिग्गज कीरोन पोलार्ड को पीछे छोड़कर टी20 क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि हासिल की। इस उपलब्धि के बाद बटलर ने एक ऐसा बयान दिया, जिसने भारतीय क्रिकेट फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लिया।

वेल्श फायर के खिलाफ मुकाबले में बटलर ने महज 20 गेंदों में नाबाद 51 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने दो चौके और छह छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 250 का रहा। इसी पारी के दौरान उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने कुल रन 14,833 तक पहुंचा दिए।

बटलर ने इस मामले में किरोन पोलार्ड (14,803 रन) को पीछे छोड़ दिया। इससे पहले लंबे समय तक यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (14,562 रन) के नाम था। बटलर ने 522 टी20 मैचों में नौ शतक और 105 अर्धशतकों की मदद से यह उपलब्धि हासिल की है।

वैभव सूर्यवंशी का लिया नाम

रिकॉर्ड अपने नाम करने के बाद बटलर ने कहा कि यह उपलब्धि उनके लिए बेहद खास है, लेकिन उन्हें भरोसा है कि भविष्य में कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा। उन्होंने भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम लेते हुए बड़ा बयान दिया। बटलर ने कहा, 'यह सोचकर बहुत अच्छा लगता है कि टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन मेरे नाम हैं। एक दिन कोई न कोई इस रिकॉर्ड को तोड़ेगा और शायद उसका नाम वैभव सूर्यवंशी होगा। लेकिन फिलहाल यह मेरे लिए गर्व का पल है।'

खराब फॉर्म से वापसी पर भी बोले बटलर

बटलर ने माना कि कुछ महीने पहले उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और लगातार मेहनत करते रहे। उन्होंने कहा, 'क्रिकेट बहुत जल्दी बदल जाता है। कुछ महीने पहले मैं अपनी फॉर्म से जूझ रहा था, लेकिन पिछले कुछ हफ्तों में मुझे लग रहा है कि मैं अपने करियर की सबसे अच्छी बल्लेबाजी कर रहा हूं। आपके पास केवल दो विकल्प होते हैं- या तो हार मान लें या फिर ऊर्जा और दृढ़ संकल्प के साथ वापसी की कोशिश करें। मैंने दूसरा रास्ता चुना और उसी पर ध्यान केंद्रित किया।'

मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने नौ विकेट से जीता मैच

मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए वेल्श फायर ने मैट शॉर्ट के 71 और फिल सॉल्ट के 48 रन की बदौलत 100 गेंदों में चार विकेट पर 155 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए मैनचेस्टर सुपर जाएंट्स ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। टिम साइफर्ट ने 36 गेंदों में नाबाद 62 रन बनाए, जबकि पॉल वाल्टर ने 18 गेंदों में 37 रन की तेज पारी खेली। बटलर की नाबाद 51 रन की विस्फोटक पारी की बदौलत टीम ने एक विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और नौ विकेट से शानदार जीत दर्ज की।

कोच गंभीर की खिलाड़ियों को नसीहत

मानसिक और शारीरिक रूप से सभी तैयार रहे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के हेड कोच गौतम गंभीर ने शुभमन गिल की अगुवाई वाली टीम इंडिया को श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हर चुनौती का सामना करने के लिए मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार रहने की सलाह दी है। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का आगाज 15 अगस्त से होना है। इससे पहले, भारतीय टीम श्रीलंका इलेवन के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में हिस्सा लेगी, जिसकी शुरुआत सात अगस्त से होनी है। पहले टेस्ट की मेजबानी गॉल इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम करेगा, जबकि दूसरा टेस्ट मुकाबला 23 अगस्त से कोलंबो का सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान करेगा।

बीसीसीआई ने शेयर किया वीडियो

गंभीर ने गुरुवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किए गए वीडियो में कहा, 'दोस्तों, हम जानते हैं कि हमारे सामने क्या है। हम जानते हैं कि हम किसके लिए खेल रहे हैं। हम जोर लगा सकते हैं, हम अपनी सीमा को पार कर सकते हैं, हम सभी चीजों को पूरा कर सकते हैं। 15 तारीख की सुबह, चाहे हम पहले बैटिंग कर रहे हों, या पहले गेंदबाजी कर रहे हों, हमें हर सवाल और हर जवाब के लिए पूरी तरह तैयार रहना है। इसलिए पक्का करें कि हम अभी से सभी चीजों को पूरा करें।'

गंभीर ने सारांश-नबी का किया स्वागत

गंभीर ने नए खिलाड़ियों, ऑफ-स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर सारांश जैन और तेज गेंदबाज आकिब नबी का टेस्ट सेटअप में आधिकारिक तौर पर स्वागत किया। इसके साथ ही हेड कोच ने नए नियुक्त फील्डिंग कोच, सुभादीप घोष का भी स्वागत किया। गंभीर वीडियो में कहते हैं, 'दोस्तों, सभी का स्वागत है। हमारे साथ कुछ नए लोग आए हैं। सबसे पहले, सारांश, बधाई हो, आपने यहां तक पहुंचने के लिए बहुत मेहनत की है। जब भी आपको मौका मिले, अपने परिवार और देश को गर्व महसूस कराना सुनिश्चित करें। दूसरी बात, मैं आकिब को बधाई देना चाहता हूं, आपका पिछला सीजन शानदार रहा था, और आपने जम्मू-कश्मीर को रणजी ट्रॉफी जिताई, जो एक बड़ी उपलब्धि है। एक बार फिर बधाई।'

सुभादीप का भी स्वागत

हेड कोच ने आगे कहा, 'आखिर में, मैं सुभादीप का भी स्वागत करना चाहता हूं। उन्होंने इतने वर्षों तक कई टीमों के साथ काम किया है। मुझे यकीन है कि उनका जूनून, उनकी प्रतिबद्धता इस टीम को आगे ले जाएगी और यह सुनिश्चित करेंगे कि उनका एनर्जी लेवल सभी को टारगेट हासिल करने में मदद करे।'

पहलवान दीपांशु डोप में फंसे नाडा ने लगाया अस्थायी प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाई खेल शुरू होने से पहले ही भारतीय कुश्ती टीम के अभियान को झटका लगा है। लखनऊ में एशियाई खेलों का ट्रायल जीतकर 130 किलो भार वर्ग की ग्रीको रोमन टीम में जगह बनाने वाले पहलवान दीपांशु डोप में फंस गए हैं। उन पर नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगा दिया है और उन्हें भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया है।

खास बात यह है कि दीपांशु दूसरी बार डोप में पॉजिटिव पाए गए हैं। इससे पहले वह गुजरात में हुए राष्ट्रीय खेलों में डोप के मामले में फंसे थे।

डोप में फंसने के बाद दीपांशु को राष्ट्रीय शिविर से भी बाहर कर दिया गया है। वह हंगरी में होने वाले विश्व चैंपियनशिप में भी खेलने जा रहे थे। उनका वीजा भी लग गया था। उसी समय उनके डोप सैंपल की रिपोर्ट आई। उन्होंने उस दौरान अपना अपराध स्वीकार कर लिया था, जिसके चलते उन्हें तीन साल का प्रतिबंध लगा था। वर्ष 2025 में प्रतिबंध खत्म करने के बाद उन्होंने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के जरिए एशियाई खेलों के लिए चयनित होने वाले राष्ट्रीय शिविर में जगह बनाई थी।दीपांशु को एशियाई खेलों में 130 किलो भार वर्ग का प्रबल दावेदार माना जा रहा था। दूसरी बार डोप में फंसने के कारण उन पर अब स्थायी प्रतिबंध लग सकता है। नाडा ने उन्हें आरोप पत्र भेज दिया है। भारतीय कुश्ती महासंघ ने दीपांशु की जगह 130 किलो भार वर्ग में सोतक को शामिल कर लिया है।

विदेशी धरती पर तीन साल बाद टेस्ट जीता पाकिस्तान

टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में ये आया बदलाव

रैंक	टीम	मैच	जीत	हार	ड्रॉ	अंक	अंक प्रतिशत
1	ऑस्ट्रेलिया	8	7	1	0	84	87.50
2	दक्षिण अफ्रीका	4	3	1	0	36	75.00
3	न्यूजीलैंड	6	4	1	1	52	72.22
4	बांग्लादेश	4	2	1	1	28	58.33
5	भारत	9	4	4	1	52	48.15
6	श्रीलंका	4	1	1	2	20	41.67
7	इंग्लैंड	13	4	8	1	38	24.36
8	पाकिस्तान	6	2	4	0	16	22.22
9	वेस्टइंडीज	12	2	8	2	30	20.83

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में आठ विकेट की जीत दर्ज कर दोहरा फायदा हासिल किया। एक ओर टीम ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की अंकतालिका में एक स्थान की छलांग लगाई, वहीं दूसरी ओर विदेशी सरजमीं पर तीन साल से चली आ रही जीत की तलाश भी खत्म कर दी। बाबर आजम की कप्तानी में मिली यह जीत पाकिस्तान के लिए आत्मविश्वास बढ़ाने वाली साबित हुई।

दूसरे टेस्ट से पहले पाकिस्तान अंकतालिका में नौवें और अंतिम स्थान पर था। वेस्टइंडीज पर जीत के बाद टीम अब आठवें स्थान पर पहुंच गई है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत बढ़कर 22.22 हो गया है, जबकि वेस्टइंडीज एक स्थान नीचे खिसककर नौवें नंबर पर पहुंच गया।

वेस्टइंडीज ने पहली पारी में 344 रन बनाए थे। इसके जवाब में पाकिस्तान ने 387 रन बनाकर 43 रन की अहम बढ़त हासिल की। दूसरी पारी में कैरेबियाई बल्लेबाजी पूरी तरह बिखर गई और पूरी टीम केवल 117 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान की जीत में स्पिनरों अली उस्मान और साजिद खान की अहम भूमिका रही। दोनों ने चार-चार विकेट लेकर वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को ध्वस्त कर दिया।

75 रन का लक्ष्य आसानी से किया हासिल

जीत के लिए 75 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही। इमाम-उल-हक जल्दी आउट हो गए, जबकि अजान अवैस भी बड़ी पारी नहीं खेल सके। इसके बाद कप्तान बाबर आजम और अब्दुल्ला शफीक ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों बल्लेबाज 24-24 रन बनाकर नाबाद लौटे और पाकिस्तान ने केवल दो विकेट खोकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ दो मैचों की टेस्ट सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुई। पहले टेस्ट में वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को 90 रन से हराया था।

बीडब्ल्यूएफ चैंपियनशिपः आयुष की पहले ही दौर में मौजूदा चैंपियन शी यूकी से भिड़ंत, सिंधू-लक्ष्य को आसान शुरुआत

नई दिल्ली। बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के ड्रॉ में भारतीय खिलाड़ियों को मिला-जुला मुकाबला मिला है। एशियन चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता आयुष शेट्टी को पहले ही दौर में मौजूदा विश्व चैंपियन और चीन के स्टार शी यूकी का सामना करना होगा। वहीं, पीवी सिंधू और लक्ष्य सेन को शुरुआती दौर में अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी मिले हैं। 17 से 23 अगस्त तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में होने वाली इस प्रतियोगिता की मेजबानी भारत 17 साल बाद कर रहा है।

पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू अपने अभियान की शुरुआत आयरलैंड की विश्व नंबर 141 सोफिया नोबेल के खिलाफ करेंगी। सिंधू विश्व चैंपियनशिप में रिकॉर्ड छठा पदक जीतने के इरादे से उतरेंगी। ड्रॉ के अनुसार सिंधू पदक दौर से पहले दुनिया की नंबर एक एन से यंग (दक्षिण कोरिया) और मौजूदा विश्व चैंपियन अकाने यामागुची (जापान) से भिड़ने से बच गई हैं। हालांकि, प्री-क्वार्टर फाइनल में उनका सामना चीन की तीसरी वरीय वांग झी यी से हो सकता है, जबकि क्वार्टर फाइनल में इंडोनेशिया की छठी वरीय पुत्री कुसुमा वारदानी चुनौती बन सकती हैं। 2021 विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कोलिन्स वेलेंटाइन फिलिमोन से भिड़ेंगे। अगर वह आगे बढ़ते हैं तो प्री-क्वार्टर फाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुनलावुत वितिदसर्न से संभावित मुकाबला हो सकता है। भारतीय खिलाड़ियों में सबसे कठिन ड्रॉ आयुष शेट्टी को मिला है। उनका पहले ही मैच में चीन के शीर्ष खिलाड़ी और मौजूदा विश्व चैंपियन शी यूकी से सामना होगा। आयुष अब तक शी यूकी के खिलाफ तीनों मुकाबले हार चुके हैं, लेकिन हालिया मुकाबलों में उन्होंने चीनी खिलाड़ी को कड़ी टक्कर दी है।

गावस्कर ने चुनी 2027 विश्वकप के लिए संभावित टीम! आकाश-अश्विन ने दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। वनडे विश्व कप 2027 में अभी करीब 14 महीने का समय बाकी है, लेकिन भारतीय टीम को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। 2023 विश्व कप में उपविजेता रहने वाली टीम इंडिया 2027 में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। मौजूदा टी20 विश्व कप और चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम से उम्मीदें और भी बढ़ गई हैं। इसी बीच पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने 2027 विश्व कप के लिए अपनी संभावित 15 सदस्यीय भारतीय टीम चुनी है। पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने इस टीम का विश्लेषण करते हुए इसे काफी संतुलित बताया।

सुनील गावस्कर की संभावित भारत टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हार्दिक पांड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह।

आकाश चोपड़ा के मुताबिक, गावस्कर ने शीर्ष क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया है। उनकी टीम में शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल को जगह मिली है> विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन भी 15 सदस्यीय टीम का हिस्सा हैं। आकाश चोपड़ा ने कहा, 'शुभमन गिल, रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल टॉप-5 में हैं। यह लगभग वही बल्लेबाजी क्रम है जो चैंपियंस ट्रॉफी में था। ईशान किशन इस समय लगातार रन बना रहे हैं और इस प्रारूप के लिए तैयार नजर आते हैं।'

दूसरी ओर, रविचंद्रन अश्विन ने अपनी संभावित विश्व कप टीम में अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को शामिल करने की वकालत की है। उनका मानना है कि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों में भुवनेश्वर उपयोगी साबित हो सकते हैं। अश्विन ने कहा, 'भुवनेश्वर कुमार मेरी टीम में जरूर होंगे। मैं उनसे बात करूंगा और उन्हें घरेलू क्रिकेट, विजय हजारे ट्रॉफी समेत सभी टूर्नामेंट खेलने के लिए कहूंगा, ताकि दक्षिण अफ्रीका की परिस्थितियों के लिए वह पूरी तरह तैयार रहें। मुझे लगता है कि वहां हमें उनकी जरूरत पड़ेगी।'

संक्षिप्त समाचार

हादसे में घायल महिला को अस्पताल पहुंचाकर खुद लगाए टांके

झाबुआ, एजेंसी। झाबुआ से कांग्रेस के विधायक विक्रांत भूरिया ने बुधवार को जनप्रतिनिधि होने के साथ ही डॉक्टर होने का फर्ज भी निभाया है. कल्याणपुर क्षेत्र के बावड़िया गांव में दो मोटरसाइकिलों की आपस में भिड़ंत हो गई जिसमें एक महिला बुरी तरह से घायल हो गई. विधायक विक्रांत भूरिया ने घायल महिला को न सिर्फ अस्पताल पहुंचाया बल्कि अपने डॉक्टर होने का फर्ज भी निभाया और महिला को लगी चोट पर टांके भी लगाए हैं. हालांकि, इस दौरान कल्याणपुर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर विभाग की पोल भी खुल गई जब महिला का समय पर एक्स रे भी नहीं हो सका और अस्पताल में आवश्यक दवाई और संसाधन भी नहीं मिले.
विक्रांत भूरिया राजनीति में आने से पूर्व डॉक्टर थे
गौरतलब है कि विक्रांत भूरिया राजनीति में आने से पूर्व डॉक्टर थे. उन्होंने मास्टर्स इन सर्जरी भी किया हुआ है. वह पूर्व केंद्रीय मंत्री कांतिलाल भूरिया के पुत्र और वर्तमान में झाबुआ से विधायक हैं. एक जनप्रतिनिधि के तौर पर क्षेत्र के दौरे पर निकले विक्रांत भूरिया को रास्ते में दुर्घटना में घायल हुए कुछ लोग मिले जिन्हें अस्पताल पहुंचा कर विक्रांत भूरिया ने उनका प्राथमिक उपचार भी किया.
विक्रांत भूरिया ने फोन पर चर्चा में बताया कि 'रास्ते में उन्हें बाइक दुर्घटना में घायल हुए कुछ लोग मिले, जिसमें बहन शांति मेड़ा गंभीर रूप से घायल हो गई थीं. उन्हें हम कल्याणपुर स्थित सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे थे. जहां ड्रेसर उपलब्ध नहीं होने पर डॉक्टर होने के नाते मैंने अपनी जिम्मेदारी निभाने का प्रयास किया है.'

आम ग्राहकों के लिए ई-मेल के जरिए फंड ट्रांसफर की सुविधा बंद, सिर्फ इन लोगों को ही मिल सकेगा लाभ

लखनऊ, एजेंसी। बैंकों ने ग्राहकों (एनआरई -विदेशी मुद्रा के भारतीय खातों को छोड़कर) के लिए ई-मेल के आधार पर फंड ट्रांसफर की सुविधा बंद करने का फैसला किया है। कॉर्पोरेट ग्राहकों पर इसका असर नहीं होगा, लेकिन इसके लिए कई अतिरिक्त सुरक्षा उपाय अनिवार्य रहेंगे। बैंक अधिकारियों का कहना है कि साइबर धोखाधड़ी, फर्जी ई-मेल और दस्तावेजों के दुरुपयोग के बढ़ते मामलों को देखते हुए यह कदम उठाया गया है।
नए निर्देशों के तहत, अब व्यक्तिगत ग्राहकों को धनराशि भेजने के लिए इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, यूपीआइ, एनईएफटी, आरटीजीएस या शाखा में जाकर निर्धारित प्रक्रिया का ही पालन करना होगा। बैंक अधिकारियों का मानना है कि डिजिटल माध्यमों में बहुस्तरीय प्रमाणीकरण (ऑथेंटिकेशन) होने से लेनदेन अधिक सुरक्षित रहता है।
अधिकारियों ने ग्राहकों को सलाह दी है कि वे अपने मोबाइल नंबर और ई-मेल को बैंक रिकॉर्ड में रखें, लेकिन किसी भी लेनदेन के लिए केवल अधिकृत डिजिटल माध्यमों का ही उपयोग करें।

एसआईआर पर सवाल उठाने वालों पर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कसा आगरा में तंज

आगरा, एजेंसी। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्ढ्ढक्रपर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है. आगरा में आयोजित नेशनल चैंबर ऑफ इंडस्ट्रीज एंड कॉमर्स के कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि, कौन क्या कहता है कोई फर्क नहीं पड़ता, हर काम संविधान के मुताबिक हो रहा है.
ज्ञानेश कुमार ने कहा कि, भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है. देश ही दुनिया की निर्वाचन आयोग सबसे बड़ी चुनाव प्रबंधन संस्था है. जनता से अपील है कि जागरुक मतदाता बनें. मतदान जरूर करें. मुख्य चुनाव आयुक्त ने एसआईआर को लेकर एक कहानी सुनाई. उन्होंने कहा कि सूरज कहां उगता है. सूरज यदि पूरब में उगता है तो ये कोई खबर नहीं है. सूरज यदि पश्चिम में उगे तो न्यूज बनेगी.
एक बार मैं टीवी देख रहा था तो टीवी पर कुछ लोग बोल रहे थे, एसआईआर में ये गलत है. एसआईआर में ये गड़बड़ है. मुझे नहीं लगा. जब कार्यालय आया तो मैंने कहा कि चलो इन लोगों को सच बताते हैं. उन्हें बुलाया उनसे कहा कि सूरज पूरब में उगता है. पश्चिम में क्यों उगा रहे हो. हमें तो ऐसा बतलाया गया था. उन्हें एसआईआर के बारे में समझाया.

100 से अधिक सड़कें बंद, सैकड़ों बिजली ट्रांसफॉर्मर ठप... हिमाचल में मॉनसून का कहर

शिमला, एजेंसी। प्रदेश में मानसून की सक्रियता से राज्य के विभिन्न हिस्सों में हो रही मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त है। मौसम विभाग ने आगामी 11 अगस्त तक प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। वहीं, भूस्खलन और लगातार बारिश के कारण 100 से अधिक सड़कें, सैकड़ों बिजली ट्रांसफार्मर और दर्जनों पेयजल योजनाएं ठप पड़ गई हैं। चंबा जिले में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। मणिमहेश यात्रा पर जा रहे श्रद्धालुओं की थार गाड़ी पर मेहला के समीप तड़के करीब तीन बजे पहाड़ी से एक विशालकाय चट्टान आ गिरी। पत्थर सीधे वाहन के सनरूफ पर गिरा, जिससे गाड़ी बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में पंजाब निवासी एक श्रद्धालु की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार, आगामी दिनों में प्रदेशवासियों को बारिश से राहत मिलने के आसार नहीं हैं। 6 अगस्त को बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर में भारी बारिश का येलो अलर्ट। 7 और 8 अगस्त को सिरमौर और कांगड़ा जिलों में यलो अलर्ट की चेतावनी दी है। 9 से 11 अगस्त को ऊना, बिलासपुर, कांगड़ा और सिरमौर सहित कई क्षेत्रों में यलो अलर्ट के साथ मूसलाधार बारिश का अनुमान व्यक्त किया गया है। प्रदेश में 110 से अधिक मुख्य व संपर्क मार्ग बंद हैं। इनमें मंडी (51), सिरमौर (39), कुल्लू (36) और शिमला (15) सबसे ज्यादा सड़कें प्रभावित हैं। सिरमौर के पांवटा साहिब उपमंडल में 143 सहित पूरे राज्य में लगभग 189-191 बिजली ट्रांसफार्मर ठप हैं।

लोकसभा के बाद विधानसभा सीट पर अखिलेश की नजर

भाजपा को पटखनी देने का बनाया प्लान, खेला ब्राह्मण कार्ड

अयोध्या, एजेंसी। समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 से पहले अयोध्या को अपनी सबसे अहम राजनीतिक रणभूमि बना लिया है। लखनऊ में आयोजित ब्राह्मण सम्मेलन के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंच से पूर्व विधायक पवन पांडेय को अयोध्या से पार्टी का उम्मीदवार घोषित करने जैसे संकेत दिए। उन्होंने कहा, 'पवन पांडेय जी, अयोध्या से जीतने जा रहे हैं।' उनके इस बयान पर सम्मेलन में मौजूद कार्यकर्ताओं ने जोरदार तालियां बजाईं। इससे पहले भी लोकसभा चुनाव के दौरान अखिलेश यादव ने अवधेश प्रसाद को लेकर कहा था कि वे सांसद बनने वाले हैं। बाद में अवधेश प्रसाद ने फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा सीट पर जीत दर्ज की थी। अब तक राम मंदिर के मुद्दे पर अपेक्षाकृत सतर्क रहने वाली समाजवादी पार्टी इस बार कथित राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले को प्रमुख राजनीतिक मुद्दा बना रही है। सपा का आरोप है कि इस मामले ने राम मंदिर प्रबंधन पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी संसद से लेकर उत्तर प्रदेश विधानसभा तक इस मुद्दे को

उठा रही है। संसद परिसर में सपा सांसदों ने विरोध प्रदर्शन किया, जबकि विधानसभा में भी इस मुद्दे पर सरकार को घेरा गया। सपा का मानना है कि राम मंदिर से जुड़े इस विवाद ने भाजपा को रक्षात्मक स्थिति में ला दिया है और यही मुद्दा आगामी विधानसभा चुनाव में भी प्रमुख रहेगा।

सपा ने संकेत दिया है कि अयोध्या विधानसभा सीट से एक बार फिर पवन पांडेय को उम्मीदवार बनाया जाएगा। पवन पांडेय 2012 में इस सीट से विधायक रह चुके हैं और हाल के वर्षों में अयोध्या में भूमि अधिग्रहण, विस्थापन और स्थानीय लोगों के मुद्दे उठाते रहे हैं।

2024 के लोकसभा चुनाव में फैजाबाद सीट पर भाजपा की हार को विपक्ष ने बड़ा राजनीतिक संदेश माना था। सपा उम्मीदवार अवधेश प्रसाद ने भाजपा के लल्लू सिंह को हराया था। इसके बाद अब पार्टी की कोशिश विधानसभा चुनाव में भी इसी राजनीतिक बढ़त को दोहराने की है। हालांकि अयोध्या विधानसभा सीट पर भाजपा का मजबूत रिकॉर्ड रहा है। 1991 से 2007 तक भाजपा के लल्लू सिंह लगातार पांच बार विधायक बने। 2012 में सपा के पवन पांडेय ने जीत दर्ज की, जबकि 2017 और 2022 में भाजपा ने फिर सीट अपने नाम कर ली। सपा नेताओं का दावा है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की जीत का अंतर लगभग 20 हजार वोट रह गया था। पार्टी का मानना है कि इस बार स्थानीय मुद्दों और कथित चढ़ावा विवाद के कारण भाजपा को नुकसान हो सकता है। सपा का तर्क है कि राम मंदिर निर्माण और विकास परियोजनाओं के दौरान कई स्थानीय लोगों को भूमि अधिग्रहण और मुआवजे को लेकर असंतोष रहा है। पार्टी इसी नाराजगी को अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रही है। अयोध्या विधानसभा सीट पर ब्राह्मण मतदाताओं की संख्या सबसे अधिक मानी जाती है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यहां लगभगः सपा की रणनीति ब्राह्मण मतदाताओं में अपनी पैठ बढ़ाने की है। पार्टी का मानना है कि यदि ब्राह्मण वोटों का एक हिस्सा उसके पक्ष में आता है और यादव, मुस्लिम, दलित तथा अन्य सहयोगी सामाजिक वर्गों का समर्थन मिलता है। तो अयोध्या विधानसभा सीट पर मुकाबला उसके पक्ष में जा सकता है। हालांकि, चुनावी नतीजा अंत में मतदाताओं के फैसले पर निर्भर करेगा और सभी दल आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपनी-अपनी रणनीति तैयार करने में जुटे हैं।

प्रयागराज में राहुल गांधी के गूंज कार्यक्रम की जगह पर छिड़ा घमासान

ट्रस्ट ने रद्द की कार्यक्रम की अनुमति

प्रयागराज, एजेंसी। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के 8 अगस्त को प्रस्तावित प्रयागराज दौरे से पहले नया विवाद सामने आ गया है। कायस्थ पाठशाला (केपी) ट्रस्ट ने दावा किया है कि छात्रों के साथ प्रस्तावित संवाद कार्यक्रम के लिए पहले दी गई अनुमति रद्द कर दी गई है। हालांकि, कांग्रेस ने इस दावे को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि कार्यक्रम तय स्थान पर ही आयोजित होगा।

केपी ट्रस्ट ने बताए अनुमति रद्द करने के कारण

केपी ट्रस्ट के कार्यवाहक अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह के अनुसार, अनुमति रद्द करने का फैसला कई कारणों को ध्यान में रखकर लिया गया है। ट्रस्ट का कहना है कि 14 अगस्त 2025 को इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा दिए गए आदेश के अनुसार स्कूल और कॉलेज परिसरों के मैदानों का उपयोग व्यावसायिक गतिविधियों या ऐसी गतिविधियों के लिए नहीं किया जा सकता, जिससे छात्रों की पढ़ाई प्रभावित हो। ट्रस्ट के मुताबिक, प्रस्तावित कार्यक्रम से परिसर से जुड़े दो विद्यालयों के छात्रों की शैक्षणिक गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं।

बारिश से मैदान को नुकसान की आशंका

ट्रस्ट ने यह भी कहा कि लगातार हो रही बारिश के कारण मैदान पहले से ही संवेदनशील स्थिति में है। यदि बड़े कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है तो मैदान को नुकसान पहुंच सकता है और उसे दोबारा उपयोग योग्य बनाने में समय और संसाधन

दोनों लगेंगे। इसी आधार पर ट्रस्ट ने सुझाव दिया है कि कार्यक्रम बारिश समाप्त होने के बाद और विद्यालयों की छुट्टियों के दौरान आयोजित किया जाए। साथ ही कांग्रेस से कहा गया है कि कार्यक्रम के लिए जमा कराई गई राशि कार्यालय से वापस ले सकती है।

दूसरी ओर कांग्रेस ने केपी ट्रस्ट के दावे को खारिज कर दिया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता मोहम्मद फरहान ने कहा कि राहुल गांधी का कार्यक्रम पहले से तय स्थान पर ही होगा। उन्होंने बताया कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की मौजूदगी में प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कार्यक्रम को लेकर बैठक हो चुकी है और अनुमति रद्द किए जाने की बात सही नहीं है।

राहुल गांधी का प्रयागराज दौरा 8 अगस्त को प्रस्तावित है। इस दौरान वे 'गूंज' कार्यक्रम के तहत छात्रों से संवाद करेंगे। कार्यक्रम में पेपर लीक, बेरोजगारी, शिक्षा व्यवस्था और युवाओं से जुड़े मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि राहुल गांधी का प्रयागराज से विशेष जुड़ाव है और छात्रों से संवाद का कार्यक्रम तय कार्यक्रम के अनुसार ही आयोजित किया जाएगा।

फिलहाल केपी ट्रस्ट और कांग्रेस के दावों में स्पष्ट विरोधाभास दिखाई दे रहा है। एक ओर ट्रस्ट अनुमति रद्द करने की बात कह रहा है, जबकि कांग्रेस का दावा है कि कार्यक्रम निर्धारित स्थल पर ही होगा। अब सभी की नजर प्रशासन और संबंधित पक्षों के अगले आधिकारिक कदम पर बनी हुई है।

बसपा विधायक उमाशंकर सिंह का निधन, दिल्ली के फोर्टिस हॉस्पिटल में ली अंतिम सांस

बलिया, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले की रसड़ा विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के विधायक उमाशंकर सिंह का निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली के फोर्टिस अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके निधन से प्रदेश की राजनीति में शोक की लहर दौड़ गई है। उमाशंकर सिंह बलिया जिले की रसड़ा तहसील के खनवर गांव के निवासी थे। वह मौजूदा उत्तर प्रदेश विधानसभा में बसपा के एकमात्र विधायक थे। उन्होंने लगातार तीन बार विधानसभा चुनाव जीतकर अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ का परिचय दिया।

उमाशंकर सिंह ने पहली बार 2012 में बसपा के टिकट पर विधानसभा चुनाव जीतकर सदन में प्रवेश किया। इसके बाद 2017 में भाजपा की प्रचंड लहर के बावजूद उन्होंने रसड़ा सीट बरकरार रखी। वर्ष 2022 में भी बसपा के टिकट पर जीत दर्ज कर लगातार तीसरी बार विधायक बने।

उमाशंकर सिंह के निधन की खबर सामने आते ही उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त करते हुए लिखा, 'बलिया की रसड़ा विधानसभा से बसपा के विधायक उमाशंकर सिंह का निधन अत्यंत दुखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि।' उमाशंकर

सिंह की शुरुआती शिक्षा बलिया में हुई। कॉलेज के दौरान उन्होंने छात्र राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई, हालांकि शुरुआती दौर में उन्हें विशेष सफलता नहीं मिली। इसके बाद उन्होंने ठेकेदारी के क्षेत्र में कदम रखा और निर्माण कार्यों के जरिए बड़ी पहचान बनाई। उन्होंने 'छात्र शक्ति कंस्ट्रक्शन्स' नाम से कंपनी स्थापित की, जो सड़क निर्माण के क्षेत्र में कार्य करती है। उनकी कारोबारी गतिविधियां माइनिंग सेक्टर तक भी फैली थीं। इसके अलावा उन्होंने शिक्षा और होटल उद्योग में भी निवेश किया। उनकी पत्नी पुष्पा सिंह सीएस इन्फ्रा कंस्ट्रक्शन लिमिटेड की मैनेजिंग डायरेक्टर हैं।

मेलोनी के साथ ट्रंप का विवाद फिर शुरू, नाटो समिट से पहले झगड़े वाला मीम किया

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने रविवार को अपने ट्रुथ

सोशल प्लेटफॉर्म पर एक मीम शेयर करके इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के साथ फिर से विवाद को जन्म दिया है। इस मीम में दिखाया गया था कि मेलोनी उन पर बहुत ज्यादा ध्यान देती हैं। यह घटनाक्रम तुर्किए में होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन में दोनों नेताओं के शामिल होने से ठीक एक दिन पहले हुआ।

इस तस्वीर में मेलोनी मुस्कुराते हुए और ऊपर की ओर यानी ट्रंप की तरफ देखते हुए दिखाई दे रही हैं। इसके साथ कैप्शन लिखा है, रेस्ट्रेनिंग ऑर्डर की जरूरत है। यानी रोकथाम के आदेश की जरूरत। ये तस्वीर उसी दौरान की है जब जी7 समिट में ट्रंप और मेलोनी के बीच विवाद हो गया था। इस पोस्ट लोगों का ध्यान इस वजब से भी गया है क्योंकि उम्मीद है कि ट्रंप और मेलोनी तुर्किए में होने वाले नाटो समिट में दूसरे नेताओं के साथ मिलेंगे। ट्रंप का यह पोस्ट उनके हालिया दावों के बाद आया है, जिनमें उन्होंने कहा था कि जी7 समिट के दौरान मेलोनी ने बार-बार उनसे तस्वीर खिंचवाने के लिए कहा था। उन्होंने यह भी आरोप लगाया था कि ईरान से जुड़े ऑपरेशन के दौरान इटली ने अमेरिका को अपने रनवे इस्तेमाल करने की इजाजत देने से इनकार कर दिया था।

मेलोनी ने क्या दिया जवाब?

मेलोनी ने इन आरोपों को सख्ती से खारिज किया है। उन्होंने ट्रंप के दावों को पूरी तरह मनगढ़ंत बताया और कहा, न तो मैं और न ही इटली कभी किसी के सामने गिड़गिड़ाते हैं। कुछ हफ्ते पहले सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रंप की लगातार आलोचना का जवाब देते हुए मेलोनी ने कहा था, राष्ट्रपति ट्रंप बिना किसी वजह के लगातार किए जा रहे ये हमले बेमतलब हैं।

उन्होंने अपनी लोकप्रियता के बारे में ट्रंप की बातों को भी खारिज करते हुए कहा, मेरी लोकप्रियता इटली के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की मेरी क्षमता पर निर्भर करती है और मैंने हमेशा यही किया है।

मेलोनी ने अमेरिकी मिलिट्री बेस पर इटली के रुख का भी बचाव किया और कहा कि उनका इस्तेमाल मौजूदा समझौतों के तहत होता है, जिनका जब तक मैं प्रधानमंत्री हूं उल्लंघन नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, इटली एक संप्रभु देश है। वैसे भी मेरी लोकप्रियता आपकी चिंता का विषय नहीं है। मेरा सुझाव है कि आप अपनी लोकप्रियता पर ध्यान दें।

● यह दोस्ती कभी नहीं भूलेंगे

खामेनेई की अंतिम विदाई समारोह में भारत की मौजूदगी पर ईरान ने जताया

तेहरान, एजेंसी। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है।

ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,'भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है। जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'

ईरान के लोग क्या नहीं भूलेंगे?: भारत की भागीदारी की सराहना करते हुए दूतावास ने कहा, ईरान के लोग मित्रता,

करुणा और हार्दिक सम्मान के इस भाव को कभी नहीं भूलेंगे। वे इसे इस्लामी गणराज्य ईरान और भारत गणराज्य के बीच अटूट संबंधों का एक अनमोल प्रमाण और हमारे दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही मित्रता को और मजबूत करने के लिए एक अहम आधार मानते हैं।' पोस्ट में आगे कहा गया कि भारत में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास एक बार फिर उन सभी भारतीय अधिकारियों, प्रतिष्ठित व्यक्तियों और भारत के नेक लोगों के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है, जो इस दुख की घड़ी में ईरान के लोगों के साथ खड़े रहे और उनके प्रति सहानुभूति व्यक्त की।' विदेश मामलों की राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा और बिहार के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) सैयद अता हसनैन ने तेहरान में आयोजित अंतिम विदाई समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व किया। पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद, जो अंतिम संस्कार में भी शामिल हुए थे, उन्होंने खामेनेई को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं, जम्मू और कश्मीर पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती, जो अंतिम संस्कार में शामिल हुईं, उन्होंने भी ईरान के साथ एकजुटता व्यक्त की।

नाटो की बैठक से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा

मॉस्को, एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है।

यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की

मौत हुई थी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है। चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

अपने ही सगे बेटे के साथ आपत्तिजनक हालत में थी पत्नी, पिता समझता रहा मां की ममता, फिर एक दिन कमरे में पहुंचा तो...

वाशिंगटन, एजेंसी। रिश्तों की पवित्रता को शर्मसार करने वाला एक बेहद चौंकाने वाला मामला इन दिनों सोशल मीडिया पर एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। यह घटना अमेरिका के अर्कांसस से सामने आई है जहां एक सगे मां और बेटे के बीच के अवैध संबंधों का भंडाफोड़ खुद उसके पिता ने किया था। जब यह मामला पहली बार सामने आया था तब इसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया था। अब इस घटना की यादें इंटरनेट पर दोबारा वायरल हो रही हैं। आमतौर पर मां और बेटे का रिश्ता दुनिया में सबसे पवित्र माना जाता है। एक मां अपने बच्चे को पाल-पोसकर बड़ा करती है और उसे सही रास्ता दिखाती है। इस मामले में भी पीड़ित पति को शुरुआत में अपनी पत्नी और 27 वर्षीय बेटे के बीच का गहरा लगाव बेहद सामान्य लगता था। पति को लगता था कि मां अपने इकलौते बेटे से बहुत प्यार करती है और यह सिर्फ एक मां की ममता है। इसी वजह से उसने कभी दोनों पर शक नहीं किया। पति ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया था कि एक दिन जब वह अचानक घर के कमरे में पहुंचा तो जो मंजर उसने देखा उसने उसके पैरों तले जमीन खिसका दी। उसकी पत्नी और उसका सगा बेटा बेहद आपत्तिजनक और घिनौनी स्थिति में थे। अपनी ही आंखों के सामने रिश्तों का यह कत्ल देखकर पिता गहरे सदमे में चला गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः संपादक देवन प्रसाद मो. 9212228045, 8130691216, (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, 9971557129 रंजीत राय फोन नं-011-45795464,